आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं - 12

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर- 12

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत - 13

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच - 14

आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
08.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05 सूर्यास्त 05.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:32 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 3 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 40, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

फ्लॉवर शो

अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यहां की कुछ तस्वीरें शेयर कर कहा यह प्रदर्शनी रचनात्मकता व सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही प्रकृति प्रेम को दर्शाती है।

भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी का हार्ट अटैक से निधन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शामिल होने पहुंचे थे फरीदपुर विधायक
- सर्किट हाउस परिसर में भोजन के बाद सीने में दर्द होने पर कुछ देर कक्ष में लेट गए पर बढ़ती गयी दिक्कत
- पीलीभीत रोड पर निजी अस्पताल ले गए जहां वेंटीलेटर पर सीपीआर दी गयी लेकिन बचाया नहीं जा सका

अमृत विचार : फरीदपुर विधानसभा से दूसरी बार भाजपा के विधायक और महात्मा ज्योतिबा फूले विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार की दोपहर सर्किट हाउस में हार्ट अटैक आने के बाद निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था के संबंध में आयोजित बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। बैठक के बाद उन्होंने भोजन भी किया। इसी दौरान सीने में दर्द की शिकायत हुई। तत्काल उन्हें पीलीभीत रोड स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, वेंटीलेटर पर रखकर डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर दी, लेकिन बचाया नहीं जा सका। उन्होंने गुरुवार को ही अपना 60वां जन्मदिन मनाया था।

सर्किट हाउस में राज्यपाल कक्ष में पशुधन एवं दुग्ध विकास धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में 2026 में प्रस्तावित मुख्य विकास कार्य, पंचायत चुनाव, अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं, मकर संक्रांति के अवसर पर कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक हुई। इसमें फरीदपुर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल करीब 12.30 बजे पहुंचे थे। बैठक में उन्होंने नाथनगरी कॉरिडोर, गुलड़िया के गौरी शंकर मंदिर सहित कई अन्य प्रोजेक्टों पर कई सुझाव भी रखे। बैठक के बाद परिसर में पंडाल में भोजन की व्यवस्था थी। सांसद छत्रपाल गंगवार ने बताया कि डॉ श्याम बिहारी सहित हम लोगों ने भोजन किया। भोजन के बाद पंडाल में ही उन्हें कुछ दिक्कत महसूस हुई तो वे कक्ष में चले आए। सीने में दिक्कत के साथ पसीना खूब आया था। तत्काल उन्हें सर्किट हाउस के पास डॉ शिरीष गुप्ता के यहां ले जाया गया था।

हालत गंभीर देख उन्हें पीलीभीत रोड स्थित मेडिसिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। मेडिसिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ विमल भारद्वाज ने बताया कि 3 बजे के बाद हमारे हॉस्पिटल में डॉ. श्याम बिहारी लाल को लेकर आए थे। वेंटीलेटर पर रखा, सीपीआर दी गयी, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ पुनीत सोंधी, डॉ मुकुल शारदा, डॉ विवेक मिश्रा की टीम ने कोशिश की, लेकिन फायदा नहीं हुआ। 4 बजे के बाद उन्हें डेथ घोषित किया। बताते हैं कि तीन माह पहले अपोलो दिल्ली में एन्जियोप्लास्टी सर्जरी हुई थी। 2007 में बाईपास सर्जरी हो चुकी थी।

दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि देने आज आएंगे मुख्यमंत्री

बरेली। फरीदपुर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल के निधन पर श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. श्याम बिहारी के शक्तिनगर कालोनी स्थित आवास पर श्रद्धांजलि देने के लिए करीब 15 मिनट तक रुकेंगे।

ब्रीफ न्यूज

कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन

श्री विजयपुरम। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुन:निर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था।

मंत्री की 3.60 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में ईडी ने सुधार प्रशासन मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और उनके परिवार की 3.60 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर कुर्क की गई संपत्तियों के बारे में जानकारी दी। सिन्हा, उनकी पत्नी और उनके दो बेटों के नाम पर पंजीकृत कुल 10 संपत्तियां कुर्क की गईं, जिनमें मकान, फ्लैट, जमीन और एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ठंड हुई प्रचंड, 5 तक स्कूल बंद

पहाड़ों में बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को 5° सेल्सियस नीचे धकेला | दो दिन से नहीं निकली धूप, आईएमडी ने कहा- आगामी एक सप्ताह में बढ़ेगी ठंड

- रविवार से पुन: घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बीते दो दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में सर्द हवाओं के साथ ठंड व गलन बढ़ने की संभावना जताई है। ऐसे में दिन में भी ठिठुरन महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक हफ्ते में सर्दी अपने सबसे भयानक रूप में होगी।

दरअसल, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को सामान्य से 5C नीचे धकेल दिया है। संभावना है कि रविवार से पुनः घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं सरकार ने 12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश (पश्चिमी व पूर्वी) में आने वाले दिनों में कहीं बारिश, कहीं हल्की धूप तो कहीं धुंध और ठिठुरन रहेगी। हिमालय की ऊंची चोटियों जैसे सोनमर्ग, रोहतांग और माछिल में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है जिसका सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ रहा है। पश्चिमी यूपी में पॉकेट्स में बारिश हो सकती है, जबकि पूर्वी यूपी में हल्की लेकिन कमजोर धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

प्रयागराज में घने कोहरे के बीच जाता राहगीर।

अगले 4 दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री नीचे बना रहेगा, यानी दिन में भी कड़ाके की ठंड रहेगी। वहीं, सुबह और शाम के समय घना कोहरा यातायात को प्रभावित करेगा, हालांकि 3 जनवरी के बाद इसमें थोड़ी कमी आ सकती है। शीत लहर की बात की जाए तो, उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी। 5 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे 6 और 7 जनवरी को फिर से पहाड़ों पर बर्फबारी और ऋषिकेश-हरिद्वार जैसे इलाकों में बारिश हो सकती है। हालांकि कड़ाके की ठंड के बीच एक अच्छी खबर यह है कि 8 से 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के कारण दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और आगरा जैसे शहरों में प्रदूषण के स्तर में सुधार होगा। धुंध और स्मॉग की चादर छटेगी, जिससे लोगों को सांस लेने में आसानी होगी।

किसानों के लिए आवश्यक सुझाव : फसल विशेषज्ञों का सुझाव है कि, पाले से बचाव के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। खेत के चारों ओर मेड़ पर धुआं करके तापमान को संतुलित रखें और कड़ाके की ठंड में पशुओं को खुले में न बांधें और उनके चारे की खास व्यवस्था रखें।

प्रदेश में 12वीं तक स्कूल रहेंगे बंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के कारण आईसीएससी, सीबीएससी, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करने के बीच स्कूलों को लेकर यह आदेश जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस हिदायत के मद्देनजर पर अब पांच जनवरी तक प्रदेश में सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय से लेकर सहायता प्राप्त विद्यालय एवं सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। लखनऊ समेत कई जिलों के डीएम ने मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पृथक से भी स्कूलों के बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।

बजट खर्च में लापरवाह अफसरों की तय हो जिम्मेदारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त विभाग की समीक्षा में सीएम के सख्त निर्देश कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को पत्र भेजेगा सीएम कार्यालय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट व्यय की प्रगति को लेकर शुक्रवार को वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विभागों में बजट खर्च की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल तेजी लाई जाए और समयबद्ध व्यय सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को अपने कार्यालय से पत्र भेजने का भी निर्देश दिया।

योगी ने अपने आवास पर 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा करते हुए शासन के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का समय से उपयोग हो, ताकि परियोजनाएं और योजनाएं तय समय में पूरी हों और प्रदेशवासियों को लाभ मिले। निर्णय लेने में देरी बजट व्यय की सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें और विलंब से बचें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें।

दिल्ली जाकर मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव करें पैरवी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति अपेक्षा से धीमी है। इसे तेज करने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी हर माह समन्वय बैठक करें। उन्होंने कहा जिन योजनाओं में केंद्र सरकार से बजट निर्गत होता है, उनके लिए संबंधित मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर पैरवी करें, पत्राचार करें और फोन के माध्यम से नियमित फॉलो-अप रखें।

2026-27 के बजट पर हो तैयारी

योगी ने निर्देश दिए कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी अभी से शुरू की जाए। सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांगों की समीक्षा की जाए और आवंटन से पहले पिछले पांच वर्षों के खर्च के आकलन का विश्लेषण किया जाए।

योगी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि कम बजट खर्च करने वाले विभागों की पहचान कर संबंधित विभागीय मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी किए जाएं।

इंदौर पेयजल मामले में बड़ा एक्शन, निगम आयुक्त को हटाया, दो निलंबित

इंदौर, एजेंसी

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की कार्रवाई, शुक्रवार को एक और महिला की गई जान

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण हुई मौत मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार देर शाम इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार को हटा दिया। वहीं, निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी, इस संबंध में कठोर निर्णय लिए जा रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को दूषित पानी पीने के बाद 10 दिन से बीमार भागीरथपुरा निवासी 68 वर्षीय गीताबाई ध्रुवकर की मौत हो गई। यह शहर में दूषित पानी से जुड़ी 15वीं मौत है। इसी मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 294 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से 93 मरीज उपचार के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 32 मरीज आइसीयू में भर्ती हैं। रिपोर्ट में उल्टी-दस्त से चार मौत होने की बात कही गई है।

हाईकोर्ट में सरकार बोली- यह प्रकोप लोक स्वास्थ्य आपातकाल

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में पेश राज्य सरकार की स्थिति रिपोर्ट में कहा गया कि डायरिया के प्रकोप को लोक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में लेते हुए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के निर्देश पर यह रिपोर्ट पेश की। अदालत पेयजल त्रासदी को लेकर इंदौर उच्च न्यायालय अभिभाषक (वकील) संघ के अध्यक्ष रितेश ईनाणी की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका पर छह जनवरी को अगली सुनवाई होगी।

जमीन घोटाले में आईएएस गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

- रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल की कार्रवाई

गुजरात में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 1500 करोड़ के जमीन घोटाले में सुरेंद्रनगर जिले के पूर्व कलेक्टर और आईएएस डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के अधिकारी पटेल को एक हफ्ते पहले सुरेंद्रनगर के जिलाधिकारी पद से उस समय बिना किसी नयी तैनाती के स्थानांतरित कर दिया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रसिंह मोरी को रिश्वतखोरी के आरोपों से उपजे धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज होने के बाद उप मामलातदार मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच कर रही है।

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- किसी आपराधिक मुकदमे को प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

शीर्ष कोर्ट ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। कोर्ट ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो। यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जान को क्रूरता मानने से इनकार किया।

उपकर लागू होते ही पान मसाला विनिर्माताओं को करना होगा पंजीकरण

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के एक फरवरी से लागू होने के साथ ही तत्काल पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। वित्त मंत्रालय ने इस कानून के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह स्पष्ट किया। मंत्रालय के मुताबिक, जिन पान मसाला विनिर्माताओं की एक से अधिक कारखानों में पैकिंग मशीनें स्थापित हैं, उन्हें हरेक कारखाने के लिए अलग-अलग पंजीकरण कराना होगा और इसके लिए 'केंद्रीय उत्पाद-शुल्क एवं सेवा कर स्वचालन' के पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य होगा।

सुविधा

किसी वाटर मेट्रो के संचालन से लोगों को रोजगार के साथ मनोरंजन भी मिलेगा

कोच्चि की तर्ज पर गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कोच्चि की तर्ज पर राजधानी की गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी राज्य सरकार ने कर ली है। इससे शहर को जाम से जहां काफी हद तक निजात मिलेगा, कनेक्टिविटी बेहतर होगी वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

गोमती मेट्रो को लेकर परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार है। भविष्य में प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की योजना है। वहीं, वाराणसी, अयोध्या एवं प्रयागराज की संबंधित रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। इससे पहले लखनऊ में गोमती नदी के लिए प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके बाद मथुरा-आगरा (यमुना), गोरखपुर (रामगढ़ ताल), बलिया (सुरहा ताल) और गंगा नदी में जल परिवहन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। वाटर मेट्रो से रोजगार के नए अवसर, पर्यटन को बढ़ावा और जनता के लिए सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा। परियोजना के अंतर्गत नेविगेशनल एड, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, पैसेंजर काउंटिंग, पर्यावरणीय व सामाजिक प्रभाव अध्ययन, टर्मिनल-जेट्टी, रोड कनेक्टिविटी, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन, इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, बोट चार्जिंग, फायर प्रोटेक्शन व एचवीएसी जैसी व्यवस्थाओं का अध्ययन कर डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके बाद लागत तय कर निविदा प्रक्रिया शुरू होगी।, यह परियोजना मनोरंजन और आर्थिक विकास दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगी। परियोजना को लेकर शुक्रवार को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास पर कोच्चि मैट्रो के निदेशक संजय कुमार के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई।

कोच्चि मेट्रो देश की पहली जल-आधारित व्यवस्था

कोच्चि वाटर मेट्रो देश की पहली जल-आधारित मेट्रो व्यवस्था है, जो बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावों के माध्यम से कोच्चि के द्वीपों को मुख्य भूमि से जोड़ती है। इससे यातायात कम होता है और यह पर्यावरण के अनुकूल है। यह किफायती टिकटों, एयर कंडीशनिंग और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देती है, जिससे केरल के बैकवाटर में यात्रा का एक अनूठा अनुभव भी मिलता है।

> मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट पर कवायद तेज करने की मंशा से अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने और व्यय विवरण जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रयास है कि व्यय का विवरण उपलब्ध होते ही शासन से बजट आवंटन की व्यवस्था कराई जा सके, ताकि इसका लाभ जनता को यथाशीघ्र प्राप्त हो सके।
>
> -**दयाशंकर**, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

अमृत विचार
बरेली, शनिवार, 3 जनवरी 2026
पीलीभीत

शहर में आज

- जिले की समस्त तहसीलों पर संपूर्ण समाधान दिवस सुबह 10 बजे से।
- सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- ऑकेजन बरात घर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शाम 4 बजे।
- गुरुद्वारा गुरु कलगीधर सिंह सभा से प्रभात फेरी सुबह 4 बजे से।
- श्रीबालाजी नीम करौली धाम काशीराम ईदगाह कॉलोनी में हवन दोपहर 12 बजे।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने कच्ची शराब के साथ दो लोगों को किया गिरफ्तार

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो लोगों को पकड़ा। हेड कांस्टेबल सत्यपाल ने एक सूचना पर जल्लापुर गांव की पुलिया के पास से 20 लीटर कच्ची शराब के साथ फरीदपुर बरेली के ग्राम बिलऊआ निवासी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया। वहीं, दरोगा सतीश चंद्र ने बरेली मार्ग पर बिजली घर के पास से ग्राम हेतम नगला जाने वाले रास्ते से मीरपुर वाहनपुर निवासी सुनील कुमार को 50 देसी शराब के पौवे ले जाते पकड़ा। वह बिक्री से जुड़ा कोई लाइसेंस नहीं दिखा सका। आबकारी अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर दोनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

घायल के परिजन ने किया हंगामा

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला अस्पताल की इमरजेंसी में शुक्रवार को फिर हंगामा हो गया। सड़क हादसे में घायल युवक के परिवार ने लापरवाही का आरोप स्टाफ पर लगाया। सुरक्षाकर्मी शांत कराने पहुंचे तो उनसे भी अभद्रता हुई। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी भाग गए। बताते है कि सुनगढ़ी थाना क्षेत्र का एक युवक हादसे में घायल हो गया था। उसे जिला अस्पताल लाया गया। इस दौरान युवक के साथ आए कुछ लोगों ने इलाज में देरी और लापरवाही का आरोप लगा दिया। स्टाफ से उलझ गए। सुरक्षाकर्मियों ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही हंगामा करने वाले भाग गए। हालांकि घायल का इलाज किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सात डिग्री लुढ़का पारा, गलन ने छुड़ाई कंपकंपी

चलती रहीं बर्फीली हवाएं, कई जगह अलाव भी पड़े ठंडे, बाजार में भी दिखा सर्दी का असर, चहलकदमी रही कम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मेडिकल कॉलेज में मरीजों की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तराई में नए साल के दूसरे दिन ठंड ने लोगों को बेहाल कर दिया। पारा लुढ़ककर सात से छह डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने के साथ ही गलन इतनी बढ़ गई कि सुबह से रात के समय तक कंपकंपनी छुड़ाने वाली सर्दी ने लोगों को परेशान कर दिया। नए साल के दिन धूप निकलने से जरूर कुछ देर के लिए राहत मिली थी, लेकिन अगले ही दिन मौसम ने फिर करवट ली और ठंडी हवाओं के साथ गलन ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ी। कड़ाके की ठंड का असर बाजारों पर भी साफ नजर आया। आम दिनों में रौनक रहती है, वहां चहलकदमी कम दिखी और लोग जरूरी काम निपटाकर जल्द घरों की ओर लौटते नजर आए। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अभी आगे मौसम ठंडा रहेगा।

गुरुवार की निकली धूप के बाद शुक्रवार सुबह घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के साथ हुई। तेज हवा से लोगों को कोहरा और बादल छंटने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पूरे दिन आसमान में धुंध छाई रही। कोहरे की चादर से लिपटे शहर में दिन भर वाहन सवार अपने वाहनों की लाइटें जलाकर सफर करते हुए दिखाई दिए। सर्दी का आलम यह रहा कि लोगों जगह-जगह अलाव तपाते हुए नजर आए। हालांकि कई स्थानों पर अलाव की व्यवस्था देखने को नहीं मिली। सरकारी कार्यालयों में भी अफसर और कर्मचारी ब्लोर और हीटर के आगे बैठे रहे। बाइकों पर लोग कंबल, कैप, मफलर आदि लगाए हुए दिखाई दिए। अधिकतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 8.01 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि शाम होते होते छह से पांच डिग्री तक पहुंच गया। जबकि दिन भर 18 से 20 किमी की रफ्तार से बर्फीली हवाएं चलती रही। बाजार में भी कई जगह सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि गर्म कपड़ों का बाजार में गर्माहट देखने को मिली। जहां लोग गर्म कैप, जैकेट आदि की खरीदारी करते देखे गए। इधर, सर्द मौसम होने की वजह से अस्पतालों में बुखार, खांसी, जुकाम आदि बीमारियों के मरीज भी सामने आ रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढाका ने बताया कि नए साल में पांच जनवरी तक कोहरा और धूप आती जाती रहेगी।

गौहनिया चौराहा से बाइक से जाते राहगीर। ● अमृत विचार

कोहरे में बचाव के लिए करें यह उपाय

- गाड़ी चलाते समय लो बीम या फ़ॉग लाइट का इस्तेमाल करें।
- हाई बीम का इस्तेमाल न करें।
- वाहन चलाते समय सड़क पर उचित दूरी बनाए रखें।
- वाहन चलाते समय ओवरटेक करने से बचें।
- वाहन चलाते समय सड़क के किनारे की लाइनों का पालन करें और अपनी लेन में रहें।

बदलते मौसम में बढ़े सर्दी बुखार के मरीज

बदलते मौसम को देखते हुए भी चिकित्सक ठंड से बचाव करने की एडवाइजरी जारी की है। मेडिकल कॉलेज के डॉ. गिरीश अनेजा ने बताया कि सर्दी बढ़ने के साथ ही अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। मेडिकल कॉलेज से लेकर निजी अस्पतालों की ओपीडी में सर्दी, जुकाम, बुखार, कोल्ड डायरिया और निमोनिया से पीड़ित बच्चे बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण ठंड का असर ज्यादा गंभीर हो रहा है। ठंड अधिक पड़ रही है। इसलिए बच्चे और बुजुर्गों को विशेष ध्यान रखने की जरुरत है। सुबह-शाम पर्याप्त गरम कपड़े पहनें। गुनगुने या फिर गरम पानी का सेवन करें। फ्रीज में रखे पानी या सामान का सेवन बिल्कुल न करें। सुबह ठंड कम होने पर ही टहलने जाएं। ओपीडी में इन दिनों हदय रोगी के साथ बच्चों में निमोनिया और बुखार आदि के मरीज आ रहे हैं।

श्रम निरीक्षक ने बाजार में किया निरीक्षण

बीसलपुर, अमृत विचार: साप्ताहिक बंदी के दिन शुक्रवार को श्रम निरीक्षक ने टीम के साथ पहुंचने पर दुकानदारों और श्रम विभाग की टीम के बीच आंख मिचौली चलती रही। बता दें कि बीते सप्ताह व्यापार मंडल के अध्यक्ष वीरेंद्र लोहिया की अध्यक्षता में व्यापारियों की हुई बैठक में शुक्रवार को सभी व्यापारियों द्वारा अपने प्रतिष्ठान पूरी तरह से बंद रखने का निर्णय लिया गया था।

इस निर्णय का प्रस्ताव बनाकर जिला अधिकारी को प्रेषित कर श्रम विभाग की ओर से बंदी का अनुपालन कराने का भी आग्रह किया गया था। मगर, शुक्रवार को साप्ताहिक बंदी के दिन 30 प्रतिशत से अधिक दुकानदार दुकान खोलकर बिक्री करते हुए नजर आए। इसी दौरान श्रम निरीक्षक भूरेलाल की टीम अचानक बीसलपुर आ धमकी उनके आने की भनक लगते ही, दुकानदारों ने दुकान बंद करनी शुरू कर दी। श्रम निरीक्षक ने गाड़ी बाजार में खड़ी करने के बाद बाजार में ही स्थित एक मिष्ठान भंडार पर बैठ गए। इस दौरान शोर मचा कि टीम चली गई। इसके बाद दुकानदारों ने अपनी दुकानें पुनः खोल दी। इसी बीच श्रम निरीक्षक के दोबारा बाजार में पहुंचने पर दुकानदारों ने प्रतिष्ठान बंद कर दिए।

लोन जमा नहीं किया, फर्जी अभिलेख से बनवाई एनओसी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एसपी के आदेश पर शाखा प्रबंधक की ओर से हुई एफआईआर

अमृत विचार : महेंद्रा फाइनेंसियल सर्विसेज के मैनेजर सचिन खंडारी ने एसपी के आदेश पर थाना सुनगढ़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें पीड़ित ने बताया कि वह पीलीभीत शाखा नकटादाना चौराहे पर एरिया लीगल मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी कंपनी कई प्रकार के उत्पाद व्यवसायिक ऋण, वाहन ऋण ग्राहकों को उनके अनुरोध पर प्रदान करती है।

कंपनी ने जसवंत सिंह पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम किशनपुर पोस्ट दियोहना थाना बीसलपुर जिला पीलीभीत को बड़े वाहन पर लोन दिया था। जिस पर कंपनी का एचपी चढ़ा हुआ था। जसवंत सिंहकिश्तों का भुगतान करने में हमेशा जान बूझकर चूक करते रहे और कंपनी का 1882435 रुपये वापस नहीं किए गए। जांच के दौरान पता चला कि उक्त जसवंत सिंह ने साथियों के साथ मिलकर कंपनी के कर्मचारियों के जाली व फर्जी हस्ताक्षर कराकर वाहन का एनओसी बना ली। जिसकी शिकायत एआरटीओ से भी की गई। इसके बाद एआरटीओ कार्यालय की मदद से आरोपी ने उक्त गाड़ी को आरसी के नाम से करवा लिया। जालसाजी करने वालों में एआरटीओ कार्यालय के कर्मचारियों के शामिल होने का भी अंदेशा है। सुनगढ़ी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि विवेचना में साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण में नदारद मिले पंचायत सचिव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीपीआरओ को ग्राम पंचायत के निरीक्षण में भी मिली थी खामियां
- सात दिन में नोटिस का जवाब दाखिल न करने पर होगी कार्रवाई

अमृत विचारः विकास कार्यों का सत्यापन करने गांव पहुंचे डीपीआरओ को पंचायत सचिव नहीं मिले। इससे योजनाओं का अभिलेखीय सत्यापन भी नहीं हो सका। गांव में भी गंदगी मिलने के साथ कूड़े के ढेर लगे मिले। अब डीपीआरओ ने संबंधित पंचायत सचिव का जवाब तलब करते हुए सात दिन में जवाब दाखिल न करने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

बीसलपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत मीरपुर वाहनपुर में गत दिवस डीपीआरओ रोहित भारती ग्राम पंचायत में संचालित की जा रही योजनाओं का भौतिक सत्यापन करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पंचायत सचिवालय का निरीक्षण किया जो खुला मिला, मगर उसमें न तो पंचायत मिले और न ही पंचायत सहायक उपस्थित मिला। ग्राम पंचायत का सामुदायिक शौचालय और आरआरसी सेंटर भी ठप मिले। गांव का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था देखी तो गांव में खासी गंदगी फैली दिखाई दी, इसके साथ ही कूड़ा उठान की व्यवस्था भी सुचारू नहीं पाई गई। हालांकि डीपीआरओ के उक्त तिथि पर होने वाले सत्यापन को लेकर पंचायत सचिव रितेश शुक्ला को पूर्व में ही सूचना देते हुए उपस्थित रहने के निर्देश भी दिए गए थे। मगर, सचिव ने निर्देशों को हवा में उड़ा गया। पंचायत सचिव के मौके पर मौजूद न होने से संचालित योजनाओं का अभिलेखीय सत्यापन भी नहीं हो सका। इस लापरवाही पर डीपीआरओ ने पंचायत सचिव रितेश शुक्ला को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सात दिन में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण न दिए जाने पर विभागीय कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

ग्राम पंचायत जसोली दिवाली की महिला प्रधान गईं जेल, कार्यवाहक प्रधान को मिली जिम्मेदारी

अमृत विचार, पीलीभीत : बीसलपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत जसोली दिवाली की प्रधान नीरज देवी वर्तमान में जिला कारागार में बंद है। इस कारण ग्राम पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इधर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने ग्राम पंचायत सदस्य उमाशंकर को कार्यवाहक प्रधान नामित किया है, ताकि ग्राम पंचायत में कराए जाने वाले विकास कार्य निरंतर जारी रह सके।

विधायक की शिकायत पर हटाए गए प्रधान प्रबंधक

संवाददाता, बीसलपुर

नए प्रधान प्रबंधक आरके जैन।

- सहकारी चीनी मिल बीसलपुर का मामला
- आरके जैन होंगे नए प्रधान प्रबंधक

अमृत विचारः लंबे समय से विवादों में घिरे किसान सहकारी चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक डॉ. हरिकृष्ण गुप्ता को हटा दिया गया है। उनके स्थान पर बिलासपुर से आरके जैन को बीसलपुर मिल का प्रधान प्रबंधक बनाकर भेजा गया है। उन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण भी कर लिया है।

प्रधान प्रबंधक डॉ. हरिकृष्ण गुप्ता विवादों में घिरे हुए थे। इन्हीं विवादों को लेकर चीनी मिल प्रबंध समिति के संचालकों में मिल के उपाध्यक्ष नरेश चंद्र शर्मा के साथ भाजपा बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा से मुलाकात कर शिकायत कर दी थी। इसके बाद चीनी मिल के चीफ केमिस्ट और चीफ इंजीनियर को शासन स्तर से प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल में शासन की ओर से मिल के प्रधान प्रबंधक के पद पर हिमांशु गुप्ता का स्थानांतरण बीसलपुर चीनी मिल किया गया था। मगर, उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया। इस पर प्रधान प्रबंधक डॉ.हरिकृष्ण गुप्ता मिल को संचालित करते रहे। इसी बीच विधायक विवेक कुमार वर्मा ने लखनऊ पहुंचकर प्रधान प्रबंधक को हटाने की पुनः मांग दोहराई। जिसके बाद अब गन्ना आयुक्त और प्रमुख सचिव ने विधायक की शिकायत का संज्ञान लेते हुए चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक डॉ.हरिकृष्ण गुप्ता का स्थानांतरण फेडरेशन कर दिया है।

एआरएम के साथ मारपीट मामले में पुलिस ने दर्ज नहीं की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पूर्व में भी अफसरों से अभद्रता के मामले में निलंबित हो चुका आरोपी रोडवेज कर्मचारी

अमृत विचार : एआरएम पर हमला कर अभद्रता करने के मामले में कोतवाली में तहरीर देने के बावजूद दूसरे दिन कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। आरोपी रोडवेज कर्मचारी पूर्व में भी जिम्मेदारों से अभद्रता पर निलंबित किया जा चुका है। एआरएम से विवाद का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पूरनपुर बस अड्डे पर ड्यूटी लगाए जाने से नाराज कर्मचारी पूर्व में भी विवादों में रहा हैं। बताया जा रहा है कि वह पूर्व में बरेली कार्यालय में कार्यरत था तो वहां भी अधिकारियों के साथ अभद्रता व मारपीट की थी। इसके बाद कर्मचारी को वहां भी निलंबित किया गया। बाद में उसे पीलीभीत डिपो में तैनाती दे दी गई। पूरनपुर में पर ड्यूटी लगाए जाने से नाराज होकर गुरुवार को वह अपने परिवार के साथ डिपो कार्यालय पहुंचा। एआरएम का आरोप है कि कर्मचारी ने उनके कक्ष में पहुंचकर गाली-गलौज और उनके साथ मारपीट की। साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में एआरएम की ओर से गुरुवार की शाम को ही कोतवाली पुलिस को तहरीर दी गई थी। इतना ही नहीं घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें विवाद करने वाले कर्मचारी के पत्नी और बच्चों के साथ दिखाई दे रहा है। वीडियो में कर्मचारी गाली-गलौज कर धमकाता हुआ दिख रहा है। वहीं पत्नी व मौजूद कर्मचारी उसे समझाने का प्रयास करते हुए नजर आ रहे है, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। एआरएम विपुल पाराशर ने बताया कि पूरे मामले की तहरीर पुलिस को दे दी गई है। अभी तक किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

प्रगति रिपोर्ट अपलोड करने में पीडब्ल्यूडी पिछड़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सीडीओ ने दोनों विभागों को पोर्टल पर प्रगति रिपोर्ट अपलोड करने के दिए निर्देश

अमृत विचारः मुख्यमंत्री डैशबोर्ड को लेकर लगभग हर माह नकेल कसी जाती है, इसके बावजूद लापरवाही सामने आ रही है। लोक निर्माण विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से पिछले माह की प्रगति रिपोर्ट ही अपलोड नहीं की गई। मामला संज्ञान में आने पर सीडीओ ने संबंधित विभागीय अफसरों को तत्काल प्रगति रिपोर्ट अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

जनपद स्तर पर हर माह मुख्यमंत्री डैशबोर्ड को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है। इसे लेकर सभी विभागों को निर्धारित समय में विभागीय प्रगति रिपोर्ट अपलोड किए जाने को निर्देशित किया जाता है। विभागों से प्रगति रिपोर्ट मिलने के बाद ही अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा अपडेट रिपोर्ट तैयार की जाती है। पिछले माह की प्रगति रिपोर्ट अधिकांश विभाग द्वारा अपलोड की जा चुकी है। मगर, लोक निर्माण विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा अभी तक प्रगति रिपोर्ट अपलोड नहीं की है। ऐसे में अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग को अपडेट रिपोर्ट तैयार करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामला संज्ञान में आने पर सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने दोनों विभागों को तत्काल प्रगति रिपोर्ट अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

गन्ना भुगतान समय से दिलाने की मांग

अमरिया, अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन (चौधरी) की बैठक शुक्रवार को तहसील परिसर में हुई। जिसमें किसानों से संबंधित आठ सूत्रीय मांगों को लेकर युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष अजय पाल मौर्य की अध्यक्षता में एसडीएम मयंक गोस्वामी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा कि किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा है। धान के पंजीकरण सही समय पर सत्यापित नहीं किए गए। किसानों को छुट्टा पशुओं से खेती में बड़ा नुकसान हो रहा है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष नौशाद, मंडल अध्यक्ष मोहम्मद सलीम, जिला अध्यक्ष असगर, सोनू शर्मा, इस्तिखार अहमद, गुरविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव से पहले पंचायतों में बजट खपाने की तैयारियां तेज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- परिषदीय स्कूलों में फर्नीचर समेत नाली खड़ंजा का कराया जा रहा निर्माण

> ग्राम पंचायतों में आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं। इन सभी कार्यों पर तीन स्तर में निगरानी की जा रही है। यदि कहीं कोई लापरवाही का मामला सामने आता है तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। - **रोहित भारती**, डीपीआरओ

अमृत विचार : पंचायत चुनाव नजदीक आ चुके हैं। ऐसे में अब अलग-अलग मदों से ग्राम पंचायतों के खाते में आई धनराशि से गांवों में विकास के काम में तेजी आनी शुरू हो गई है, कहीं सड़कों की मरम्मत तो कहीं स्कूलों में फर्नीचर की व्यवस्था की जा रही है। इधर महकमा भी विकास कार्यों में तेजी दिखने के बाद होने वाले खर्च पर पैनी निगाह रख रहा है, ताकि कहीं कोई खेल न हो सके।

जिले में 720 ग्राम पंचायतें हैं। पंचायत चुनाव नजदीक आ चुके हैं। मगर, इससे पहले गांवों में सियासी हवाएं तेजी से चलनी शुरू हो गई हैं। गांवों में प्रधान से लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य तक के पदों के लिए अपनी दावेदारी जता रहे हैं। मतदाताओं को रिझाने का दौर भी लगभग शुरू हो चुका है। दावेदार गांवों में होने वाली गतिविधियों में भी हिस्सा लेने में लग गए हैं। इसको लेकर गांवों में सरगर्मियां भी बढ़ गई हैं। गांवों की पंचायतों में देर शाम तक मजमा लग रहा है, जिसमें चुनावी हलचल दिखने लगी है। इन सबके बीच मौजूदा प्रधान से लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य तक अपने क्षेत्र में विकास कार्यों पर जोर देने लगे हैं। खासतौर से ग्राम पंचायतों में आई धनराशि को खपाया जा रहा है। पंचायत निधि में आने वाली धनराशि को खपाने के लिए गांवों में सड़कों की मरम्मत, नाले-नालियों, पुलियों आदि का निर्माण कराया जा रहा है। इन दिनों कई ग्राम पंचायतों में बने स्कूलों में फर्नीचर की व्यवस्था की जा रही है।

यातायात नियमों का करें पालन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एआरटीओ की अगुवाई में आयोजित की कार्यशाला
- सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील

अमृत विचार : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को वृहद कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पूरनपुर रोड पर स्थित प्रत्यायन चालक प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुई।

कार्यशाला का आयोजन एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया। परिवहन व्यवसायियों, वाहन स्वामियों, वाहन चालकों ने प्रतिभाग किया। जिन्हें सुरक्षित वाहन संचालन और लेन ड्राइविंग से संबंधित व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एआरटीओ ने सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों, दुर्घटना आंकड़ों और उनके दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं तेज गति, गलत लेन परिवर्तन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग न करने, ओवरटेकिंग में लापरवाही जैसे कारणों से होती हैं।

उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए उपस्थित सभी लोगों से यातायात नियमों का पूर्ण निष्ठा से पालन करने, वाहन चलाते समय संयम बरतने और स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी वैभव सोती ने वाहन चालकों को लेन ड्राइविंग की आवश्यकता, उसके नियम, संकेत चिन्हों की जानकारी एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि लेन अनुशासन का पालन करने से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आती है, बल्कि यातायात व्यवस्था भी सुचारु रूप से संचालित होती है।

कार्यशाला के अंत में उपस्थित परिवहन व्यवसायियों एवं वाहन चालकों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की प्रतिबद्धता व्यक्त कीं। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के अंतर्गत जनपद में आगे भी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यशालाएं एवं प्रवर्तन गतिविधियां संचालित की जाएंगी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके।

विधायक ने मौके पर जुटाई जानकारी

बरखेड़ा, अमृत विचारः नगर पंचायत की ओर से तीन दिन पहले वार्ड नंबर चार कुंदनपुर गौटिया के लिए रास्ते का निर्माण शुरू कराने के लिए सामग्री डलवाई गई थी। एसडीएम ने निर्माण कार्य रुकवा दिया था। इधर चेयरमैन श्याम बिहारी भोजवाल ने डीएम को पत्र दिया था। मेला कमेटी से जानकारी मिलने पर विधायक स्वामी प्रवक्तानंद शुक्रवार को मौके पर पहुंचे और जानकारी की। लेखपाल शैलेंद्र गंगवार को मौके पर बुलाया गया। लेखपाल ने बताया कि उन्होंने हाल ही में कार्य भार ग्रहण किया है इसलिए उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है। दोनों पक्षों को बुलाकर वार्ता करने और जमीन की माप करने की विधायक ने कही। फिलहाल मामला गर्माया हुआ है।

खुले में कूड़ा फेंक रही ट्रॉली को किया जब्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

खुले में कूड़ा फेंकती नगर पालिका की ट्रैक्टर-ट्रॉली। ● अमृत विचार

- पूर्व में कई बार दिया जा चुके नोटिस, इसके बाद भी नहीं हो सका सुधार
- ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे ले लेकर उच्च अधिकारियों को भेजी सूचना

अमृत विचार : नगर पंचायत क्षेत्र में खुले में कूड़ा डंप किए जाने का मामला एक बार फिर गरमाया। कई बार नोटिस देने के बाद भी नगर पालिका की ट्रैक्टर ट्रॉली से नगर पंचायत नौगवां पकड़िया क्षेत्र में कूड़ा डलवाया जाता रहा। इस पर नगर पंचायत की टीम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया है। पूरे प्रकरण की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई है। नगर पंचायत की ओर से प्रेसनोट भी जारी किया गया है।

बता दें कि शहर में कूड़े का उठान करने के लिए नगरपालिका के पास संसाधन के तौर पर नए पुराने मिलाकर करीब 45 वाहन हैं। कूड़े उठान करने के बाद उसके निस्तारण के लिए मीरापुर में डंपिंग ग्राउंड बना हुआ है। जहां कूड़ा फेंका जाता है। प्रतिदिन शहर में करीब 72 मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा निकलता है, लेकिन कुछ वाहन चालक कूड़ा वहां न पहुंचकर उसे खुले में फेंक देते हैं। पूर्व में नौगवां पकड़िया की ओर से बनाए गए बरात घर के पास नगरपालिका की गाड़ियां कूड़ा फेंकते हुए नगर पंचायत नौगवां पकड़िया प्रशासन ने पकड़ ली थी। जिसके बाद नगरपालिका में पत्राचार करते हुए सुधार करने के लिए कहा गया था। सख्ती के चलते कुछ समय तक मीरापुर में कूड़ा भिजवाया गया। मगर अब दोबारा से चालक कूड़े का उठान करने के बाद हाईवे पर सड़क किनारे ढेर लगाने लगे। गुरुवार को नौगवां पकड़िया नगर पंचायत क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल के पास नगरपालिका की एक गाड़ी से कूड़ा फेंका जा रहा था। जिसकी सूचना मिलते ही चेयरमैन प्रतिनिधि संतोख सिंह मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉली दोनों को पकड़ लिया। जिसके बाद उन्हें नगर पंचायत कार्यालय में लेकर जाकर खड़ा करा दिया। साथ ही जुर्माना लगाने का भी आदेश दिया है। वहीं अब नगर पालिका ईओ संजीव कुमार ने संबंधित कर्मचारियों को बुलाकर फटकार लगाई है। साथ ही उन्हें नोटिस जारी कर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

न्यूज ब्रीफ

जमीन के विवाद में ग्रामीण से मारपीट

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बुधौली निवासी नीरज कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव में उसकी पुरानी जमीन है। जिसके विवाद में 19 दिसंबर को गांव के रामस्वरूप, विपिन कुमार ने लाठी डंडों से मारपीट की। शोर पर भीड़ जमा होने पर धमकी देकर भाग गए। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

किशोरी को भगाकर ले गया युवक

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 दिसंबर को सुबह 9 बजे उसकी नाबालिग बेटी गोबर डालने के लिए जाने की बात कहकर घर से बाहर गई। इस दौरान पड़ोस का सोनू उसकी भगाकर ले गया। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना कराई जा रही है।

हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : अलग-अलग मार्गों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गुरुवार रात नगर के मोहल्ला दुबे निवासी पवन कुमार बाइक से वीर सिंहपुर गांव से काम निपटाकर वापस आ रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इसके अलावा पूरनपुर नगर के मोहल्ला साहूकारा निवासी मोहम्मद आसिफ, हैदर बाइक से पूरनपुर की ओर जा रहे थे। वाहन की टक्कर से वह घायल हो गए। तीनों को सीएचसी भर्ती कराया गया।

दो युवकों ने खाया जहर, हालत गंभीर

बीसलपुर, अमृत विचार : अलग-अलग स्थानों पर दो युवकों ने जहरीला पदार्थ खा लिया। ग्राम चौसरा निवासी अजय को परिवार वाले तबियत बिगड़ने पर सीएचसी लाए। वहां उसके जहरीला पदार्थ खाए की आशंका पर प्राथमिक इलाज किया गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं, मोहल्ला हबीबुल्लाह खां शुमाली के एक युवक ने विवाद के चलते जहरीला पदार्थ खाया, उसे भी सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। दोनों मामलों की अस्पताल प्रशासन की ओर से मेमो भेजकर कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई है।

पांच माह में तैयार हो जाएगा रेस्क्यू सेंटर

शासन से अंतिम किस्त की धनराशि जारी, निर्माण के बाद अपने आशियाने में रहेंगे रेस्क्यू किए गए बाघ-तेंदुए

- एक साथ रखे जा सकेंगे 13 बाघ-तेंदुए, पूरनपुर रेंज के गोपालपुर जंगल में हो रहा है निर्माण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

रेस्क्यू सेंटर में कराई जा रही जाल फेंसिंग। ● अमृत विचार

निर्माणाधीन रेस्क्यू सेंटर में बनाया जा रहा हॉस्पिटल।

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बाघ-तेंदुए हिंसक होने के साथ व्यवहार में परिवर्तन एवं बीमार होने की दशा में उन्हें अपने आशियानों से दूर चिड़ियाघरों में नहीं रहना होगा। रेस्क्यू किए जाने बाघ-तेंदुओं को पूरनपुर रेंज की गोपालपुर वन प्रभाग में बन रहे रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। निर्माणाधीन रेस्क्यू सेंटर में तीसरे चरण का कार्य अंतिम दौर में चल रहा है। अब अंतिम चरण को लेकर भी शासन की ओर से 90.43 लाख का बजट जारी कर दिया गया है। संभवतः मई तक काम पूरा होने के बाद इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। रेस्क्यू सेंटर में 13 बाघ-तेंदुओं को एक साथ रखा जा सकेगा।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल में बाघ एवं तेंदुओं के हिंसक होने के साथ उनके व्यवहार में परिवर्तन एवं बीमार या घायल होने की स्थिति में इलाज के लिए गोरखपुर, लखनऊ एवं कानपुर के चिड़ियाघरों में ले जाया जाता है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व बनने के बाद से अब तक करीब 11 बाघ-बाघिनों को रेस्क्यू करने के बाद बीमारी या अन्य कारणों से गोरखपुर, कानपुर एवं लखनऊ चिड़िया घर भेजा जा चुका है। यह दीगर बात है कि इन सभी बाघों में एक भी बाघ या बाघिन घर वापसी नहीं कर सका। केंद्र सरकार ने समस्या को देखते हुए करीब चार साल पहले पीलीभीत टाइगर रिजर्व में रेस्क्यू सेंटर निर्माण को मंजूरी दी थी। वन एवं वन्यजीव प्रभाग पूरनपुर रेंज की गोपालपुर जंगल को उपयुक्त मानते हुए 05 हेक्टेयर भूमि पर रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र का निर्माण शुरू कराया गया था। करीब 14.33 करोड़ की लागत से बनने वाले इस रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र का चार चरणों में कार्य पूरा किया जाना है। वर्ष 2022-23 में शासन द्वारा प्रथम चरण के कार्य के लिए 4.72 करोड़ की धनराशि भेजी गई थी। प्रथम चरण में रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र, खाद्य भंडार केंद्र, अस्पताल, टॉयलेट ब्लॉक, बाउंड्रीवॉल, सीवर लाइन आदि का कार्य किया गया था। दूसरे चरण में आवंटित 4.53 करोड़ से सब स्टेशन, गार्ड रुम, पोस्टमार्टम रूम आदि का निर्माण भी पूरा किया जा चुका है। इधर बीते वर्ष कार्यदायी संस्था को तीसरे चरण के कार्य के लिए 4.83 करोड़ रुपये दिए गए थे। कार्ययोजना के अनुसार तीसरे चरण में रेस्क्यू सेंटर को शीघ्र उपयोगी बनाने के दृष्टि से प्राथमिकता वाले कार्य कराए जा रहे हैं, जोकि अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। इधर अब शासन की ओर से कार्यदायी संस्था को चौथे व अंतिम चरण के कार्य के लिए 90.43 लाख रुपये का बजट जारी कर दिया गया है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक अंतिम चरण में ड्रेनेज संबंधी कार्य, हॉस्पिटल के लिए उपकरण एवं बायो सिक्योरिटी संबंधी कार्य कराए जाएंगें। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक करीब पांच माह के अंदर रेस्क्यू सेंटर का कार्य पूरा करते हुए इसका संचालन भी शुरू करा दिया जाएगा।

> रेस्क्यू सेंटर का निर्माण तेजी से चल रहा है। निर्माण को लेकर चौथे चरण में होने वाले कार्य को लेकर भी बजट कर दिया गया है। संभवत : पांच माह के अंदर सभी कार्य पूरे करते हुए इसका संचालन भी शुरू कर दिया जाएगा। रेस्क्यू सेंटर बन जाने से पीटीआर के अलावा आसपास के टाइगर रिजर्वों को भी सहूलियत मिल सकेगी।
> – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व।

12 ने दोबारा ली जंगलों में सांस, 11 को मिली उम्रकैद

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक टाइगर रिजर्व बनने के बाद से लेकर अब तक करीब 26 रेस्क्यू ऑपरेशनों को अंजाम दिया गया। इसमें पांच शावकों समेत कुल 23 बाघ-बाघिन रेस्क्यू किए गए थे। इसके अलावा 6 तेंदुआ भी रेस्क्यू किए जा चुके हैं। इसमें इसमें शामिल 12 बाघ तो खुशनसीब निकले, जिन्हें दोबारा से जंगल की आबोहवा में सांस लेने का मौका मिल गया, लेकिन रेस्क्यू किए गए 11 बाघ-बाघिन लखनऊ, गोरखपुर और कानपुर के चिड़ियाघरों में सलाखों के पीछे उम्र कैद की सजा भुगत रहे हैं। गोरखपुर में कैद पीटीआर के केसरी बाघ की बीमारी के चलते मौत भी हो चुकी है।

शादी का झांसा देकर किया शोषण, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शादी का झांसा देकर महिला का यौन शोषण किया गया। बाद में रिश्ता तय होने पर विरोध करने पर अभद्रता की गई। दिल्ली निवासी महिला ने जहानाबाद में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र की रहने वाली महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वर्ष 2008 में उसकी शादी दिल्ली के ही एक युवक से हुई थी। वर्ष 2017 तक दांपत्य जीवन सामान्य रहा, इसके बाद आपसी विवाद के चलते दोनों अलग रहने लगे। महिला के दो बच्चे भी हैं। पीड़िता के अनुसार, करीब दो वर्ष पूर्व उसकी मुलाकात पीलीभीत जिले के थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम चका निवासी अजीम पुत्र युसूफ से हुई, जो उसके पड़ोस में किराए पर रह रहा था। पति से अलग रहने की जानकारी होने पर आरोपी ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध कई बार बनाए। एक जनवरी को उसे जानकारी मिली कि आरोपी अजीम का रिश्ता कहीं और तय हो गया है। इस पर वह आरोपी के घर जहानाबाद पहुंची और विरोध जताया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उसके साथ अभद्रता की। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप विश्नोई ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता को परेशान कर रहा युवक, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : महिला को एक युवक लंबे समय से परेशान कर रहा है। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने ससुराल में कॉल कर उसे बदनाम किया। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका विवाह शाहजहांपुर जिले के थाना बंडा क्षेत्र के एक युवक से हुआ था। आरोप है कि शादी से पूर्व उसकी शाहजहांपुर के एक अन्य युवक से बातचीत होती थी। शादी के बाद उसने बातचीत करना बंद कर दिया। जिसके बाद आरोपी उसकी ससुराल वालों को कॉल करके उसको बदनाम करने लगा। उसके बारे में अश्लील बातें करने लगा। उसके वैवाहिक जीवन को बर्बाद करने की धमकी देने लगा। 26 दिसंबर को आरोपी ने फोन करके उसको धमकी दी। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

कमरे में फंदे से लटका मिला युवती का शव

पीलीभीत, अमृत विचारः संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवती की मौत हो गई। उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की।

घटना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम उगनपुर की है। यहां के रहने वाले करण सिंह की 21 वर्षीय पुत्री भगवती गुरुवार रात परिजनों के साथ खाना खाने के बाद सोने चली गई थी। शुक्रवार सुबह काफी देर बाद भी उसके न आने पर परिवार वाले बुलाने पहुंचे। इस दौरान उसका शव कुंडे के सहारे फंदे से लटका मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जहानाबाद पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस प्रथम दृष्टया खुदकुशी मान जांच में जुट गई है। वहीं परिजन आत्महत्या की कोई वजह नहीं बता पाएं।

गैर इरादतन हत्या के आरोपी परिवार को दे रहे धमकियां

- पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, सुनगढ़ी पुलिस पर टरकाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः युवक की गैर इरादतन हत्या के मामले में परिवार ने सुनगढ़ी पुलिस पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस जांच के नाम पर टालमटोल कर रही है और आरोपी लगातार धमकी देकर समझौते का दबाव बना रहे हैं। एसपी से शिकायत कर आरोपियों की गिरफ्तारी कर जेल भिजवाने की गुहार लगाई है।

शहर के मोहल्ला वशीर खां निवासी रजनी पत्नी शेरा ने एसपी को दिए शिकायत पत्र में बताया कि 18 दिसंबर को उसके पुत्र रोहित कुमार को दुकान पर काम करने वाला चेतराम और रोशन लाल बुलाकर ले गए। दोनों ने उसे शराब पिलाई। रात करीब 10:30 बजे पुत्री नैना के पास चेतराम के पुत्र अंकित ने कॉल कर कहा कि रोहित को आकर ले जाओ। पीड़िता बेटी के साथ चेतराम के घर गए तो रोहित के सिर में चोट लगी थी। जब इसके बारे में पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे सके। पुत्र को वह घर ले आई ओर दूसरे दिन सुबह डॉक्टर को दिखाया, वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुनगढ़ी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें पुत्र की मौत सिर में आई चोट से बताया गया। आरोप है कि उनके पुत्र रोहित से चेतराम, उसके पुत्र अंकित, विपिन, आकाश और सोनू ने मारपीट की थी। सुनगढ़ी थाने में 23 दिसंबर को एफआईआर दर्ज कराई गई। कई दिन बीतने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस जांच के नाम पर टालमटोल कर रही है।

बच्चों में हुई कहासुनी के बाद परिजनों में मारपीट

बीसलपुर, अमृत विचारः बच्चों के बीच हुई कहासुनी के बाद दोनों परिजन भिड़ गए। एक पक्ष ने पुलिस को मारपीट और लूट की तहरीर दी है।

ग्राम रिछौला सबल की रहने वाली परवीन पत्नी सलीम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 दिासंबी की दोपहर करीब दो बजे उसका पुत्र सोहेल और तसलीम का पुत्र खेल रहे थे। उनके बीच किसी बात पर कहासुनी हो गई। इस पर तस्लीम ने आकर उनके पुत्र से मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर वह बचाने पहुंची तो उनको भी पीटा। आरोपी तस्लीम के पिता हैदर भी आ गए और मारपीट करने लगे। परिवार की महिलाएं बीच बचाव कराने लगी तो उनको भी पीटा। आरोप है कि तस्लीम ने कुंडल नोंच लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भ्रष्टाचार की शिकायत पर लगाई फटकार

- राज्यमंत्री से प्रधानों की गन्ना खरीद में भ्रष्टाचार की शिकायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अपने आवास पर जनसुनवाई करते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

अमृत विचारः धान खरीद में भ्रष्टाचार और वसूली से जुड़ी शिकायतें बीसलपुर के कई प्रधानों द्वारा की गई। इस पर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारों को फटकार लगाई। एसडीएम और मंडी समिति सचिव को तत्काल क्रय केंद्रों पर आए धान की खरीद करने के निर्देश दिए हैं। राज्यमंत्री ने कहा किसानों को किसी तरह की परेशानी होगी तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ शासन स्तर से कार्रवाई होना तय है।

गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के आवास पर शुक्रवार को बीसलपुर से पहुंचे कई प्रधानों और किसानों ने शिकायत की। उनका कहना था कि बीसलपुर मंडी समिति परिसर में कई-कई दिनों से धान भरी ट्रालियां खड़ी हैं, लेकिन धान नहीं खरीदा जा रहा है। आरोप लगाया कि तौल के नाम पर वसूली कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। असम्मान जनक व्यवहार किया जाता है। प्रधानों ने यह भी कहा कि टोकन सत्यापन के नाम पर किसानों से वसूली की जा रही है। राज्यमंत्री ने तत्काल एसडीएम बीसलपुर और प्रभारी मंडी सचिव को कॉल कर पर वार्ता की। किसानों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। कहा कि किसी भी हालत में किसानों का शोषण और उनके साथ भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी गई कि अगर अधिकारी नहीं सुधरे तो शासन स्तर से निश्चित रूप से कार्रवाई होना तय है। उन्होंने मंडी समिति परिसर में आए किसानों का धान तत्काल पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीदने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में ओमपाल, खुगेश गंगवार, गोधन लाल, मनोज कुमार, सुनील कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, सुखलाल, नरेश गंगवार, मुनेन्द्र पाल सहित कई प्रधान और किसान थे।

रैंक प्रतीक चिन्ह लगाकर दीं प्रोन्नति की शुभकामनाएं

अभिषेक यादव को रैंक प्रतीक चिन्ह लगाते एडीजी रमित शर्मा। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचारः अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा ने डीआईजी बरेली अजय कुमार साहनी के साथ जोन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पीलीभीत एसपी अभिषेक यादव को पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत होने पर रैंक प्रतीक चिन्ह लगाकर प्रोन्नति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि अभिषेक यादव की प्रोन्नति से पुलिस विभाग को और भी मजबूती मिलेगी।

अस्थायी डिपो के लिए जमीन की तलाश तेज

- डीएम के समक्ष रखा गया प्रस्ताव, डिपो देगा जमीन के सुझाव
- स्थाई बस अड्डे के लिए भी चल रही प्रक्रिया, शासन स्तर पर पत्राचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

रोडवेज डिपो के बाहर सड़कों पर खड़ी बसें। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जमीन के लिए लंबे समय से प्रयास कर रहे रोडवेज डिपो को बीते साल कोई राहत नहीं मिल सकी। ऐसे में सड़क पर बसों को खड़ा करना पड़ रहा है। जाम लगने से राहगीर परेशान हो रहे हैं।

ऐसे में अब डिपो प्रशासन ने अस्थायी बस स्टैंड बनाने के लिए जमीन की मांग की है। इसे लेकर एआरएम की ओर से डीएम को पत्राचार किया है। अस्थायी डिपो के लिए जमीन की तलाश तेज कर दी गई है। इसके तहत तीन स्थानों को चिन्हित कर डीएम के समक्ष प्रस्ताव रखा गया है। वहीं, शहर को स्थायी बस अड्डे की सौगात देने के लिए भी प्रक्रिया चल रही है और शासन स्तर पर पत्राचार किया जा रहा है। बता दें कि रोडवेज डिपो की ओर से 106 बसें संचालित हो रही है। दिल्ली रूट पर 30 से अधिक बसें संचालित की जा रही हैं। महज एक एकड़ जमीन पर बने इस बस स्टैंड में ही वर्कशॉप का संचालन होने से ठीक ढंग से संचालन नहीं हो पा रहा । विभागीय कामकाज प्रभावित होने के साथ यात्रियों को भी दिक्कत हो रही है। इन्हीं असुविधाओं के चलते ही अधिकांश यात्री बस स्टैंड पर न पहुंचकर नौगवां पकड़िया चौराहे पर आकर बसों में सवार होते हैं। पूर्व में रोडवेज की ओर से असम चौराहा के पास खाली पड़ी जगह चिन्हित की गई थी। लेकिन शासन स्तर पर मामला लंबित है। इसके बाद टनकपुर हाईवे के किनारे सदर तहसील के गांव दियूनी केसरपुर में 1.317 हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित की है। साल 2025 में कवायद चलती रही लेकिन जमीन हस्तांरित नहीं हो सकी। ऐसे में रोडवेज बसों को खड़ी करने की समस्या बरकरार बनी हुई है। कुछ दिन पहले बस खड़ी करने को लेकर दो चालकों में विवाद भी हो गया था।

बच्चों की देखभाल के साथ पुलिसकर्मी करेंगी ड्यूटी

- वात्सल्य भवन का डीआईजी और एसपी ने किया उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः ड्यूटी के साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों को महिला पुलिसकर्मी बखूबी निभा सकेंगी। पुलिस लाइन में नवनिर्मित वात्सल्य भवन की शुरुआत की गई है।

बता दे कि पुलिस कर्मियों के बच्चों की देखभाल को लेकर रिज़र्व पुलिस लाइन में नवनिर्मित क्रेच भवन बनवाया गया है। इसका उद्घाटन पीलीभीत एसपी/ डीआईजी अभिषेक यादव ने शुक्रवार सुबह किया। इस भवन का उद्देश्य ड्यूटी के दौरान पुलिस कर्मियों के बच्चों की सुरक्षित एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित करना है। वात्सल्य भवन में बच्चों की देखरेख के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सुरक्षित वातावरण, बच्चों के अनुकूल व्यवस्थाएं और प्रशिक्षित देखभाल की व्यवस्था इसे विशेष बनाती है। इस केंद्र के संचालन से पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के समय बच्चों की चिंता से मुक्ति मिलेगी, जिससे वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन अधिक एकाग्रता और मनोयोग के साथ कर सकेंगे। इस मौके पर एएसपी विक्रम दहिया, सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल आदि मौजूद रहे।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्म के प्रसंग सुनाए

- छठवें दिन कथा सुनने बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु
- श्रद्धालुओं ने छप्पन भोग लगाकर उतारी आरती

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

एक बरात घर में चल रहे कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। कथा व्यास गौरवानंद महाराज ने कृष्ण जन्म के बाद पूरे ब्रज में बधाइयों के साथ पूतना वध का मार्मिक वर्णन किया।

कथाव्यास ने कहा कि भगवान शंकर जन्म की खबर सुनकर कृष्ण के दर्शन करने के लिए गोकुल में जाकर अलख जगाया और जिद करके बालस्वरूप कृष्ण के दर्शन किए। कृष्ण की बाल लीलाओं के साथ ही गिरि गोवर्धन की पूजा का महत्व बताया। कहा कि भगवान कृष्ण ने लगातार वर्षा से बृजवासियों को हो रही जन धन हानि के चलते ब्रज में इंद्र के प्रकोप से सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को उठाकर बृजवासियों की रक्षा की और इंद्र की पूजा बंद कराते हुए ब्रजवासियों को मुक्त कराया। जिससे इंद्र का घमंड भगवान कृष्ण द्वारा चूर चूर कर दिया।

कथा के बीच प्रस्तुत भजनों पर भक्त झूमने को मजबूर हो गए। इस मौके पर अजीत ममता शुक्ला, राकेश गुप्ता, सत्यवीर सिंह, डॉ. रुचि, डॉ. आरके मिश्रा, डॉ. प्रीति, ब्रजबिहारी लाल, राजीव वर्मा, सरोज, मृदुलता, रवि श्रीवास्तव, राजेन्द्र आचार्य, एचएन वर्मा, अवनीश, रजनीश, नीरज, कांतिस्वरूप पांडे, रोहित मिश्रा, हितेश, मनमोहन पालीवाल, सौरभ, संजय त्रिपाठी, जगदीश दीक्षित, महेन्द्र पाल, कृष्णदेव शुक्ला, आरडी शुक्ला, प्रमोद अवस्थी हरिवंश, अजय सैनी आदि मौजूद रहे। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

तीन नाबालिगों का नहीं चला पता

पीलीभीत, अमृत विचारः रहस्यमय ढंग से लापता हुए दो छात्र और एक छात्रा की बरामदगी में सुनगढ़ी पुलिस को सफलता नहीं मिल सकी है। सर्विलांस टीम की मदद से सुरागरसी कराई जा रही है, लेकिन उनकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो सकी है।

तीनों के परिवार वाले भी चिंतित हैं। बता दें कि थाना सुनगढ़ी क्षेत्र का 17 वर्षीय किशोर बीते सोमवार की सुबह करीब चार बजे घर से बाइक और मां का मोबाइल लेकर निकला था। इसके अलावा उसका 16 वर्षीय दोस्त भी उसी समय लापता हुआ। वह घर से पौने दो लाख रुपये लेकर गया है। एक किशोरी जो पूर्व में इनके साथ पढ़ती थी, वह भी लापता निकली। पुलिस तीनों के साथ जाने की आशंका जता रही है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि सर्विलांस टीम की मदद से सुरागरसी चल रही है।

प्लाट बेचने के नाम पर लिए रुपये, तय समय पर बैनामा करने से पीछे हटा

- रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी
- कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः कोर्ट के आदेश पर थाना सुनगढ़ी पुलिस ने ग्राम पिपरा वाले नंबर दो निवासी हरस्वरूप की ओर से धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। इसमें उन्होंने बताया कि उसकी जान पहचान रामसरन वर्मा निवासी रामनगर कॉलोनी बरहा थाना सुनगढ़ी से कचहरी में हुई थी।

उसने उससे प्लॉट की जरूरत होने की बात कहकर प्लॉट दिखाने को कहा। आरोपी ने खुद को प्लॉटिंग का काम करने वाला बताकर बरहा रोड पर लायंस बाल विद्या मंदिर के सामने एक 100 गज का प्लॉट दिखाया और कीमत 13 लाख रुपये बताई। सौदा नौ लाख रुपये में पक्का करके दो लाख रुपये एडवांस में मांगे। 24 अगस्त 2024 को उसने बहन वीरमति के सामने आरोपी को दो लाख रुपये दे दिए। जिसकी मोबाइल में रिकार्डिंग करके फोटो भी लिया। तय समय सीमा के बाद भी बैनामा नहीं कराया गया। दबाव डालने पर पहले तो टालमटोल की गई। बाद में आरोपी ने न तो प्लॉट का बैनामा कराया और न ही रुपये वापस किए। चार मई 2025 को उसने बरहा रेलवे क्रासिंग के पास आरोपी से रुपये मांगे तो उसने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्टद र्ज कर ली गई है। मामले की विवेचना कराई जा रही है।

डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम नवादा श्यामपुर निवासी अनोखी देवी ने थाना अमरिया में तहरीर देकर बताया कि 23 दिसंबर को उसका पुत्र वीरेंद्र कुमार साथी प्रेमकिशोर के साथ दवाई लेकर जहानाबाद से घर लौट रहा था। जहानाबाद अमरिया मार्ग पर कल्याणपुर चौराहे के निकट एक डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दोनों लोग घायल हो गए। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में उसके पुत्र वीरेंद्र कुमार की मौत हो गई। प्रेमकिशोर का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

पुलिस लिखी कार, शीशे पर ब्लैक फिल्म के साथ ही बजा रहे थे हूटर

कोतवाल ने गश्त के दौरान पकड़ा, पूछताछ करने पर नहीं दे सके संतोषजनक जवाब

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचारः कार के शीशों पर ब्लैक फिल्म, हूटर की गूंजती आवाज और पुलिस लिखाकर घूम रहे एक युवक को गश्त पर निकली पुलिस ने पकड़ लिया। पहले तो वह एक रिश्तेदार के पुलिस में होने की बात कहकर बचाव का रास्ता तलाशता रहा। मगर, जबकि कई सवाल दाग दिए गए और नियमों के उल्लंघन के बारे में पूछा गया तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने सख्ती करते हुए कार्रवाई कर दी। कार का 32500 रुपये का चालान करने के साथ ही सीज कर दिया गया। युवक को चेतावनी देकर परिवार वालों के सुपुर्द कर दिया गया। घटना चर्चा का विषय बनी रही।

कोतवाली में खड़ी सीज की गई कार।

- कार को पुलिस ने किया सीज 32500 रुपये का किया चालान

बता दें कि नए साल पर जश्न के नाम पर कोई हुड़दंग न किया जा सके, इसके लिए पुलिस को अलर्ट किया गया है। इसे लेकर लगातार पैदल गश्त कराई जा रही है। इस दौरान नशे में वाहन चलाने वालों के चालान भी किए जा रहे हैं। इसी क्रम में साल के पहले दिन गुरुवार को कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ गश्त कर रहे थे। ईदगाह चौराहा के पास पहुंचते ही पुलिस की नजर पुलिस लिखी एक कार पर पड़ी। उस पर एक तरफ भारत सरकार लिखी तख्ती भी आगे ही रखी हुई थी। शीशों पर ब्लैक फिल्म चढ़ी हुई थी और कार का नंबर भी नहीं लिखा था। इतना ही नहीं कार में हूटर भी लगा हुआ था। कार सवार रौब झाड़ते हुए फर्राटा भर रहा था। उसमें लाल-नीली बत्ती भी लगी हुई थी। पुलिसकर्मियों ने कार को रोक लिया। कार सवार ने खुद को पटेल नगर कॉलोनी का रहने वाला बताया। पुलिस के पकड़े जाने पर उसने पहले बचने के लिए रिश्तेदार के पुलिस विभाग में होने की बात कही। मगर जब अन्य तोड़े जा रहे नियमों को लेकर सवाल जवाब किए तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस कार और युवक को लेकर कोतवाली आ गई। यहां युवक के परिवार वालों को भी बुलाया गया। उसके बाद कार्रवाई करते हुए 32500 रुपये का चालान कर कार को सीज कर दिया गया।

पुलिस लिखाकर कई वाहन चालक झाड़ रहे रौब

पुलिस लिखी एक कार को पकड़कर सीज कर दिया गया है। इसमें रौब झाड़ने के लिए कई नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था। सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत भी हो चुकी है। अभी भी जिलेभर में कई ऐसे वाहन हैं, जिसमें पुलिस, प्रेस तो कुछ और ..शब्दों को लिखकर चालान से बचने और रौब झाड़ने का काम किया जा रहा है। ऐसे वाहनों पर भी लोगों ने कार्रवाई करने की मांग की है।

> गश्त के दौरान पुलिस लिखी कार को पकड़ा था। इसमें हूटर, ब्लैक फिल्म लगे हुए थे और नंबर भी नहीं लिखा था। कार को सीज कर दिया गया है। चालक को चेतावनी देकर परिजन के सुपुर्द किया गया है। – **संजीव कुमार शुक्ला**, कोतवाल बीसलपुर

भाकियू की पंचायत में किसानों की समस्याओं पर की चर्चा

भाकियू की पंचायत में कार्यकर्ता व पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मंडी परिसर में राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने की बनाई रणनीति

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की पंचायत में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान इसी माह प्रयागराज में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने को लेकर भी रणनीति बनाई गई। तय हुआ कि 13 जनवरी को जनपद से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं किसान ट्रेन से रवाना होंगे।

स्थानीय मंडी समिति परिसर में शुक्रवार को जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में पंचायत हुई। इस दौरान किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा प्रयागराज में 16 जनवरी से शुरू होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में भग लेने की रणनीति बनाई गई।पंचायत में जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। संचालन जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्यारेलाल वर्मा ने किया। इस मौके पर युवा जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह, जिला महामंत्री नेमीचंद वर्मा, वीरपाल राजपूत, पूरनलाल, ओंकार सिंह, जिला उपाध्यक्ष भरत सिंह, वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान, गुरजीत सिंह विर्क, सोनू शाह, ओम प्रकाश, रामशरण वर्मा, विजयपाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्थाएं परखीं, दिए निर्देश

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला उद्यान अधिकारी मृत्युंजय सिंह ने टीम के साथ शुक्रवार को जिले के कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मैसर्स निर्मल कोल्ड स्टोरेज पीलीभीत, मैसर्स श्याम कोल्ड स्टोरेज पीलीभीत और मैसर्स गर्ग शीतगृह पूरनपुर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सामने आया कि वर्ष 2025 में आलू भंडारण किया गया था। जिसकी शीत गृह स्वामियों द्वारा शत-प्रतिशत स्वामिकों द्वारा शत-प्रतिशत निकासी कर ली गई है। वर्ष 2026 में आलू भंडारण के लिए शीतगृह स्वामिकों को तत्काल नवीनकरण के लिए कहा गया और शीतगृह में कमियों के निराकरण के निर्देश दिए।

टीम ने देवस्थल की जमीन कब्जामुक्त कराई

संवाददाता, घुंघचिहाई

- सिमरिया मार्ग पर स्थित प्राचीन ब्रह्मदेव स्थल का मामला

अमृत विचारः विहिप और महाकाल एक्टिव सेना के कार्यकर्ताओं की ओर से की गई शिकायत के बाद राजस्व टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में देवस्थल की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सफाई कर व्यवस्थाएं दुरुस्त की।

घुंघचिहाई से सिमरिया जाने वाले लिंक रोड पर प्राचीन ब्रह्मदेव स्थल पर एक ग्रामीण द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा था। जिसका एक सप्ताह पूर्व विश्व हिंदू परिषद और महाकाल एक्टिव सेना के सदस्यों ने विरोध किया और देवस्थल की जगह कब्जा मुक्त कराने के लिए इससे संबंधित एक शिकायती पत्र पूरनपुर संपूर्ण समाधान दिवस में दिया था।

कब्जा हटने के बाद जमीन पर सफाई करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

उच्चाधिकारियों द्वारा संबंधित हल्का लेखपाल को जांच करने के लिए आदेश दिए गए थे। वहीं इसी क्रम में लेखपाल ने मौके पर पहुंच कर जांच की तो पता लगा कि ब्रह्मदेव स्थल की भूमि पर जिस किसान द्वारा कब्जा किया जा रहा था वह सरकारी अभिलेखों में पीडब्ल्यूडी में दर्ज थी। वही निरीक्षण के दौरान हल्का लेखपाल एवं ग्राम प्रधान पति सुनील पासवान, घुंघचिहाई पुलिस की मौजूदगी में देवस्थल की भूमि को कब्जा मुक्त कराया। वही इस मौके पर महाकाल एक्टिव सेना के सदस्य एवं विश्व हिंदू परिषद की संयुक्त टीम मौजूद रही। कार्यकर्ताओं ने प्राचीन देवस्थल के चारों तरफ साफ सफाई की। चबूतरे को भी सुव्यवस्थित किया गया। महाकाल एक्टिव सेना एवं विश्व हिंदू परिषद की संयुक्त टीम में शामिल जितिन गुप्ता, प्रियांशु त्रिवेदी ने बताया कि कुछ ग्रामीणों द्वारा उनसे शिकायत की गई थी कि वह देव स्थल पर पूजा अर्चना करने जाते हैं तो पड़ोस के लोग अभद्रता करते हैं। देव स्थल की जमीन पर भी अवैध अतिक्रमण कर लिया है। इसी को लेकर शिकायत की गई थी। जिस पर अब प्रशासन द्वारा कब्जा मुक्त करा दिया गया है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट) (के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें +91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

जरूरतमंदों को बांटी साड़ी और सूट

मझोला, अमृत विचारः अमरिया तहसील क्षेत्र के भरा पचपेड़ा में बिरहनी के सामाजिक कार्यकर्ता दारा सिंह, दलजीत सिंह ने शुक्रवार को जरूरतमंदों को साड़ियां, सूट वितरित किए। जिसे पाकर लोगों के चेहरे खिल गए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति, किसी परिवार को कोई परेशानी हो तो वह उनसे मदद के लिए संपर्क कर सकता है।

तमंचा लेकर घूमते पकड़ा गया युवक

बीसलपुर, अमृत विचारः बरेली रोड पर ग्राम भड़रिया मोड़ के पास दरोगा मोहित सिंह टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान मंदिर के सामने बगिया में खड़ा एक युवक की संदिग्ध गतिविधि लगी। कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया। आरोपी ने अपना नाम ग्राम रसाया खानपुर निवासी बाबू बताया। उसके पास से तमंचा और कारतूस मिला। आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

वार्ड नंबर दो में लोगों को बांटे डस्टबिन

पीलीभीत, अमृत विचारः नगर पालिका परिषद पूरनपुर और रोटरी क्लब पूरनपुर ग्रीन के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए वार्डों में डस्टबिन वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड नंबर दो मोहल्ला कायस्थान से की गई। प्रत्येक घर को सूखे कचरे के लिए नीला डस्टबिन और गीले कचरे के लिए हरा डस्टबिन दिया गया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, रोटरी क्लब अध्यक्ष नीरज गुप्ता, संस्थापक अध्यक्ष डॉ. दिनेश गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान, संदीप खंडेलवाल, सभासद सूरज बाथम, विवेक तिवारी, पूर्व सभासद सुरेश आज़ाद आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

कंबल बांट रहे राज्यमंत्री ने वृद्धा को बाजार से जूते मंगवाकर पहनाए

पीलीभीत, अमृत विचार : अमरिया तहसील परिसर में प्रशासन की ओर से कड़ाके की पड़ रही सर्दी से राहत दिलाने के लिए कम्बल वितरण कार्यक्रम रखा गया था। जहां बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिला एवं नागरिकों की उपस्थिति रही। गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार शुक्रवार को अमरिया के इस कंबल वितरण कार्यक्रम में बतौर अतिथि पहुंचे थे। कम्बल वितरण के दौरान उनकी निगाह कुर्सी पर बैठी एक वृद्ध महिला पर पड़ी जोकि नंगे पैर आयी थी। राज्यमंत्री ने उनसे नंगे पैर आने का कारण पूछा तो वृद्धा ने बताया कि उसके पास पहनने को जूते नहीं है। इस पर राज्यमंत्री ने तत्काल बाजार से जूते मंगवा कर वृद्धा को खुद पहनाए और आशीर्वाद लिया।

महिला सशक्तिकरण टीम ने छतरपुर वाले गुरु का सत्संग किया

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के हैप्पी ब्लूवर्ल्ड पब्लिक स्कूल की अध्यक्ष शोभना जायसवाल व उनकी महिला सशक्तिकरण की टीम ने नए साल को धूमधाम से मनाया। सर्वप्रथम छतरपुर वाले गुरु का सत्संग किया गया। उसके बाद समूह की महिलाओं द्वारा कई गेम खेले गए। महिलाओं द्वारा माला पासिंग, डांस, रेंडम क्वेश्चन, कई सारे ग्रुप गेम्स खेले गए। उसके बाद सभी के लिए रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर प्रिया जायसवाल ,वीना,दीपिका ,नैंसी,पारुल,सपना, तनु,शुभी,सोनम,नेहा, ममता,पूजा, रेनू, मानसी, अनुराधा, रोली,कनिका, गुरप्रीत, गोल्डी, नैना, अंजलि, स्वाति,सुनीता,ममता, पूनम, शशि, दीप्ति आदि मौजूद रही। महिला सशक्तीकरण टीम ने मेअप और हेयर स्टूडियो की शुरुआत भी की। इस मौके पर प्रिया जायसवाल ,वीना,दीपिका ,नैंसी जायसवाल,पारुल,सपना, तनु,शुभी,सोनम,नेहा, ममता,सृष्टि,अनुष्का ,अंशिका, पायल ,श्वेता,किरण आदि मौजूद रही।

नए साल के उपलक्ष्य में एकेडमी में आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

पीलीभीत, अमृत विचार : टनकपुर रोड स्थित जावेद फ्यूज़न फिटनेस एंड डांस एकेडमी में नववर्ष के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुई। मुख्य अतिथि सीडीओ राजेन्द्र कुमार श्रीवास रहे। करीब 100 बच्चों की सहभागिता वाले इस आयोजन में नृत्य, फिटनेस और खेल प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। बच्चों ने विभिन्न फिल्मी गीतों पर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। रूही ने ऐ दिल है मुश्किल गीत पर भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संस्था के संचालक एवं कोरियोग्राफर जावेद, जिम्नास्ट कोच हरिकिशोर, स्केटिंग कोच हाशिम का योगदान रहा। सीडीओ ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। इस मौके पर रूही, ओम, नविशा, गफिया, फरिया, आयुष्मान, यशिका, आर्यन, कान्हा, पीहू, अर्जन, आन्या, कौशल, रितिका, आभा, तनिष्क आदि मौजूद रहे।

नववर्ष पर पूजन के बाद खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन, बांटे उपहार

पीलीभीत, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश वैश्य महाम्मसेलन महिला ईकाई पीलीभीत की ओर से नववर्ष पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्ष चंद्रप्रभा ने गणेश पूजन किया। सखियों ने गणेश वंदना गाकर कार्यक्रम की शुरुआत कराई। मंच संचालन मंत्री सारिका गुप्ता ने गीत गाकर किया। जूली ने सभी सखियों को तंबोला गेम्स ,लकी ड्रा खिलाकर आनंदित किया। संयुक्त रुप से केक काटा गया। डांस , सरप्राइज़ ,गीत आदि में अपनी स्टेज़ परफोर्मेंस देकर कार्यकम की शोभा बढ़ाई। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया गया। उपहार देकर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर उपाध्यक्ष क्षमा, कोषाध्यक्ष शीला अर्चना ,बीना ,झलक, शिवानी, पूनम, उमा बबिता, साक्षी, नीतू, प्रियंका , शालिनी , शिप्रा, उन्नति ,अंशिका ,कशिश आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सेवादारों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर के दरगाह मंदिर बाबा पीर रतन नाथ जी के सेवादारों ने दरगाह मंदिर से विधायक निवास तक शांति मार्च निकालकर विधायक रोमी साहनी को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली नगर निगम, प्रशासन द्वारा गत दिनों वहां के दरगाह मंदिर में बुलडोजर लगाकर की गई तोड़फोड़ व वैरिकेडिंग की निंदा की गई और इस अधिग्रहीत भूमि को दरगाह मंदिर को वापस दिलाने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में श्याम आनंद, मानिकचंद अरोड़ा, कपिल साहनी, सोनू साहनी, संदीप कोहली आदि अनेक लोग मौजूद रहे।

छह किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सदर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को पांच किलोग्राम गांजा बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान शहर के मोहल्ला बाबूराम सर्राफ नगर निवासी विशाल सक्सेना को पकड़ गिया। उसके पास पांच किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। गिरफ्तार आरोपी का शुक्रवार को चालान भेजा गया है।

थाना परिसर में किया पौधरोपण

बिलहरी, अमृत विचार : हैदराबाद थाना परिसर में थानाध्यक्ष सुनील कुमार मलिक की अगुवाई में सर्व मानव सेवा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह व समस्त स्टाफ ने फलदाई व औषधीय पौधों का रोपण किया। इस दौरान एसएसआई संतपाल सिंह राठौर, एसआई अशोक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

अटल स्मृति सम्मेलन आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह अंतर्गत 3 जनवरी को अलीगंज रोड पर जय शंकर बरात घर में दोपहर 12 बजे से अटल स्मृति सम्मेलन होगा। विधायक अमन गिरि ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री शंकरलाल लोधी और विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह होंगे।

दिन भर छाया रहा कोहरा, शीतलहर से कंपकपाए लोग

मौसम विशेषज्ञों का अनुमानः जिले में पांच किमी प्रति घंटे से चलने वाली दक्षिणी-पश्चिमी हवा से सर्दी और बढ़ने के आसार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः मौसम का मिजाज शुक्रवार को भी जिले में बेहद खराब रहा। दिन भर लोग धूप के लिए तरसते रहे। ऐसे में बर्फीली हवा के चलने से जनपद वासी पूरे दिन ठिठुरते रहे। सर्द हवाओं से ठंड का प्रकोप दिन भर लोगों के लिए मुसीबत बना रहा। ठंड से बचने के लिए लोग घरों में ही रजाई में दुबके रहे।

गुरुवार को सूर्यदेव की चमक से अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोत्तरी होने से राहत मिली थी, हालांकि शीतलहर ने कंपकंपाया था, लेकिन शुक्रवार को सुबह से ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोग दिन भर ठिठुरते रहे। दिन भर धूप का न निकलना लोगों के लिए मुसीबत बन गया। ऐसे में ठंडी हवाओं के चलने से जिलेवासी पूरे दिन ठिठुरते रहे। ऐसे में सबसे ज्यादा दिक्कत बच्चों और बुजुर्गों को हुई। सर्द हवाओं की चुभन से बचने के लिए लोग घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सके। । उधर, गांवों में लोग ठंड के बीच में ही रोजमर्रा के काम निपटाते रहे। सबसे ज्यादा ठंड से महिलाएं परेशान रहीं। ठिठुरन के बीच में घरेलू काम धाम निपटाने के दौरान सर्दी से बचने के लिए बीच बीच में आग से बचाव करती दिखी।

दुकान के बार आग तापते लोग।

कूड़ा जलाने को मजबूर ग्रामीण। • अमृत विचार

ठंड में गर्म कपड़ों में निकले लोग।

एक डिग्री गिरा पारा जनजीवन प्रभावित

शुक्रवार को अधिकतम तापमान 16 और न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जिले में पांच किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली दक्षिणी-पश्चिमी हवा से सर्दी और बढ़ने से जनजीवन प्रभावित रहेगा। आने वाले दिनों में पश्चिमी हवा तेज गति से चलने से शीतलहर जारी रहने के आसार हैं।

एक से आठ तक स्कूलों में 14 जनवरी तक अवकाश

लखीमपुर खीरी : मौसम में अचानक आए बदलाव से ठंड का प्रकोप शुरू हो गया है। फिलहाल परिषदीय स्कूलों और निजी स्कूलों में भी कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों के लिए 14 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश हो गया। इससे इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को ठंड में विद्यालय जाने से निजात मिल गई। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि 14 जनवरी तक जिले के सभी मान्यता प्राप्त कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में अवकाश रहेगा। बीएसए ने सख्त चेतावनी दी है कि शासनादेश का पालन न होने पर प्रधानाचार्य व प्रबंधक कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

कड़ाके की ठंड के बाद भी नहीं जले अलाव

मझगईं : क्षेत्र में पड़ रही कड़ाके की ठंड और पछुआ हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है, लेकिन प्रशासन की ओर से सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। मझगई, सलीमाबाद, पृथ्वीपुरवा और बम्हनपुर जैसे प्रमुख चौराहों पर अलाव न जलने से ग्रामीणों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरी में लोग कूड़ा-करकट इकट्ठा कर आग जलाकर ठंड से बचाव करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इससे न तो पर्याप्त गर्मी मिल पा रही है और न ही राहत। छेदुई पतिया क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर है। यहां बैंक और अस्पताल आने वाले मरीजों, तीमारदारों और अन्य लोगों को भीषण ठंड झेलनी पड़ रही है। दुकानदार और स्थानीय ग्रामीण कूड़ा जलाकर ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। अलाव की व्यवस्था न होने से लोगों में नाराजगी है। पृथ्वीपुरवा निवासी विनोद कुमार ने बताया कि चौराहे पर अलाव न जलने से दूर-दराज से आने वाले लोग ठंड में कूड़ा जलाकर आग तापते हैं, लेकिन इससे ठंड से राहत नहीं मिल पाती और लोग लगातार ठिठुरते रहते हैं। वहीं सलीमाबाद निवासी असद ने कहा कि आसपास के गांवों से आने वाले लोगों के लिए चौराहों पर अलाव की व्यवस्था बेहद जरूरी है, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है ।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर क्षेत्र के सभी प्रमुख चौक-चौराहों और ग्रामीण इलाकों में तत्काल अलाव की व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिल सके।

ब्रह्माकुमारीज ने केक काटकर मनाया नववर्ष

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मुन्नूगंज राजयोग केंद्र पर नववर्ष आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में केक काटकर नववर्ष का स्वागत किया तथा शांति, सकारात्मकता और आत्मपरिवर्तन का संकल्प लिया गया।

बीके राधेश्याम ने कहा कि नया वर्ष केवल कैलेंडर बदलने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लेने का समय है। उन्होंने जीवन में सदैव अच्छे कर्म करने, नकारात्मक विचारों से दूर रहने और आत्मिक शुद्धता अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया गया, जिसमें लोगों ने मन की एकाग्रता और आंतरिक शांति का अनुभव किया। साधकों को तनावमुक्त जीवन और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया गया। सभी ने शुभकामनाएं देते हुए संकल्प लिया कि नया वर्ष आत्मविकास, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने का होगा। समारोह में अनुष्का, आकांक्षा, ज्योति, मिस्टी, प्रगति, आण्वी, रोली, सुनीता, आदेश, मनोज, रोहित, सतीश, रागिनी, राजेंद्र, प्रीति, पूनम, नीलम आदि मौजूद रहे।

गुरुवार को धूप तो शुक्रवार रहा ठंडा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः गुरुवार नववर्ष के पहले दिन खिली धूप में जहां लोगों ने राहत महसूस की वहीं शुक्रवार की सुबह से कड़ाके की सर्दी और गलन के चलते लोग घरों में दुबक गए और ठंड से बचाव के लिए अलाव, हीटर, ब्लोअर आदि का सहारा लिया। मौसम के यू टर्न से बच्चों, बुजुर्गों को काफी दिक्कतें हो रही हैं।

गुरुवार को अच्छी धूप देखकर लोगों को कुछ देर के लिए राहत मिली, लेकिन शुक्रवार सुबह मौसम में बदलाव हुआ और तापमान में गिरावट के चलते कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी, जो लोग धूप देखकर घरों से निकले थे वह ठंड बढ़ने के चलते घरों में दुबक गए। भीषण सर्दी के चलते बाजारों और सड़कों पर चहल-पहल कम हो गई। बेसहारा पशु भी नगर में जलाए गए अलावों के पास खड़े दिखे। सुबह काम पर निकलने और स्कूल जाने वाले विद्यार्थी गर्म कपड़े, शॉल, कंबल लपेटे दिखे। मौसम में हो रहे अचानक इस बदलाव का असर दैनिक जीवन पर पड़ रहा है।

खासकर बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा परेशानी हो रही है। शुक्रवार सुबह से ही कोहरा, सर्दी और शीत लहर के चलते सड़कों पर कम ही लोग दिखे, गलियों, चौराहों और बाजारों में लोग अलाव तापते दिखे। भीषण सर्दी के चलते जहां विद्यालय सरकार के आदेश अनुसार जूनियर तक के सभी विद्यालय बंद किए गए हैं, वहीं कुछ निजी विद्यालय संचालकों ने मानक दरकिनार कर प्राइमरी, जूनियर की कक्षाओं का शिक्षण कार्य जारी रखा, जिसके चलते छोटे बच्चों को भी सर्दी में स्कूल जाना पड़ा।

बस स्टाफ पर अलाव तापते रोडवेजकर्मी।

अलाव के पास खड़ा पशु।

- शीतलहर और गलन से परेशान हुए आम लोग

50 ग्राम स्मैक के साथ दो नेपाली तस्कर गिरफ्तार

- आलू से भरी बोरी के अंदर रखकर ले जा रहे थे स्मैक
- बेलरायां चौकी इंचार्ज के साथ एसएसबी ने की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र में एसएसबी तृतीय वाहिनी के डांगा, दीपनगर के जवानों ने बेलरायां चौकी इंचार्ज अभिषेक कुमार यादव के साथ संयुक्त अभियान चलाकर गुरुवार की देर शाम बाइक सवार दो नेपाली युवकों को 50 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी आलू भरी बोरी में स्मैक छिपाकर नेपाल ले जा रहे थे। जवानों ने स्मैक और आरोपियों को बरामद माल को सीज कर कोतवाली तिकुनिया पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की है।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एसएसबी तृतीय वाहिनी इन दिनों अभियान चला रही है। मुखबिर की सूचना पर एसएसबी चौकी दीपनगर और डागां चौकी के असिस्टेंट कमांडेंट चेतराम नेगी ने बेलरायां चौकी इंचार्ज अभिषेक कुमार यादव के साथ गुलरिया घाट के पास विशेष नाका लगाया। इस दौरान एक बाइक पर सवार होकर आए नेपाल के जिला कैलाली के जोशीपुर निवासी जनार्दन व राहुल कठारिया को रोक लिया और तलाशी ली तो बाइक पर लदे आलू के कट्टे के अंदर एक पेपर बैग मिला, जिसके चारों ओर प्लास्टिक टेप लिपटा हुआ था।

संदिग्ध वस्तु के बारे में पूछताछ करने पर उसमें 50 ग्राम स्मैक होने की पुष्टि हुई। चौकी इंचार्ज अभिषेक कुमार यादव ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह बरामद स्मैक तिकुनिया निवासी सोनू नाम के युवक से खरीद कर लाए थे और नेपाल लेकर जा रहे थे। कोतवाली तिकुनिया पुलिस ने बेलरायां चौकी इंचार्ज की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान भेजा है। वहीं तीसरे आरोपी की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार आरोपी, मौजूद पुलिस व एसएसबी जवान। • अमृत विचार

200 वाहनों के चालान, गन्ना वाहनों पर कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः सड़क सुरक्षा माह के दूसरे दिन शुक्रवार को भी परिवहन विभाग ने सख्ती के साथ कार्रवाई की गई। एआरटीओ प्रवर्तन शांति भूषण पांडे ने यात्री/माल अधिकारी के नेतृत्व में पुलिस के साथ संयुक्त रूप से विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान हेलमेट, सीट बेल्ट न लगाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 200 वाहनों का चालान किया गया।

वहीं मानकों के विपरीत गन्ना लदे वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए चालान काटे गए और कुछ वाहनों को बंद कराया गया। वाहन चेकिंग के साथ जन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। बाइक रैली का आयोजन कर आम जनमानस को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा परिवहन कार्यालय के प्रवर्तन दलों ने लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई और पंपलेट आदि का वितरण किया। एआरटीओ ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान पूरे जनपद में लगातार प्रवर्तन और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और लोगों में सुरक्षित यातायात की आदत विकसित हो सके।

बिना हेलमेट बाइक चला रहे युवक को हिदायत देते एआरटीओ शांति भूषण पांडेय।

- सड़क सुरक्षा माह के दूसरे दिन सख्त रहे एआरटीओ

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य ने सीएचसी का किया निरीक्षण

सीएचसी पलिया का निरीक्षण करते राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य विनोद पटेल।

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य विनोद कुमार पटेल ने शुक्रवार को सीएचसी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में सफाई, दवा वितरण, इमर्जेंसी रूम, कोल्ड चेन रूम, ओपीडी रूम आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कई मरीजों से बातचीत कर अस्पताल के हालात जाने और चिकित्सकों व अधीनस्थ चिकित्साकर्मियों को दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. भरत सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजीत सिंह, फार्मासिस्ट रहमान, संजीत कुमार, सुधाकर वर्मा, अंकित दीक्षित, अभिषेक शुक्ला आदि मौजूद रहे।

बार काउंसिल की प्रत्याशी ने मांगा समर्थन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की सदस्य पद की प्रत्याशी अक्स अजीम ने तहसील गोला में अधिवक्ताओं से मिलकर वोट मांगते हुये अपना प्रचार प्रसार किया।

अधिवक्ता सभागार में प्रत्याशी अक्स अजीम ने घोषणा की कि अगर आपने अवसर दिया और बार काउंसिल का सदस्य बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तो विशेष कर तहसील के अधिवक्ताओं के लिए उनकी ज्वलंत समस्याओं का समाधान कराने के लिए संघर्ष करुंगी। उनकी पहली प्राथमिकता होगी कि हर तहसील में अधिवक्ताओं के लिए चैंबर बनवाए जाएं, जूनियर अधिवक्ताओं को 5000 रुपया प्रति महीना स्टाइपेंड दिया जावे तथा प्रत्येक तहसील में सभी सुविधाओं से युक्त एक शौचालय बनवाया जाए। अन्य सभी कल्याणकारी योजनाएं अधिवक्ताओं के हित में लागू कराने के लिए संघर्ष करूंगी। साथ ही सभी अधिवक्ताओं के हर सुख दुख में अपनी सहभागिता करुंगी।

सभा को वरिष्ठ अधिवक्ता सेंट्रल बार के पूर्व अध्यक्ष लाल बिहारी वर्मा, महामंत्री अनूप वर्मा, उपाध्यक्ष तारीक इस्लाम, संयुक्त मंत्री सुमित गिरि, पूर्व मंत्री नरेंद्र शुक्ला, वरिष्ठ अधिवक्ता हरिनाम पांडे, युवा साथी बिजेंद्र यादव, नागेंद्र सिंह एडवोकेट, सत्यनारायण पांडे, बच्चा बाबू मिश्र आदि ने संबोधित कर प्रत्याशी को पूर्ण समर्थन, सहयोग देने का वादा किया।

गोला तहसील में वकीलों से संपर्क करतीं प्रत्याशी अक्स अजीम। • अमृत विचार

- वकीलों को 5000 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिलाने का किया वादा

नई पहल | आईएमए के साथ सीएमओ ने की बैठक, योजना की जानकारी की साझा

दुर्घटनाग्रस्तों का निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को त्वरित और बेहतर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के लिए निजी चिकित्सालयों को व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की गई। इस बैठक में सड़क हादसों में घायल मरीजों को दी जाने वाली शासकीय सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी साझा की।

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि यदि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति 24 घंटे के भीतर किसी निजी चिकित्सालय में भर्ती होता है, तो उसे एक सप्ताह तक अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का इलाज निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस उपचार की पूरी धनराशि शासन द्वारा निजी चिकित्सालय को दी जाएगी, जिससे मरीज और उसके परिजनों पर आर्थिक बोझ न पड़े।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही राहवीर योजना के तहत ऐसे नागरिकों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, जो किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को एंबुलेंस या अन्य माध्यम से चिकित्सालय पहुंचाते हैं। ऐसे मददगार राहवीरों को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए संबंधित चिकित्सालय को राहगीर (चिकित्सालय पहुंचाने वाले व्यक्ति) की जानकारी सुरक्षित रखनी होगी। दोनों योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस वेरिफिकेशन के बाद ही लाभ प्रदान किया जाएगा।

सीएमओ ने बताया कि सड़क हादसे देश और प्रदेश के लिए गंभीर चुनौती बने हैं। आंकड़ों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.6 लाख से अधिक लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में होती है, जबकि करीब 4.5 लाख से अधिक लोग घायल होते हैं। उत्तर प्रदेश में भी प्रतिवर्ष 20 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिनमें हजारों लोगों को गंभीर चोटें आती हैं। ऐसे में निजी अस्पतालों की भागीदारी से घायलों को समय पर इलाज मिल सकेगा और दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी लाने में मदद मिलेगी।

बैठक में एसीएमओ डॉ. एसपी मिश्रा, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ. धनीराम, डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रमोद वर्मा, डिप्टी सीएमओ डॉ. अमितेश द्विवेदी सहित आईएमए अध्यक्ष डॉ. अखिलेश खरे, डॉ. अखिलेश वर्मा और डॉ. मनोज शर्मा भी मौजूद रहे।

आईएमए पदाधिकारियों के साथ बैठक करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

- राहवीरों को 25 हजार रुपये की दी जाएगी प्रोत्साहन राशि

लिंटर गिरने से तीन मजदूर मलबे में दबकर घायल

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचारः पसगवां क्षेत्र के केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज परिसर में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुरानी भवन को ध्वस्त किए जाने के दौरान छत का लिंटर अचानक भरभराकर गिर पड़ा। इस हादसे में मलबे के नीचे दबकर तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

कॉलेज परिसर में पुरानी जर्जर बिल्डिंग को हटाकर नई बिल्डिंग के निर्माण का कार्य प्रस्तावित है, जिसके लिए राजकुमार एंटरप्राइजेज को ठेका दिया गया है। ठेके की शर्तों के अनुसार भवन का ध्वस्तीकरण जेसीबी मशीन से न कर श्रमिकों के माध्यम से किया जाना था। इसी क्रम में शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे मजदूर छत का लिंटर तोड़ने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक पूरी छत एक साथ गिर गई, जिससे मौके पर काम कर रहे तीन मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया। कालेज के शिक्षक, छात्र और आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मलबा हटाकर तीनों मजदूरों को बाहर निकाला।

घटना की सूचना मिलते ही प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र ने तत्काल एम्बुलेंस मंगवाई और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पसगवां भिजवाया। घायल मजदूरों की पहचान शाहजहांपुर जनपद के रोजा थाना क्षेत्र के ग्राम रामापुर नानकारी निवासी दीपू सिंह (20) पुत्र सर्वेश सिंह, भल्लू सिंह (35) पुत्र लल्ला सिंह तथा रंजीत कुमार (20) पुत्र ईश्वरी लाल के रूप में हुई है। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के दौरान दीपू सिंह की हालत अधिक गंभीर पाए जाने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि अन्य दो मजदूरों भल्लू सिंह और रंजीत कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद कॉलेज प्रशासन ने फिलहाल निर्माण और ध्वस्तीकरण कार्य पर रोक लगा दी है। घटना को लेकर कॉलेज परिसर में सुरक्षा मानकों और कार्य की निगरानी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

ध्वस्त किया जा रहा केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज का पुराना भवन। • अमृत विचार

- कॉलेज के पुराने भवन को ध्वस्त करने के दौरान हो गया हादसा
- दो को इलाज के बाद छुट्टी, तीसरा जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर

घायल भल्लू सिंह।

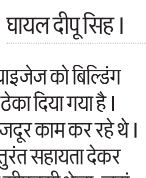

घायल दीपू सिह।

> राजकुमार एंटरप्राइजेज को बिल्डिंग ध्वस्तीकरण का ठेका दिया गया है। उसी के लगाए मजदूर काम कर रहे थे। अचानक हुए हादसे में तुरंत सहायता देकर घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी भेजा, जहां से दो को घर भेज दिया गया है। एक घायल शाहजहांपुर रेफर किया है।
>
> –हरिश्चंद्र, प्रधानाचार्य।

सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली का आयोजन

संवाददाता, भानपुर

- गुलरिया चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

अमृत विचारः बलरामपुर चीनी मिल्स गुलरिया में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा माह का आरंभ किया गया। यह अभियान 31 जनवरी तक चलाया जाएगा। मिल के मुख्य महाप्रबंधक योगेश कुमार सिंह हरी झंडी दिखाकर जन जागरुकता रैली को रवाना किया।

किसानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। सभी को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। अधिकारियों, कर्मचारियों एवं किसानों ने बोर्ड पर हस्ताक्षर कर सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। मुख्य महाप्रबंधक योगेश कुमार सिंह ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय संयम और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने गति सीमा का पालन करने, दोपहिया वाहन चालकों से क्रैश हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग पर विशेष जोर दिया। इस मौके पर चीनी मिल के सभी विभागाध्यक्ष, प्रबंधक (फायर एवं सेफ्टी), कर्मचारी मौजूद रहे।

लंबे समय बाद बड़ी संख्या में गिद्ध नजर आने से प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों में खुशी

दुधवा नेशनल पार्क की सीमा से सटे क्षेत्रों में दिखा गिद्धों का झुंड

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

दुधवा टाइगर रिजर्व के निकट खेतों में झुंड में बैठे गिद्ध। ● अमृत विचार

अमृत विचारः पलिया क्षेत्र में दुधवा नेशनल पार्क की सीमा से सटे इलाकों में गिद्धों का झुंड दिखाई दिए हैं। लंबे समय बाद बड़ी संख्या में गिद्ध नजर आने से प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

दुधवा के बफर जोन और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खुले आसमान में उड़ते और पेड़ों पर बैठे गिद्धों का झुंड देखा गया। स्थानीय लोगों ने इस दुर्लभ दृश्य का वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में दर्जनों गिद्ध एक साथ दिखाई दे रहे हैं, जो पर्यावरण के संतुलन के लिए शुभ संकेत माना जा रहा है।

प्रकृति प्रेमियों का कहना है कि एक समय दवाइयों और पर्यावरणीय बदलावों के कारण गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट आई थी, लेकिन हाल के वर्षों में संरक्षण प्रयासों और जागरुकता के चलते इनकी वापसी के संकेत मिलने लगे हैं। दुधवा क्षेत्र में गिद्धों का दिखना इस बात का प्रमाण है कि यहां का पारिस्थितिक तंत्र धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है। वन विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार दुधवा और उसके आसपास का क्षेत्र गिद्धों के लिए अनुकूल माना जाता है।

विभाग द्वारा नियमित निगरानी की जा रही है और गिद्ध संरक्षण को लेकर भविष्य में विशेष सर्वे भी किया जा सकता है। नव वर्ष के पहले दिन प्रकृति की यह सौगात लोगों के लिए आशा और सकारात्मकता का संदेश लेकर आई है। स्थानीय लोग इसे शुभ संकेत मानते हुए दुधवा के जंगलों और वन्यजीवों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

घटती संख्या से प्रकृति प्रेमियों में थी चिंता

लखीमपुर खीरी : प्रकृति प्रेमियों के अनुसार पहले तराई क्षेत्र में गिद्धों की बड़ी संख्या पाई जाती थी। जंगल, नदी किनारे और ग्रामीण इलाकों में ये आसानी से नजर आते थे। लेकिन पशुओं में इस्तेमाल होने वाली दर्द निवारक दवाओं, विशेषकर डाइक्लोफेनाक के कारण गिद्धों की संख्या में तेजी से गिरावट आई और धीरे-धीरे ये क्षेत्र से लगभग गायब हो गए। विशेषज्ञों का मानना है कि गिद्ध पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी पक्षी हैं, क्योंकि वे मृत पशुओं के शवों को साफ कर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। उनकी कमी से न सिर्फ पर्यावरण प्रभावित हुआ है, बल्कि बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ा है। हालांकि हालिया दिनों में तराई के कुछ हिस्सों में गिद्धों के झुंड देखे जाने की खबरें सामने आई हैं, लेकिन इनकी संख्या अभी भी बेहद सीमित बताई जा रही है।

जांच के बाद नहीं हटा पुल, धरने पर सिख संगठन व किसान

डीएम के आदेश पर दो बार हुई जांच के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, रातों रात जौरहा नाले पर बनाए गए पुल का विरोध कर रहे ग्रामीण

संवाददाता, सिंगाही

मांझा में जौरहा नाले के पास धरने पर बैठे किसान। ● अमृत विचार

जौराहा नाले पर होम पाइप डालकर बनाया गया पुल। ● अमृत विचार

अमृत विचारः तमाम विरोध के बावजूद थाना क्षेत्र में जौराहा नाले पर रेत ढुलाई के लिए बनाया गया अवैध पुल दो महीने बाद भी नहीं हट सका है। इससे नाराज किसानों और ग्रामीणों का शुक्रवार को आक्रोश फूट पड़ा। भीषण ठंड के बावजूद ग्रामीण किसानों के साथ भारतीय सिख संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता टेंट तानकर बड़ी संख्या में धरने पर बैठ गए। आंदोलनकारियों का कहना है कि नियम व शर्तों को ताक कर रखकर खनन का पट्टा किया गया है। साथ ही नियमों के विपरीत पुल का निर्माण कर नदी के प्राकृतिक प्रवाह को रोकने से लोगों की सुरक्षा भी खतरे में आ गई है, लेकिन प्रशासन ने लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बाद भी कोई भी कार्रवाई नहीं की है।

जौराहा नाले में खनन कार्य के लिए लखीमपुर के ठेकेदारों को पट्टा आवंटित किया गया है। किसानों का कहना है कि पट्टा उसी हिस्से में है, जिसे लंबे समय से तेज कटान प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया है। ठेका मिलने के बाद ठेकेदार की ओर से मांझा की ओर जाने वाले पुराने मार्ग का उपयोग करने के बजाय नदी के बीच होम पाइप डालकर अस्थाई पुल निर्मित कर दिया गया। इस पुल को मजबूती देकर बालू से भरे डंपरों और भारी वाहनों को निकाला जा रहा है।

किसानों का कहना है कि यह कार्य पूरी तरह अवैध है और नदी के प्राकृतिक प्रवाह के साथ पर्यावरण संरक्षण नियमों का भी खुला उल्लंघन है। आरोप है कि खनन विभाग की शह और प्रशासन की अनदेखी के कारण ठेकेदारों को मनमानी करने का मौका मिल रहा है। यह इलाका हर वर्ष कटान से प्रभावित होता है। नदी की धारा में हस्तक्षेप से कटान और बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने पुल को हटाने की मांग को लेकर कई बार प्रदर्शन किया। पूर्व प्रधान परमजीत सिंह पम्मी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पहले ही दो बार डीएम से मिलकर छह सूत्रीय ज्ञापन देकर समाधान की मांग की थी।

डीएम के आदेश पर एसडीएम निघासन राजीव निगम के साथ 20 दिसंबर को लोक निर्माण विभाग के जेई पीके सरोज और खनन इंस्पेक्टर आशीष सिंह की टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने खनन पट्टा निरस्त किए जाने की मांग करते हुए पुल का विरोध जताया, लेकिन प्रशासन ने आगे कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद गठित दूसरी जांच टीम अधिशासी अभियंता अनिल यादव और सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय कुमार के नेतृत्व में एसडीएम राजीव निगम और खनन अधिकारी आशीष सिंह के साथ मौके पर पहुंची और जांच की। जांच के एक हफ्ते भर बाद भी कोई कार्रवाई न होने से लोग भड़क गए। कड़ाके की ठंड के बीच शुक्रवार को किसानों ने टेंट लगाया और दरा बिछाकर भारतीय सिख संगठन और किसान संगठनों के साथ धरना शुरू कर दिया है। धरने को भारतीय सिख संगठन के साथ-साथ कई किसान संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और महिलाएं मौजूद हैं।

धरने पर बैठे मांझा गांव निवासी किसान परमजीत सिंह पम्मी ने बताया कि खनन विभाग ने जौरहा नाले की गाटा संख्या 947 पर पर्यावरणीय नियमों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए खनन पट्टा आवंटित कर दिया है। किसानों का कहना है कि खनन से नाले का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ रहा है, जिससे ग्रामीणों की सुरक्षा और आजीविका दोनों पर संकट खड़ा हो गया है। धरने पर बैठे किसानों और संगठनों ने चेतावनी दी है कि जब तक खनन पट्टा निरस्त कर अवैध पुल और कांटे को नहीं हटाया जाता, तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर बड़े स्तर पर लंगर और आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

> दो बार टीमों ने मौके पर जाकर जांच की थी, जिसकी रिपोर्ट डीएम को भेजी जा चुकी है। किसानों के धरने पर बैठे होने की जानकारी नहीं है। दिखवाते हैं, क्या मामला है।
> -**राजीव निगम**, एसडीएम निघासन।

अवैध पुल, कांटा और भारी वाहनों से बढ़ा खतरा

किसानों ने आरोप लगाया कि खनन ठेकेदार ने बालू निकासी के लिए जौराहा नाले पर दर्जनों होम पाइप डालकर अवैध और अस्थायी पुल बना दिया है, जो पूरी तरह खतरनाक है। साथ ही पीडब्ल्यूडी मार्ग के किनारे बिना अनुमति कांटा लगाया गया है, जिस पर बिजली कनेक्शन भी दे दिया गया। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और हादसों की आशंका बनी रहती है। किसानों का कहना है कि वे दो बार जिलाधिकारी से मिल चुके हैं और जांच टीम भी मौके पर आई, लेकिन अब तक न तो खनन कार्य रोका गया और न ही कोई कार्रवाई हुई। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक न किए जाने से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

पूर्व खनन से हुए नुकसान की दिलाई याद

किसानों ने बताया कि इससे पहले भी इसी नाले पर हुए खनन के कारण भारी नुकसान झेलना पड़ा था। पूर्व में हुए खनन से करीब आधा दर्जन मकान नाले के कटान में गिर गए थे, जिससे कई परिवारों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। उस समय भी प्रशासन को अवगत कराया था, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब दोबारा पट्टा देने से किसानों में आक्रोश है।

अवैध पुल से हम किसानों की तमाम फसलें प्रभावित होंगी और जमीन पर भी खतरा मंडराएगा। जब तक मांगे पूरी नहीं होती। हमारा धरना जारी रहेगा। -**केवल सिंह**।

यह इलाका हर वर्ष कटान से प्रभावित होता है। नदी की धार में हस्तक्षेप से कटान और बढ़ सकता है। इसलिए खनन पट्टे को निरस्त कर पुल हटाया जाए। -**शुबेग सिंह**।

यह कार्य अवैध है और नदी के प्राकृतिक प्रवाह के साथ पर्यावरण संरक्षण नियमों का भी उल्लंघन है। खनन विभाग की शह और प्रशासन की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी। -**लखविंदर सिंह**।

पुल निर्माण से नदी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न हो रही है और आसपास के खेतों में कटान का खतरा बढ़ गया है। बरसात में हमारी खबरें बर्बाद हो जाएंगी। -**लखविंदर सिंह**।

अनियमित समायोजन के विरोध में शिक्षक एकजुट

संवाददाता, ममरी

- अधिकारियों को देंगे ज्ञापन न्यायालय की शरण में भी जाएंगे

गोला देहात के भुसौरिया स्कूल की बैठक में मौजूद पदाधिकारी और शिक्षक।

अमृत विचारः ब्लॉक कुंभी के संविलियन विद्यालय भुसौरिया गोला देहात में बेसिक शिक्षकों की महत्वपूर्ण बैठक में अनियमित समायोजन के विरोध में एकजुट होकर अधिकारियों को ज्ञापन देने और समाधान न होने पर जाएंगे न्यायालय की शरण में जाने का निर्णय लिया गया।

प्राथमिक शिक्षक संघ कुंभी ब्लॉक अध्यक्ष विजयपाल वर्मा एवं उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नियमों के विपरीत किए गए समायोजन (समायोजन 3) का विरोध किया गया। ब्लाक कुंभी एवं बांकेगंज के शिक्षकों ने एक स्वर में कहा कि अपने ही ब्लॉक में पद रिक्त होने के बावजूद अन्य विकास खंडों में समायोजन से शिक्षकों के साथ अन्याय हो रहा है। ब्लॉक बांकेगंज के अध्यक्ष आशुतोष गिरि और मंत्री विपिन वर्मा ने सभी का आह्वान किया कि वे एकजुट रहें और न्याय संगत समाधान के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रखें।

बैठक के बाद प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ ने निर्णय लिया कि वह विभाग के उच्चाधिकारियों को ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ने पर न्यायालय की शरण में जाएंगे। सभी शिक्षकों ने एक स्वर में कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने एक-दूसरे को समर्थन का वादा किया और भविष्य में भी साथ मिलकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। बैठक में सुनील वर्मा, रामकृष्ण वर्मा, अजीत कुमार, दीपक वर्मा, राकेश कुमार यादव, महेंद्र कुमार, रिजवानुल आरफीन, अब्दुल मलिक, जावेद अमन, कविता सेन, मीना कुमारी, तबस्सुम, सरिता कुशवाहा, पूनम आनंद, मानसी, पूजा देवी, प्रियंका सहित तमाम शिक्षक, शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

छोटेलाल सुखदेवी की स्मृति में कवि गोष्ठी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला में कवि रमाकांत चौधरी को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचारः नववर्ष की संध्या पर शहर के मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना में श्री छोटेलाल सुखदेवी स्मृति सम्मान के दूसरे संस्करण में हुई काव्य गोष्ठी में कवियों ने विभिन्न विधाओं में काव्यपाठ किया है।

वरिष्ठ कवि गेंदन लाल कनौजिया की अध्यक्षता में हुई काव्य गोष्ठी की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। कवि श्रीपाल वर्मा ने महिलाओं को समर्पित कविता के साथ ही रमाकांत चौधरी द्वारा राजनीति को संबोधित कविता पढ़ी गई। रविसुत शुक्ल एवं सुधांशु त्रिवेदी ने देश के ज्वलंत मुद्दों पर कविता पढ़ी। एसपी पांडे ने संस्कृत विधा के श्लोक और माता-पिता को समर्पित रचना पढ़ी। राजेश मोहन ने मां को समर्पित कविता तो चंद्रकांत ने बशीर बद्र व संत कुमार वाजपेयी को याद किया। नानक चन्द वर्मा ने राजनीति पर व्यंग्य, वरिष्ठ कवि श्रीकांत ने कभी मेरे बच्चे तंबाकू न खाना संदेश दिया, कवि वेद प्रकाश अग्निहोत्री ने भी अपनी रचना पढ़ी।

मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य सौरभ दीक्षित एवं विशिष्ट अतिथि सभासद नानकचन्द वर्मा ने कवियों का प्रतिभा अलंकरण करते हुए मोमेंटो प्रदान किए। संचालन विश्व रिकार्डधारी कवि एवं गद्यकार यतीश शुक्ला ने किया। आयोजक अनंग वर्मा ने सभी कवियों का आभार व्यक्त कर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

व्यवस्था | ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मी रहे मुस्तैद

जाम की स्थिति से यातायात बाधित, परेशान हुए लोग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला में अशोक चौराहा पर वनवे से निकलते वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचारः नगर में मुख्य सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। इससे यातायात प्रभावित हुआ और लोग काफी परेशान हुए।

नववर्ष के मौके पर भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आए दूर दराज और स्थानीय श्रद्धालुओं की भीड़ भाड़ के चलते अशोक चौराहे से अंबेडकर तिराहे और शिवम कांप्लेक्स के पास दिन भर जाम की स्थिति बनती बिगड़ती रही, जिससे यातायात व्यवस्था भी बाधित हुई। ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मी मुस्तैद रहे और राहगीरों, वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते रहे। यही हालात दूसरे दिन भी रहे।

नगर में पार्किंग की व्यवस्था न होना भी जाम लगने का कारण है। बढ़ती हुई वाहनों की संख्या और पार्किंग की कमी के चलते दुकानों पर खरीदारी करने आने वाले ग्राहक, दूरदराज से पौराणिक शिव मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालु भी अपने वाहन दुकान के सामने सड़क तक खड़े कर देते हैं, जिससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हो जाता है। प्रशासन ने लोगों को इस समस्या से छुटकारा दिलाने में अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की है।

नगर में कई बड़े प्रतिष्ठानों के पास उनकी पार्किंग की व्यवस्था भी नहीं है। अशोक चौराहा और शिवम चौराहा पर हर समय सुरक्षा, ट्रैफिक कर्मियों की मौजूदगी रहती है फिर भी ई रिक्शा चालकों के बेतरतीब वाहन संचालन से दोपहर और शाम के समय अक्सर लोग जाम में फंसकर परेशान होते रहते हैं।

फुटपाथ तक अस्थाई कब्जा भी है जाम का कारण

नगर की प्रमुख सड़कों पर दुकानदारों ने फुटपाथ तक सामान लगाकर अस्थाई कब्जा कर लिया है, जिससे दोनों ओर से वाहनों के आ जाने पर जगह के अभाव और जल्दी निकलने के चक्कर में जाम लगती है। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी नगर पालिका के साथ व्यापारियों से बैठक तो करते हैं लेकिन फुटपाथ खाली कराने की ठोस कार्रवाई न होने से दूर दराज से आने वाले लोग परेशान होते रहते हैं।

पालिका आपके वार्ड कार्यक्रम शुरू किया

संवाददाता, पलिया कलां

कार्यक्रम में प्रार्थना पत्र लेतीं पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता।

- नगर पालिकाध्यक्ष ने सुनीं लोगों की समस्याएं, किया निराकरण

अमृत विचार : नगर पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता की पहल से पालिका आपके वार्ड, कार्यक्रम शुरू किया है। इसमें पालिकाध्यक्ष खुद वार्ड में जाकर सदस्य और अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ फरियादियों से संवाद कर मौके पर ही उनकी समस्याओं का निस्तारण कराने का प्रयास करेंगी।

शुक्रवार को नगर के पांडे बाबा मंदिर के पास जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर मोहल्ला पाण्डेबाबा, मोहल्ला पठान 4 व मोहल्ला बाजार प्रथम के नागरिकों की समस्याएं और सुझाव सुने। बैठक में वार्ड सभासद मुबारक अली, सभासद पवित्र प्रकाश एवं सभासद इस्लामुद्दीन ने भी जनता के साथ संवाद किया। नागरिकों द्वारा इस जनसंवाद कार्यक्रम में गृहकर, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, पथ प्रकाश और सफाई सम्बन्धी कुछ प्रकरण संज्ञान में लाये गये, जिनका त्वरित संज्ञान लिया गया।

न्यूज ब्रीफ

कथा में सुनाया राम और भरत के मिलन का प्रसंग

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : स्वामी विवेकानन्द बाल उद्यान में हो रही श्रीराम कथा के पांचवें दिन कथाव्यास अजयानंद महाराज ने भ्रात्व प्रेम के उत्कृष्ट उदाहरण श्रीराम और भरत के चित्रकूट में मिलने की कथा सुनाई। इस अवसर श्रीराम कथा सुनने के लिये शशिकान्त मिश्र, कन्हैया लाल शुक्ल, दुर्गा प्रसाद मिश्र, राजेश्वर शुक्ल, राकेश सिंह, राकेश शुक्ल, शशिबाला राबड़ा, डॉ .वेदप्रकाश अग्निहोत्री, रामदेव आदि मौजूद रहे।

हाई स्कूल, इंटर की प्री बोर्ड परीक्षाएं सात से

भीरा, अमृत विचार : लखीमपुर हाई स्कूल एवं इंटर की प्री बोर्ड परीक्षाएं सात जनवरी से प्रारंभ होंगी। जिला पंचायत इंटर कॉलेज के प्रवक्ता ओमप्रकाश श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य डॉ. मधुसूदन शशांक ने बताया यूपी बोर्ड के मिले दिशा निर्देश के तहत बोर्ड द्वारा संचालित इंटर एवं हाई स्कूल की आयोजित होने वाली प्री बोर्ड परीक्षाएं सात जनवरी से प्रारंभ की जाएंगी॥ परीक्षार्थियों की परीक्षा कमरे में पहुंचने से पूर्व गहन तलाशी ली जाएगी। वहीं मोबाइल फोन आदि पूरी तरह प्रतिबंधित किए गए हैं। यदि कोई छात्र-छात्रा के पास तलाशी के समय मोबाइल फोन मिलता है तो उसे जमा कर लिया जाएगा।

ट्रैक्टर चालक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

पसगवां, अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्राली में गन्ना लेकर आ रहे एक ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। हरदोई की कोतवाली पिहानी के ग्राम डर्रा निवासी अशोक कुमार (30) पुत्र राम प्रताप ट्रैक्टर ट्राली से गन्ना लेकर अजबापुर चीनी मिल आ रहे थे। जहानीखेड़ा के पास अज्ञात वाहन ने ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर चालक उछल कर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी पसगवां लाया गया, जहां चिकित्सक ने अशोक कुमार को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसएसबी ने 125 पशुओं का किया इलाज

पलिया कलां, अमृत विचार : एसएसबी 39 वीं वाहिनी ने वनकटी सीमा चौकी कार्य क्षेत्र के भूड़ा गांव में शिविर में करीब 125 पशुओं की नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवाइयां दी। 120 पशुओं को फूट एंड माउथ डिजीज एफएमडी एवं पीपीआर बकरी फ्लैग से बचने का टीका लगाया गया। पशुपालकों को सर्दी के मौसम में पशुओं को बचाने के उपाय बताए गए। इस दौरान वनकटी इंस्पेक्टर विनोद खोजा सहित पशु चिकित्सा शाखा का स्टाफ भी मौजूद रहा।

जीना नहीं मुझे...कहकर टावर पर चढ़े ग्रामीण ने दी कूदने की धमकी

दमकल कर्मियों ने रस्सी बांधकर चार घंटे बाद ग्रामीणों की मदद से उतारा

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचारः कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र की ग्राम पंचायत कड़िया के गांव किशननगर में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव निवासी हैरानू (55) किसी अज्ञात मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या करने के इरादे से गांव में ही लगे बीएसएनएल टॉवर पर चढ़ गया। सुबह करीब 11 बजे वह टॉवर के सबसे ऊपरी हिस्से तक पहुंच गया और वहीं से कूदकर जान देने की धमकी देने लगा। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड की टीम ने ग्रामीणों की मदद से टॉवर में रस्सी बांधकर उसे बड़ी मुश्किल से चार घंटे बाद नीचे उतार पाने में सफलता हासिल की।

गांव किशन नगर निवासी हैरानू (55) पुत्र गनेशी शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे गांव में लगे बीएसएनएल के टॉवर पर चढ़ गया। ग्रामीण जब तक कुछ समझ पाते और उसे रोकते। तब तक करीब वह 60 फुट से अधिक ऊपर पहुंच गया। इसकी जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान भीम बहादुर तमाम ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने उसे काफी समझाने की कोशिश की और आत्मघाती कदम उठाने के कारणों को पूछते हुए उनका समाधान कराने का भी आश्वासन दिया,

मोबाइल टावर पर चढ रहा अधेड़।

- चार युवकों की बहादुरी से बची ग्रामीण की जान

लेकिन वह बार-बार यही कहता रहा कि मुझे अब जीना नहीं है। कूदकर जान दे दूंगा। वह किसी की बात मानने को तैयार नहीं था।

ग्राम प्रधान ने यूपी 112 और कोतवाली तिकुनिया पुलिस को सूचना दी। मौके पर बेलरायां चौकी इंचार्ज अभिषेक कुमार यादव और यूपी 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसी बीच स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गांव के ही चार-पांच जाबांज युवक अपनी जान की परवाह किए बिना टावर पर चढ़ गए।

इसी बीच हैरानू संतुलन बिगड़ने से टावर से लटक गया और हाथ छूटने ही वाला था। समय रहते युवकों ने उसे पकड़ लिया, जिससे उसकी जान बच गई। उसे नीचे उतार पाने में असफल युवक हैरानू को करीब पौन घंटे तक टॉवर पर ही पकड़े खड़े रहे। इस बीच फायर ब्रिगेड की टीम व एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने ग्रामीणों की मदद से मोबाइल टॉवर के ऊपरी सिरे से रस्सा बंधवाया। टॉवर पर जगह-जगह ग्रामीण रस्से को पकड़कर खड़े हुए। इसके बाद उसे बांधकर ग्राम प्रधान आदि के सहयोग से हैरानू को रस्से के सहारे नीचे उतारा गया।

बताया जाता है कि हैरानू पिछले दो-तीन दिनों से ब्लड प्रेशर की बीमारी से परेशान चल रहा था। हैरानू का एक बेटा और बहू बाहर रहते हैं और वह गांव में अकेला ही रहता है। बीमारी और मानसिक तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया। बेलरायां चौकी इंचार्ज अभिषेक कुमार ने बताया कि मोबाइल टॉवर पर चढ़े अधेड़ को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। वह ब्लड प्रेशर का मरीज है और बीमारी से परेशान होकर टॉवर पर चढ़ गया था। फिलहाल उसकी हालत सामान्य बताई जा रही।

अटल स्मृति दिवस राष्ट्रहित सर्वोपरि की देता है प्रेरणा

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचारः भाजपा विधायक रोमी साहनी के आवास पर शुक्रवार को अटल स्मृति दिवस एवं एसआईआर को लेकर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य विनोद कुमार पटेल व विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी वासुदेव मौर्य रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि विनोद कुमार पटेल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन और सामाजिक समरसता का प्रतीक रहा है। उनके विचार आज भी देश और संगठन को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अटल जी के सिद्धांतों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी वासुदेव मौर्य ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता और समर्पण से ही संगठन जनसेवा के कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकता है। विधायक रोमी साहनी ने कहा कि अटल स्मृति दिवस हम सभी को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन और जनप्रतिनिधि मिलकर क्षेत्र की जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख पलिया वीरेंद्र शुक्ला, भाजपा जिला मंत्री राकेश अर्कवंशी, शारदा मंडल अध्यक्ष शशि शंकर शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, रामानुज मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नगर अध्यक्ष उदयवीर सिंह ने किया।

बैठक को संबोधित करते विधायक रोमी साहनी। • अमृत विचार

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा कार्यकर्ता। • अमृत विचार

युवक ने पेड़ पर फंदा लगाकर दी जान

शाहजहांपुर, अमृत विचारः कांट थाना क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी पश्चिमी निवासी 22 वर्षीय अवनीश कुमार ईट भट्टे पर मजदूरी करता था। गुरुवार की शाम पांच बजे घर पर आया और अपनी पत्नी को दो सौ रुपये दिए और कहा कि आटा लेकर आ रहे है। वह खुद तीन सौ रुपये लेकर चला गया था। उसका शव शाम छह बजे मदनापुर रोड पर एक पेड़ से गमछे से लटका हुआ मिला। खबर मिलने पर परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। परिवार वालों ने कांट थाना पर सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतार लिया। मृतक के भाई अवधेश ने बताया कि उसके भाई अवनीश की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। उसने स्वयं फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसका पत्नी से कभी-कभी विवाद हो जाता था। अवनीश की दो साल पहले शादी रजनी से हुई थी। वह ईंट भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार पालता था। उसका छह माह का बेटा दिव्यांशू है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिवार वालों ने रंजिश से इंकार किया और बताया कि उसने स्वयं फांसी लगाकर जान दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र आरंभ

उद्घाटन समारोह में मौजूद स्वयं सहायता की महिलाएं। • अमृत विचार

- महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब गोला सेंट्रल एवं श्री श्याम ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूह ताजपुर के संयुक्त तत्वावधान में बिजुआ ब्लॉक की ग्राम पंचायत ताजपुर में महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का आरंभ किया गया, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक अमन गिरि ने फीता काटकर किया।

ताजपुर में रोटरी क्लब अध्यक्ष अभिषेक राजपूत की अध्यक्षता में हुये उद्घाटन समारोह में विधायक अमन गिरि ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण केंद्र ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ साथ उन्हें सम्मानजनक स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने रोटरी क्लब एवं स्वयं सहायता समूह के प्रयासों की सराहना की। अभिशेक राजपूत ने कहा कि इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से महिलाएं सिलाई कढ़ाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने घर से ही आय अर्जित कर सकेंगी और स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकेंगी। श्री श्याम ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष आरती देवी, प्रधान मनीष वर्मा ने प्रशिक्षण केंद्र के उद्देश्यों एवं कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। संचालन क्लब सचिव प्रमोद वर्मा ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, डॉ. योगेश कनौजिया, आदर्श सोनी, विवेक गुप्ता, अमित वर्मा, पुनीत साहनी, उमेश जायसवाल, संजय सैनी सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

ताजपुर के उद्घाटन समारोह में बोलते विधायक अमन गिरि। • अमृत विचार

फिसलकर गिरी वृद्धा की मौत

पुवायां, अमृत विचारः क्षेत्र के एक गांव में नहाने के दौरान फिसलकर गिरने से 65 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार गनेशी देवी घर में नहा रही थीं, तभी अचानक पैर फिसल गया और वह गिर पड़ीं। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय मकान में कोई सदस्य नहीं था। मृतका के चार बेटे हैं, जिनमें से दो बेटे रोज़गार के सिलसिले में नेपाल में काम करने गए हुए थे, जबकि एक बेटा गोरखपुर में था। घर के पास दूसरे मकान में रहने वाला छोटा बेटा जितेंद्र (32) ही था, परिजन महिला को शाहजहांपुर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के सदस्यों के बाहर होने के कारण अंतिम संस्कार में देरी हुई। सभी बेटों के पहुंचने के बाद 2 जनवरी को गनेशी देवी का अंतिम संस्कार किया गया।

पटेल संस्थान की बैठक में कार्यकारिणी विस्तार पर चर्चा

गोला में पटेल संस्थान की बैठक में मौजूद पदाधिकारी। • अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः कुर्मी क्षत्रिय समाज कल्याण समिति पटेल संस्थान की बैठक संस्थान के अध्यक्ष राजीव पटेल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें कई लोगों के हुए असामयिक निधन पर एक सामूहिक शोकसभा तीन जनवरी शनिवार को दोपहर 12 बजे करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में क्षेत्रीय संतुलन के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए नवीन कार्यकारी के विस्तार पर चर्चा की गई। सामूहिक खिचड़ी भोज की रूपरेखा तैयारियों पर विचार किया गया। बैठक में मंत्री अंकुर वर्मा, विजय कनौजिया, अभिषेक वर्मा, अमित वर्मा, मनीष वर्मा, संदीप वर्मा, विक्रम वर्मा, शिवम पटेल, पंकज वर्मा एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने बांटे कंबल

मैलानी, अमृत विचार : नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी ने पति भवानी शंकर माहेश्वरी के जन्मदिन पर राम जानकी मंदिर में गरीब, असहाय, जरूरतमंदों को 1800 कंबल बांटे। सिद्धि विनायक पब्लिक स्कूल के बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस मौके पर भाजपा नेत्री गुरमीत कौर, नगर पंचायत कर्मचारी दिलशाद हुसैन, राहुल, इमरान आदि कर्मचारी और भाजपा कार्यकर्ता सहित सभासद मौजूद रहे।

मैलानी के सिद्धि विनायक पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम करते बच्चे।

रास्ते के विवाद में लाठी डंडे चले, एक घायल

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः संपूर्णानगर थाना क्षेत्र के बसही कॉलोनी में रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच मारपीट हो गई और जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। मामला मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

बसही कॉलोनी निवासी सूर्यनारायण की पत्नी रामपति देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने पोते के जन्मदिन का निमंत्रण देने निरंजन के घर जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में रियाजुद्दीन उर्फ गुड्डू खान, साहिल सहित उनके परिवार के लोगों ने रास्ते से जाने से मना करते हुए उन्हें धक्का दे दिया। इसकी जानकारी जब उन्होंने अपने पुत्रों वीरेंद्र और सुनील को दी तो दोनों मामले की जानकारी लेने आरोपियों के घर गए। वहां विवाद बढ़ गया और

- दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ दी तहरीर

जियाउल, अताउल्ला व रियाजुद्दीन पुत्र हामिद ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वीरेंद्र का सिर फट गया। किसी तरह जान बचाकर वे वहां से भागे। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से शमा प्रवीन पत्नी रियाजुद्दीन ने आरोप लगाया कि रामपति देवी उनके घर के सामने से जबरन गुजर रही थीं और जमीन को रास्ता बताते हुए विवाद करने लगीं। मना करने पर उन्होंने अपने बेटों वीरेंद्र और सुनील को बुलाकर मारपीट की, जिससे उनके परिवार के लोगों को अंदरूनी चोटें आई हैं। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर प्राप्त हुई है। घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। शांति भंग की आशंका को देखते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की गई है।

251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में 300 यजमानों ने लिया भाग

संवाददाता, निघासन

अमृत विचारः कस्बे के झंडी रोड पर आयोजित राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि 251 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ के दूसरे दिन पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्तिरस से सराबोर नजर आया। सुबह से देर शाम तक चले धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह प्रज्ञा योग ध्यान से हुई। इसके पश्चात सामूहिक जप-साधना, देव पूजन तथा दो पालियों में विधिवत गायत्री महायज्ञ संपन्न कराया गया। महायज्ञ के दौरान पंच तत्वों अग्नि, वायु, जल, सूर्य और पृथ्वी माता सहित सभी देवताओं का विधि-विधान से आवाहन एवं पूजन किया गया। पहली पाली में देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ लगभग तीन घंटे तक चला, जबकि दूसरी पाली करीब आधे घंटे तक चली। देव पूजन और महायज्ञ में लगभग 300 यजमानों ने सहभागिता की।

प्रमुख यजमानों में यज्ञ भूषण सिंह, दामोदर वर्मा, मनोज वर्मा, आशीष गुप्ता, अशोक तिवारी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्यामसुंदर पांडेय और पुष्कर जायसवाल शामिल रहे। इस दौरान करीब दस हजार श्रद्धालुओं ने यज्ञ देव में आहुतियां दीं तथा यज्ञ कुंडों की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। शांतिकुंज हरिद्वार से आई गायत्री शक्तिपीठ की टोली ने समस्त पूजन एवं हवन कार्यक्रम विधि-विधान के अनुसार संपन्न कराए।

टोली का नेतृत्व टोली नायक परमानंद द्विवेदी ने किया। उनके साथ सहयोगी जितेंद्र मिश्री, ओईंद्र सिंह, युग गायक रमेश तिवारी, हेम तत्त्वदर्शी, ऑर्गन वादक सोमेश्वर तांडी, छबि लाल, पैड वादक जनक, सह सहयोगी शिवम राजपूत एवं सारथी जयप्रकाश मौजूद रहे। यज्ञाचार्य परमानंद द्विवेदी ने यज्ञ की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यज्ञीय प्रक्रिया सनातन धर्म में प्राचीन काल से चली आ रही है। यदि श्रद्धा और तन्मयता से यज्ञ किया जाए तो वह तुरंत सकारात्मक फल प्रदान करता है और व्यक्ति तथा समाज दोनों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

सांस्कृतिक संध्या में उमड़े श्रद्धालु

शाम के समय आयोजित युग प्रवचन, भक्ति संगीत और सांस्कृतिक संध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रवचनों के माध्यम से जीवन में संस्कार, साधना, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण की भावना को आत्मसात करने का संदेश दिया गया, जिसे उपस्थित श्रोताओं ने गंभीरता से ग्रहण किया। महायज्ञ स्थल पर मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, परियोजना निदेशक सोमनाथ चौरसिया, खंड विकास अधिकारी जयेश कुमार सिंह और जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा भी पहुंचे। अधिकारियों ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में सकारात्मक सोच, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं।

देवालय हिमालय ने लगाए चार चांद

करीब 40 एकड़ भूमि पर आयोजित कार्यक्रम स्थल पर देवालय हिमालय बनाया गया, जिसकी सुंदरता चार चांद लगा रही है। यह देवालय हिमालय श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना है। प्रशासनिक अफसरों ने भी इसका निर्माण करने वालों की प्रशंसा की है। इसके निर्माण में योगदान देने वालों में टोली नायक रामसुमेर, राधेश्याम, राधाकृष्ण, हरी प्रकाश, तुलसीराम, केशव नाथ, शिवकुमार, ओमप्रकाश और पैकरमा शामिल रहे।

झांकी के साथ आयोजक मंडल। • अमृत विचार

यज्ञ में आहुतियां देते यजमान व श्रद्धालु। • अमृत विचार

आवश्यकता है

- कंप्यूटर ऑपरेटर (MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM (Male) • आयुर्वेदिक परिचारिका
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया • वार्ड बॉय
- हॉस्टल वार्डन फीमेल
- कैंटीन सुपरवाइजर/मेस सुपरवाइजर

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2014 अनुक्रमांक 1115577 का अंक सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **शिखा बी पुत्री श्री अब्दुल ताहिर निवासी बरखेड़ा कला पीलीभीत**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल 2022 का अंक पत्र अनुक्रमांक 1220838464 एवं इंटरमीडिएट 2024 का अंक पत्र अनुक्रमांक 2245704161 वास्तव में कहीं खो गया है। **सुष्मिता सिंह पुत्री रविराम सिंह निवासी नवीन नगर जलालाबाद शाहजहांपुर।**

CHANGE OF NAME
I, No 2607513F Rank HAV Name Chandan Singh of 21 Madras is hereby state that my daughter name as per my army records is Palavi Singh which was wrongly mentioned in my army records. The correct name of my daughter is Pallavi Singh instead of Palavi Singh. I am presently residing at Vill Dashrajpatti,Maharajganj Post Budhanpur-Teh Azamgarh- Dist. Uttar Pradfesh-State PIN 276137. The both name Palavi Singh and Pallavi Singh pertain to one and the same person and same is mentioned as per aadhar card, School, cert Birth and updated in affidavit declaration date 30 Dec 2025. Advocate and Notary Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur (UP)

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा यूपी बोर्ड हाईस्कूल अनुक्रमांक 0855205 वर्ष 2008 और इंटरमीडिएट अनुक्रमांक 0441834 वर्ष 2010 के अंकपत्र और प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं। **श्वेता बाजपेई पुत्री विजय कुमार बाजपेई निवासी श्याम कन्हैया कॉलोनी गोला गोकर्णनाथ खीरी**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

जूडो के ट्रायल में केवल एक ही छात्रा पहुंची

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में शुक्रवार को रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयीय पुरुष और जूडो प्रतियोगिता के ट्रायल हुए। जूडो के ट्रायल देने कॉलेज में सिर्फ एक ही छात्रा पहुंची। जूडो प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को होना है।

बरेली कॉलेज में हॉकी के ट्रायल कल

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय की महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 6 जनवरी को ठाकुर रोशन सिंह संघटक महाविद्यालय नवादा दरोबस्त कटरा शाहजहांपुर में किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए बरेली कॉलेज की टीम का चयन 4 जनवरी को ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। क्रीड़ा सचिव विवेक डागर ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को ट्रायल में भाग लेना अनिवार्य है। ट्रायल के समय आवश्यक दस्तावेज लाना भी अनिवार्य है।

हॉकी की सब-जूनियर बालिका टीम चयनित

बरेली अमृत विचार : खेल निदेशालय की ओर से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 7 से 12 जनवरी तक मेरठ में किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए बरेली की जिला टीम का चयन स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को ट्रायल के माध्यम से किया गया। टीम में अंशिका गोले, रागिनी कश्यप, प्रियांशी, भेष्टी, वैष्णवी कश्यप, समीक्षा, गुंजन का चयन किया गया। बरेली मंडल की टीम का चयन सोमवार किया जाएगा।

माफी मांगते हुए बोले थे श्याम बिहारी, अब लेट नहीं आऊंगा ...

बैठक में हंसी मजाक में सहयोगी विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने फरीदपुर विधायक से कहा था, यार तुम लेट आते हो, डांट मेरी पड़ती है

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में हंसी मजाक की ऐसी बातें भी हुईं, जो वहां मौजूद रहने वाले जनप्रतिनिधियों को डॉ. श्याम बिहारी लाल के बारे में लंबे समय तक याद दिलाती रहेंगी।

दरअसल, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की ओर से प्रस्तावित विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के संबंध में बुलाई गई बैठक में फरीदपुर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल कुछ देर से पहुंचे थे। सभी जनप्रतिनिधि उनके आने का इंतजार कर रहे थे। वह करीब 12.30 बजे सर्किट हाउस में बैठक में पहुंचे थे। बैठक में पहुंचते ही सबसे पहले उनके सहयोगी मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने कहा, यार तुम लेट आते हो, डांट मेरी पड़ती है, इस पर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल ने मजाकिया अंदाज में डॉ डीसी वर्मा को भाई साहब कहते हुए कहा कि वादा करता हूं अब बैठक में लेट नहीं आऊंगा, इस बात पर कैबिनेट मंत्री धर्मपाल हंसकर रह गए। बैठक में हंसी मजाक के यह वे पल थे, जिनमें सभी खुलकर हंसे, लेकिन किसी को ऐसा आभास नहीं था कि इस बैठक के बाद ऐसा कुछ हो जाएगा कि जो इन पलों की हमेशा याद दिलाएगा। पुलिस प्रशासनिक अफसरों के साथ बैठक हुई, करीब पौने दो बजे भोजन हुआ। भोजन पंडाल में भी डॉ डीसी वर्मा ने डॉ श्याम बिहारी लाल को लेकर मंत्री धर्मपाल से कहा कि विधानसभा में मेरी और डॉ. श्याम बिहारी की सीट अगल-बगल है।

सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में जनप्रतिनिधि और अधिकारी। ● अमृत विचार

डॉ श्याम बिहारी को हार्ट अटैक आने से बेखबर रहे तमाम नेता : बरेली : सर्किट हाउस में भोजन के दौरान वनमंत्री डॉ अरुण कुमार सहित कई विधायक और भाजपा के पदाधिकारी सर्किट हाउस से चले आए थे। इस वजह से बैठक में मौजूद रहे तमाम जनप्रतिनिधि और कई पुलिस प्रशासनिक अधिकारी भी विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल को हार्ट अटैक आने से काफी देरर तक बेखबर थे। भोजन के बाद कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने गंतव्य के लिए निकल गए थे। 3 बजे के बाद विधायक को हार्ट अटैक आने की सूचना जनप्रतिनिधियों को मिली तब सब अस्पताल की तरफ दौड़े। हॉस्पिटल में सांसद छत्रपाल गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष आंवला आदेश प्रताप सिंह आदि जनप्रतिनिधियों के अलावा जिलाधिकारी अविनाश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य सहित कई अधिकारी पहुंच गए थे।

विधायक ने बैठक में उठाए थे मुद्दे : बैठक के दौरान विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल ने अहिच्छत्र क्षेत्र के गुलड़िया गौरी शंकर मंदिर, पचौमी के मंदिर को पर्यटन में जोड़ने के साथ नाथ कॉरिडोर को लेकर कई सुझाव दिए। बताते हैं कि उन्होंने कहा कि बरेली में पर्यटन की दृष्टि से कोई बुकलेट बननी चाहिए। उसमें प्राचीन शिव मंदिरों के साथ ही प्राचीन अहिच्छत्र औरअन्य मंदिरों को भी शामिल करें, कई सुझावों की सराहना भी की गयी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर त्रिशूल एयरफोर्स में डॉ श्याम बिहारी लाल के साथ वाला एक फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि फरीदपुर के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ। वे जनहित में समर्पित भाजपा के एक कर्मठ नेता थे, जिनके जाने से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति!

मुख्यमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा- आकस्मिक निधन अत्यंत दुःखद है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से माननीय विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल जी का आकस्मिक निधन अत्यंत दु:खद है। विनम्र श्रद्धांजलि। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा, फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है।

प्रो. श्याम बिहारी का जाना विवि के लिए भारी क्षति

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : फरीदपुर के भाजपा विधायक एवं रुहेलखंड विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष प्रो. श्याम बिहारी लाल का जाना विश्वविद्यालय के भारी क्षति है। वह विश्वविद्यालय में 25 साल से कार्यरत थे। उनके निधन से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई है। मीडिया प्रभारी डॉ. अमित सिंह ने बताया कि शोक सभा का आयोजन शनिवार को प्रशासनिक भवन में किया जाएगा।

प्रो. श्याम बिहारी ने इतिहास विभाग में सन 2000 में ज्वाइन किया था और जून 2028 तक उनका कार्यकाल रहना था। विश्वविद्यालय में पदभार ग्रहण करने से पहले वह पलिया, सोनभद्र और बीसलपुर में राजकीय डिग्री कॉलेज में शिक्षक रहे। विश्वविद्यालय में कार्यकाल के दौरान कई अहम पदों पर जिम्मेदारी निभाई। वर्तमान में प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग में विभागाध्यक्ष बनने से पहले दो बार संकायाध्यक्ष भी रह चुके थे। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद और विद्या परिषद के भी सदस्य की जिम्मेदारी निभाने वाले श्याम बिहारी लाल पांचाल संग्रहालय के संयोजक भी रहे। पूर्व में बीडीए छात्रावास के वार्डन भी रहे। वह अवैतनिक पुस्तकालय अध्यक्ष भी थे। इसके अलावा कई समितियों में भी शामिल थे। वह पहले विश्वविद्यालय परिसर में ही कुलसचिव के सामने बनी प्रोफेसर कॉलोनी में रहते थे। करीब डेढ़ साल पहले सुरेश शर्मा नगर के पास निजी आवास में रहने लगे थे।

> प्रो. श्याम बिहारी का जाना व्यक्तिगत और विश्वविद्यालय के बड़ी क्षति है। वह अपने विभाग, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय थे। उनके आकस्मिक निधन पर वह और विश्वविद्यालय परिवार अपनी शोक संवेदना व्यक्त करता हैं। दुख की इस घड़ी में ईश्वर परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दे ऐसी प्रार्थना करते हैं।
>
> **-डॉ. अमित सिंह**, मीडिया प्रभारी

> प्रो. श्याम बिहारी से मेरा शिक्षा के समय से जुड़ाव रहा है। वह उनके साथ पढ़े हैं, हालांकि विभाग अलग-अलग था। वह बहुत ही हंसमुख मिजाज थे। उन्हें कभी घमंड नहीं रहा, जबकि वह एक क्षेत्र के विधायक थे। उनका जाना व्यक्तिगत और विश्वविद्यालय के लिए बड़ी क्षति है।
>
> **-प्रो. आलोक** श्रीवास्तव

> विभाग में साथ होने की वजह से प्रो. श्याम बिहारी से मेरा 25 साल से रिश्ता रहा है। वह पूर्व संकायाध्यक्ष भी रह चुके थे। वह काफी मिलनसार थे। उनके साथ कई यादें जुड़ी हुई हैं। उनका स्वभाव काफी अच्छा था। उनका जाना काफी दुखदायी है। विभाग के साथ विश्वविद्यालय परिवार के लिए बड़ी क्षति है।
>
> **-प्रो. विजय बहादुर**, संकायाध्यक्ष

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर-खीरी

अल्प-कालीन निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में अल्प-कालीन निविदा दिनांक 08.01.2026 तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	मिल गेट से ए.डी. ब्लॉक तक इंटर लॉकिंग टाइल द्वारा सड़क का निर्माण कार्य।	रू0 20000/-	रू0 590/-
2	गोदाम संख्या 2, 3, 4 के क्षतिग्रस्त प्लास्टर एवं मारम्मत का कार्य।	रू0 18000/-	रू0 590/-

उक्त कार्यों की नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र पर अंकित हैं निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में मिल में धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य जमा करने के उपरान्त मिल कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय नगर पालिका परिषद-बदायूं

पत्रांक: 1104/27-60/2025-26 दिनांक: 01.01.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि 15वां वित्त आयोग मद वर्ष 2023-24 में बुनियादी अनुदान की प्रथम व द्वितीय किश्त/अवस्थापना विकास निधि/निर्दिष्ट अनुदान की प्रथम व द्वितीय/राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि मद में प्राप्त स्वीकृति के कुल 25 कार्य की निविदायें ई-टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 03.01.2026 को समय 10 बजे से दिनांक 23.01.2026 को समय 05 बजे तक उपलब्ध रहेगी। जोकि कार्यालय समय में दिनांक 24.01.2026 का प्रात: 11 बजे सक्षम समिति के द्वारा खोली जायेगी। E-Tender Technical and Financial bid से सम्बन्धित समस्त शर्तो व विवरण की जानकारी ई-टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की देखी जा सकती है।

विनय कुमार मणि त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बदायूं

फात्मा रज़ा, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, बदायूं

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांक: 115/न.पं.मु.मि./2025-26 दिनांक: 02.01.2026

(पुनः ई-निविदा सूचना)

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत शासनादेश सं.- 1940/9-8-2025-1681633 नगर विकास अनुभाग-8 लखनऊ दिनांक- 28 अगस्त 2025 के रूप में नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत को वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्राप्त धनराशि से अवस्थापना सुविधाओं तथा पेयजल, सैपटेज मैनेजमेन्ट, सड़क साइड़ पटरी, जल निकासी, फुटपाथ, सार्वजनिक शौचालयों, तालाब संरक्षण एवं सौन्दर्यकरण, चौराहों का निर्माण, खेल मैदान का निर्माण/सुधार सामुदायिक केन्द्र, गौशाला का निर्माण आदि सार्वजनिक सुविधाओं का सृजन कर नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं को प्रदान करने तथा नगर को समेकित एवं नियोजिक विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना हेतु निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके लिये ई-निविदा प्रपत्र/कार्य का विवरण/शर्ते उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

हरिपाल (अधिशासी अधिकारी), नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

निशांत प्रताप सिंह (अध्यक्ष), नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र से ठेका हथियाने की कोशिश नाकाम

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम ने फर्जीवाड़े की साजिश को बेनकाब कर पीडब्ल्यूडी में ठेका हथियाने की कोशिश नाकाम कर दी है। विभागीय जांच में खुलासा हुआ बरेली की डीए एसोसिएट्स फर्म ने लोक निर्माण विभाग बदायूं के निर्माण खंड की निविदा में अपने अनुभव के तौर पर नगर निगम का तीन मार्च 2023 को जारी फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड किया था। सत्यापन में पाया गया जिस कार्य का अनुभव इसमें दिखाया गया है, वह न तो निगम से मंजूर था और न ही एजेंसी ने कभी इस पर काम किया। यही नहीं, एजेंसी ने अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर इस दस्तावेज को तैयार किया। नगर निगम में इसे गंभीर आपराधिक कृत्य माना और कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए ठेकेदार से पांच दिन में जवाब मांगा है। एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने बताया कि बदायूं के पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड के एक्सईएन ने पिछले दिनों निविदा आमंत्रित की थी।

दलित नाबालिग का अपहरण कर निर्वस्त्र कर पीटा, वीडियो वायरल, एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- किशोर की मां ने पांच आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट
- कैंट थाना पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की

अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र में दबंगों ने नाबालिग दलित को उसके घर के पास से अपहरण कर लिया। इसके बाद चनेहटा रोड के किनारे तालाब के पास ले जाकर निर्वस्त्र कर बुरी तरह से पिटाई की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने तमंचे और चाकू के बल नाबालिग को निर्वस्त्र कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। नाबालिग की मां ने पांच दबंगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

थाना क्षेत्र के सदर बाजार स्थित वाल्मीकि मोहल्ले के रहने वाली महिला ने बताया उसके पति मजदूरी करते हैं। जबकि, वह एक प्राइवेट स्कूल में काम करती है। नाबालिग की मां ने पुलिस को बताया कि 31 दिसंबर की रात उसका 16 वर्षीय बेटा घर के पास टहल रहा था। आरोप है कि आहिर मोहल्ला का रहने वाला मुकुल यादव, सुभाष यादव उर्फ एडी, सुल्तान, आयुष और बासु उसके घर के पास पहुंचे। जहां बेटे को जबरन बाइक पर बिठा कर अपने साथ चनेहटा रोड स्थित बने तालाब के पास ले गए। तमंचे और चाकू के दम पर नाबालिग युवक को बुरी तरह से पीटा गया। आरोपियों ने मारपीट कर उसको निर्वस्त्र कर दोबारा से उसकी पिटाई लगाई और घटनाक्रम का पूरा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

इस दौरान नाबालिग किसी तरह अपना नेकर आरोपियों से छीनकर मौके से भागकर अपनी जान बचाया। घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। चर्चा है कि नाबालिग की मुकुल यादव से कुछ दिन पहले ही इंस्टाग्राम पर किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हुई थी। इस पर मुकुल यादव ने उसे 15 जनवरी तक जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद से ही दबंग नाबालिग की तलाश कर रहे थे।

चैंबर में घुसकर अधिवक्ता पर की थी फायरिंग

नाबालिग दलित युवक को निर्वस्त्र कर पीटने और उसकी वीडियो बनाने के मामले का आरोपी सुल्तान बीते साल जनवरी माह में कचहरी में पहुंचकर अधिवक्ता राजाराम सोलंकी पर फायर कर दिया था। पहला फायर मिस होने पर दूसरा फायर किया गया था। जो दीवार में जाकर लगा था। आरोपी तीसरा फायर करना चाह रहा था। इस दौरान अधिवक्ताओं ने उसे दबोच लिया था। इसके बाद वकीलों ने पीटकर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया था।

फिल्मी स्टाइल में मुठभेड़ घायल गो-तस्कर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इज्जतनगर पुलिस ने थाना क्षेत्र स्थित सहारा ग्राउंड में फिल्मी स्टाइल में गो-तस्कर को मुठभेड़ में घायल होने के बाद मौके से गिरफ्तार कर लिया। उधर अंधेरे का फायदा उठा कर उसका साथी भागने में सफल रहा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहल्ला कस्सावान, कस्बा फरीदपुर निवासी फैजान के रूप में हुई। पुलिस फरार आरोपी पीरबहोड़ा निवासी आसिफ की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार करने का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी दौड़ते हुए बदमाश को पकड़ रहे हैं।

इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह 7:40 बजे पुलिस की एक टीम शांति व्यवस्था के मद्देनजर संदिग्ध वाहनों का चेकिंग कर रही थी। ग्राम मुड़िया अहमदनगर से सैदपुर चुन्नीलाल की तरफ जाने वाले रास्ते पर टीम पहुंची थी कि सैदपुर बाग पुलिस बूथ की तरफ से एक स्कूटी पर सवार दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। दोनों पुलिस टीम को देखकर सहारा ग्राउंड की तरफ मुड़कर भागने का प्रयास करने लगे। शक होने पर पुलिस ने पीछा किया तो हड़बड़ाहट में स्कूटी सहित गिर गए। इस बीच खुद को घिरता देख तमंचा निकाल कर पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दी, जिससे मुख्य आरक्षी धनीश घायल हो गए। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई जो फैजान के पैर में जा घुसी, जबकि, उसका साथी आसिफ मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस ने आरोपियों पर हत्या के प्रयास की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने एक तमंचा, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस बरामद किया।

> पुलिस पर फायरिंग करने वाले बदमाश को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।
>
> **-मोहम्मद अकमल खान**, एसपी ट्रैफिक

सेवानिवृत्त सैनिक से 9.8 लाख की ठगी

बरेली, अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र निवासी सेवानिवृत्त फौजी को महिला साइबर ठग ने सैन्य अधिकारी बताकर 9.8 लाख रुपये ठग लिए। साइबर ठग ने फोन कर इलाज के बहाने ठगी की और अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरीदपुर की ताज कालोनी, बुखारा रोड निवासी राम प्रताप के मुताबिक वह सेवानिवृत्त सैनिक हैं। आरोप है कि कुछ दिनों पहले उनके मोबाइल फोन पर एक महिला ने फोन किया। फोन उठते ही उसने खुद को अधिक मुसीबत में और बीमार होने का ड्रामा किया। इतना ही नहीं प्रभाव में लेने के लिए उसने खुद को सेना में तैनात अधिकारी बताया। उसके झांसे में आकर उन्होंने उसके बताए गए बैंक खातों में अलग-अलग कर 9.8 लाख रुपये भेज दिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बरेली कॉलेज में परीक्षा के बीच बजे पटाखे और हूटर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिम्मेदारी पद की मर्यादा सिखाती है, लेकिन बरेली कॉलेज में शुक्रवार को इसका ठीक उलटा नजारा देखने को मिला। अधिवेशन के बाद एबीवीपी के प्रांत मंत्री बनकर पहली बार बरेली कॉलेज लौटे आनंद कठेरिया के स्वागत में समर्थकों ने कॉलेज में परीक्षा के दौरान पटाखे बजाकर और हूटर की तेज आवाज से अनुशासन की धज्जियां उड़ा दीं। वही, प्रॉक्ट्रोरियल बोर्ड इस सबको तमाशबीन बन कर देखता रहा।

बरेली कॉलेज में शुक्रवार को विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं नियमित चल रही थी। इसी दौरान एबीवीपी के कार्यकर्ता और आनंद कठेरिया अपने समर्थकों के साथ बड़ी संख्या में कॉलेज परिसर में पहुंचे। कॉलेज पहुंच कर स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके बाद एबीवीपी कार्यकर्ता ने गाड़ियों को कॉलेज परिसर में काफीले के रूप में निकालते हुए गाड़ियों के हूटर बजाए। वहीं, प्रॉक्ट्रोरियल बोर्ड के सदस्यों के सामने ही पटाखे चलाए। कॉलेज परिसर हूटर और पटाखों की आवाज से गूंज उठा। परीक्षा कक्षों तक शोर पहुंचने से छात्रों का ध्यान भंग हुआ और कई छात्र असहज होते दिखे। कॉलेज प्रशासन की ओर से परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के शोर-शराबे पर रोक के स्पष्ट निर्देश हैं। इसके बावजूद एबीवीपी के प्रांत मंत्री का स्वागत जुलूस बेधड़क परीक्षा कक्षों के पास से गुजरा।

परीक्षा देकर निकल रहे कुछ छात्रों ने खुलकर नाराजगी जताते हुए कहा कि एक ओर हमसे अनुशासन और समयबद्धता की अपेक्षा की जाती है, दूसरी ओर राजनीतिक स्वागत में नियमों को ताक पर रख दिया जाता है। वहीं, प्रोक्ट्रोरियल बोर्ड के सदस्य वाहनों के हूटर बजाने और पटाखों को फोड़ने से रोकने की बजाय तमाशबीन बने देखते रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 12394/453सी0(ई0टेण्डर)-3/2025-26 दिनांक: 23.12.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1-महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से मदवार दरों पर ई-निविदा दिनांक 07.01.2026 से दिनांक 22.01.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 22.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0लाख)	कुल लागत (रू0लाख)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	वित्तीय वर्ष 2025-26 मे आंवला रेलवे पोषक मार्ग (अ0जि0मा0) में चौडीकरण एव सुदृढीकरण का कार्य। (05 वर्ष के अनुरक्षण सहित)	निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0,बरेली	794.30	19.86	814.16	16.29	09 माह	2725.00	ए (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 243389 दिनांक: 01/01/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजीव अग्रवाल) अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

फुटबॉल : अरमान क्लब ने 5-2 से जीता फाइनल मुकाबला

संवाददाता, सम्पूर्णानगर

अमृत विचार: नव वर्ष के अवसर पर नशा मुक्ति अभियान के तहत क्षेत्र के जूनियर खिलाड़ियों द्वारा कस्बे के आदर्श केन ग्रोवर स्कूल मैदान में एक दिवसीय डे-नाइट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरुआत दिन में हुई, जो शाम होते-होते लाइट की व्यवस्था के साथ डे-नाइट मुकाबलों में तब्दील हो गई। फाइनल मुकाबला लियो स्पोर्ट्स क्लब और अरमान क्लब के बीच खेला गया, जिसमें अरमान क्लब ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-2 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

पहला मैच टीचर्स कॉलोनी और लियो स्पोर्ट्स क्लब के बीच खेला गया। पहले हाफ में लियो स्पोर्ट्स क्लब 2-1 से आगे रही, लेकिन दूसरे हाफ में टीचर्स कॉलोनी के खिलाड़ी सिद्धार्थ ने दो और विशाल ने एक गोल दागकर मैच 3-2 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान युवा जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह और मनीष शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया। गुरुवार देर शाम सेमीफाइनल मुकाबला टीचर्स कॉलोनी और लियो स्पोर्ट्स क्लब के बीच खेला गया, जिसमें लियो स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ी रियान ने एकमात्र गोल कर अपनी टीम को 1-0 से जीत दिलाई और फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला लियो स्पोर्ट्स क्लब और अरमान क्लब के बीच खेला गया, जिसमें अरमान क्लब ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-2 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

जीत के बाद ट्रॉफी दिखाते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- लियो स्पोर्ट्स क्लब और अरमान क्लब के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला

मुख्य अतिथि के युवा जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह और पूर्व खिलाड़ी संजय शर्मा मौजूद रहे। अतिथियों ने जूनियर खिलाड़ियों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में बच्चों को मोबाइल और नशे की लत से दूर रखने के लिए खेल, व्यायाम और शिक्षा की ओर प्रेरित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने युवाओं से नशा और ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने की अपील की।

विजेता और उपविजेता टीमों को अतिथियों ने मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया। इस दौरान संजय शर्मा, मनीष शर्मा, अतुल शर्मा, छोटे लाल, नरेश, दुर्गेश सहित आफताब, अरमान और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बसही टीम ने कमेटी को हराकर फाइनल में बनाई जगह

संपूर्णानगर, अमृत विचार : डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में बसही कॉलोनी क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट कमेटी की टीम को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच के मुख्य निर्णायक देवेंद्र सिंह रहे। टॉस जीतकर बसही टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इसके बाद निर्धारित 12 ओवरों में बसही टीम ने 118 रन का लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कमेटी की टीम बसही गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम मात्र 72 रन ही बना पाई। इस तरह बसही टीम ने सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। खिलाड़ियों के शानदार खेल से मैदान पर मौजूद दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। सेमीफाइनल मैच के मुख्य अतिथि खजुरिया व्यापार मंडल के अध्यक्ष ऋषिकेश सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान केके सिंह, संजय गुप्ता, विश्वनाथ पाल, रियाज अली, प्रदीप कुमार राजन, मोंटी सिंह, अंकित, पूर्व कप्तान अतुल शर्मा, आर्मी मैन तिलक राज, अजय गुप्ता, आलोक सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

विधायक के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बरेली की फरीदपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रो. श्याम बिहारी लाल दो बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित होकर जनसेवा में सक्रिय रहे। उनकी सरलता, सौम्य व्यवहार और कर्मठता के कारण वे जनमानस में विशेष सम्मान रखते थे। उनका निधन प्रदेश की राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

एमकेएसवाई के लिए धनराशि स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसवाई) के अंतर्गत केंद्र सरकार से जारी केंद्रांश धनराशि के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि कुल मिलाकर 9 करोड़ 99 लाख 60 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओर से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित दिशा-निर्देशों व गाइडलाइन के अनुरूप समय से किया जाय, इसमें किसी प्रकार की शिथिलिता क्षम्य नहीं होगी।

मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से 14 फरवरी तक होंगी। बोर्ड ने अरबी फारसी मुंशी-मौलवी (सेकेण्डरी) और आलिम (सीनियर सेकेण्डरी) की बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में होगी और छह दिनों में परीक्षा पूरी हो जाएगी। 9 फरवरी को पहली पाली में सुबह 8 से 9 बजे की पाली में थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए। वहीं दूसरी पाली दोपहर दो पांच बजे में भी थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए परीक्षा होगी। 10 फरवरी को फारसी साहित्य (मुंशी/आलिम फारसी) और अरबी साहित्य (मौलवी/आलिम अरबी), 11 फरवरी को उर्दू साहित्य विषय की परीक्षा सभी के लिए, 12 फरवरी को सामान्य अंग्रेजी विषय की परीक्षा सभी स्तरों के लिए, 13 फरवरी को सामान्य हिंदी (मुंशी/मौलवी/आलिम अरबी) और सामान्य अंग्रेजी (आलिम फारसी) एवं 14 फरवरी गणित/होम साइंस, लॉजिक एंड फिलॉसफी, सोशल स्टडीज, साइंस, टिब/टाइपिंग/जनरल साइंस आदि विषय की परीक्षा होगी।

बीते वर्ष 4 लाख कम हुए चालान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार का ट्रैफिक अवेयरनेस मंत्र हिट

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा चलाए गए निरंतर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक जागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर सामने आया है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में ट्रैफिक नियम उल्लंघन के मामलों में लगभग चार लाख की कमी दर्ज की गई है, जो आमजन में बढ़ती ट्रैफिक जागरूकता को दर्शाता है।

परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां कुल 17,58,930 चालान दर्ज किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 13,78,919 रह गई। इस दौरान विभिन्न प्रवर्तन कार्रवाइयों से लगभग 454.49 करोड़ रुपये की वसूली की गई। विभाग का मानना है कि सीसीटीवी कैमरों, ई-चालान प्रणाली और डिजिटल निगरानी ने नियम पालन को प्रभावी बनाया है।

वर्ष 2025 में सबसे अधिक 6,32,901 चालान हेल्मेट न पहनने के मामलों में किए गए। इसके अलावा 1,33,189 चालान सीट बेल्ट उल्लंघन, 3,30,171 ओवरस्पीडिंग, 3,611 ड्रिंक एंड ड्राइव और 56,079 रॉन्ग साइड ड्राइविंग के मामलों में दर्ज हुए। वहीं 14,535 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। व्यावसायिक वाहनों में ओवरलोडिंग के 54,923 मामले सामने आए, जबकि स्पीड लिमिट डिवाइस न लगाने के 20,431 प्रकरण दर्ज किए गए।

वर्ष 2026 में परिवहन विभाग डिजिटल निगरानी और जन-जागरूकता अभियानों को और तेज करेगा। इसकी शुरुआत 1 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के साथ हो चुकी है।

सरकार और प्रशासनिक अमले की बदलेगी तस्वीर

पंचायत चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी, मिशन-27 के लिए तय होंगी प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशासनिक ढांचे में इस वर्ष हो सकता है बड़ा परिवर्तन
- कई वरिष्ठ अधिकारी होंगे सेवानिवृत्त बनेगी फेरबदल की स्थिति

अमृत विचारः इस वर्ष उप्र. सरकार और प्रशासनिक अमले की तस्वीर बदल जाएगी। प्रदेश में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में भी फेरबदल की तैयारी है। जहां नये मंत्रियों के साथ मिशन-27 को लेकर प्राथमिकताएं तय होंगी वहीं, प्रशासनिक ढांचे में भी इस वर्ष बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। दरअसल, पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे। ऐसे में शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी।

फिलहाल माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी है। इसके साथ ही भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होगा। ऐसे में संगठन और सरकार के बीच अदला-बदली का फार्मूला अपनाया जाना स्वाभाविक परंपरा है। समझा जाता है कि दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही फेरबदल संभव है। इसके बाद संगठन के पुनर्गठन और भावी चुनाव को लेकर रणनीतियों पर काम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन में कुछ चेहरों को सरकार में लाया जा सकता है, वहीं सरकार के कुछ मंत्रियों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस क्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का सरकार में शामिल होना प्रमुख है।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में वर्ष 2026 एक बड़े परिवर्तन का साल साबित होगा। पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे, जिसके चलते शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी। यह फेरबदल मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह, वित्त, राजस्व, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, शिक्षा समेत लगभग हर प्रमुख विभाग को प्रभावित करेगा।

राजस्व मामलों का मेरिट पर करें निस्तारण : मुख्यमंत्री

बैठक में रोवर आधारित पैमाइश, ऑटो मोड नामांतरण व शीतलहर राहत पर सख्त निर्देश

लखनऊ : अपने सरकारी आवास पर बैठक में राजस्व और पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शुक्रवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों का निस्तारण केवल मेरिट के आधार पर, पारदर्शी तरीके से और निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने कहा कि पैमाइश, नामांतरण, वरासत और आबादी दर्ज करने जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और लंबित प्रकरणों में जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए रोवर की खरीद, तकनीकी प्रशिक्षण और स्पष्ट कार्य-फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। प्रशिक्षण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई का सहयोग लिया जा सकता है, ताकि प्रणाली जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नामांतरण और वरासत के मामलों के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे ये प्रक्रियाएं ऑटो मोड पर निस्तारित हों। इससे नागरिकों को समयबद्ध और सुगम न्याय मिलेगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, नक्शा आधारित और रोवर पैमाइश को अनिवार्य करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। प्रदेश में शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन, सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य मिशन मोड में और युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएं।

डिजिटलीकरण और सरल प्रक्रियाएं

मुख्यमंत्री ने भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाने और इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो और आमजन को सीधा लाभ मिले। उन्होंने धारा-80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने, तथा राजस्व परिषद स्तर पर कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके।

तकनीक से पारदर्शिता व समयबद्ध समाधान

चकबंदी प्रक्रिया में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में समाधान अनिवार्य करने को कहा। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए।

कार्यालयों के निर्माण की समीक्षा

बैठक में ग्राम पंचायतों में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों/स्मारकों की सुरक्षा के लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाउंड्री वॉल निर्माण को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, लेखपालों को पंचायत भवनों में कार्यालय बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जिले स्तर पर एकीकृत बहुमंजिला कार्यालय के निर्माण का भी निर्देश दिया, जिसमें जिलाधिकारी सहित सभी जनपदीय कार्यालय एक ही परिसर में समाहित हों कि ताकि प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़े और जनता को सुविधा मिले।

मुख्यालय स्तर से होगी आलू स्टोरेज और मार्केटिंग की निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ : आलू उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों और मंडलों में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित मंडलों का भौतिक निरीक्षण करें और फसल की पूर्व आवक से पहले विपणन एवं भंडारण की समस्त कमियों को दूर करें। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को आलू की आगामी उपज के सुचारू प्रबंधन, भंडारण और विपणन व्यवस्थाओं को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रदेश में आलू उत्पादन बढ़ने के अनुमान के बावजूद भंडारण क्षमता पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और बड़ी संख्या में कोल्ड स्टोरेज के स्थान रिक्त हैं।

2.89 करोड़ हटे मतदाताओं की तलाश करेगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 221 सदस्यीय समिति गठित करेगी भौतिक सत्यापन

अमृत विचारः कांग्रेस ने प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 2.89 करोड़ मतदाताओं का पता लगाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में गठित 221 सदस्यीय समिति एक महीने तक जिलों में जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेगी। पार्टी का दावा है कि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने हालिया दौरे के दौरान एसआईआर प्रक्रिया के तहत हटे मतों का जमीनी सत्यापन कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद जिलावार प्रतिनिधित्व के साथ समिति बनाई गई है। झांसी से सर्वाधिक आठ सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि 17 जिलों में चार-चार, 33 जिलों में तीन-तीन और 24 जिलों में दो-दो सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अजय राय ने कहा कि संविधान ने आम नागरिक को वोट के अधिकार के रूप में सबसे मजबूत हथियार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनावी प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस का संकल्प है कि यूपी के हर गरीब, एससी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाता का नाम दोबारा सूची में जुड़वाया जाएगा। समिति पूरे महीने अभियान चलाकर सत्यापन करेगी।

10 निवेश प्रस्तावों को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर बनेगा मजबूत आधार
- एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर यूपी का बड़ा कदम

अमृत विचार : विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह सेक्टर मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश, रोजगार और किसान हितों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अप्रेजल समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 12 निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। स्वीकृत प्रस्ताव सहारनपुर, सीतापुर, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, लखनऊ, पीलीभीत, अलीगढ़, बरेली और मेरठ से संबंधित हैं। बैठक में पूर्व में स्थापित सफल इकाइयों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। निवेशकों से स्थानीय किसानों से कच्चा माल खरीदने, स्वदेशी मशीनों के उपयोग, महिला सहभागिता बढ़ाने और इकाइयों के सोलराइजेशन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई। सरकार ने इस क्षेत्र में देय सब्सिडी की जानकारी भी साझा की।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि प्रदेश में किसानों की उपज का प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन सुनिश्चित करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ा जा रहा है।

आपदा प्रबंधन में आईआईटी करेगा मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एआई युक्त इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर होगा स्थापित
- नुकसान को कम करने को वैज्ञानिक मॉडल और प्रशिक्षित मानव संसाधन पर जोर

अमृत विचारः प्रदेश में आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की की विशेषज्ञता का लाभ लेगा। उद्देश्य है कि आईआईटी विशेषज्ञों द्वारा विकसित आधुनिक मॉडल लागू कर आपदाओं के दौरान जानमाल के नुकसान को न्यूनतम करना।

शुक्रवार को पिकप भवन स्थित यूपीएसडीएमए कार्यालय में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव मनीष भारद्वाज ने राज्य की आपदा तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने बाढ़, अग्निकांड, हीटवेव, शीतलहर, वज्रपात और भूकंप जैसे जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता लेने के निर्देश दिए। साथ ही एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों और आमजन को आपदा प्रतिक्रिया में प्रशिक्षित करने पर बल दिया। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के निकट गांवों में नाविकों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए गए।

यूपीएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर याशोद ने बताया कि राज्य स्तर पर एआई-युक्त अत्याधुनिक राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जिससे रियल-टाइम मॉनिटरिंग और त्वरित निर्णय संभव होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि युवा आपदा मित्र परियोजना के तहत गृह मंत्रालय और एनडीएमए के सहयोग से प्रदेश के 25 जिलों में 29,772 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यूपीएसडीएमए के उपाध्यक्ष जनरल योगेन्द्र डिमरी ने कहा कि प्राधिकरण के सभी कार्य भारत सरकार और एनडीएमए की गाइडलाइंस के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं।

लखनऊ : छात्र एजेंल चकमा की हत्या के विरोध में कैंडिल जलाकर विरोध-प्रदर्शन करते सपा छात्र सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

जीपीएस वाहनों से खाद्यान्न उठान में बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग व्यवस्था एक प्रभावी और निर्णायक पहल के रूप में सामने आई है। राज्य में 5 हजार से अधिक जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए अब गोदाम से लेकर उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न की आवाजाही पूरी तरह डिजिटल निगरानी में हो रही है। इस व्यवस्था ने वर्षों से चली आ रही खाद्यान्न चोरी, लीकेज और कालाबाजारी की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

प्रदेश में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के डिपो से खाद्यान्न उठान करने वाले सभी प्रमुख वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की जा चुकी है। इससे यह रियल टाइम में देखा जा सकता है कि वाहन कब, कहां से चला, रास्ते में कहां रुका और निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंचा या नहीं। कंट्रोल सिस्टम में हर गतिविधि दर्ज होने से परिवहन के दौरान होने वाली हेराफेरी की संभावनाएं लगभग खत्म हो गई हैं।

केवल खाद्यान्न वितरण ही नहीं, बल्कि खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के दौरान धान खरीद में भी जीपीएस ट्रैकिंग को अनिवार्य किया गया है।

जीरो पावर्टी अभियान | संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर जोर, दो चरणों में लाभ पहुंचाने की रणनीति

योजनाओं से परिवारों को गरीबी से मुक्त कर रही सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

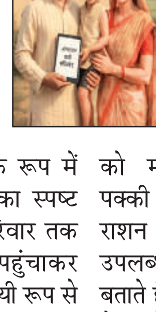

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू किया गया 'जीरो पावर्टी' मिशन प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और जमीनी सत्यापन के समन्वय से एक सशक्त और परिणामोन्मुख मॉडल के रूप में उभर रहा है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर गरीबी के दुष्चक्र को स्थायी रूप से तोड़ना। दो चरणों में लागू की गई रणनीति से यह साफ है कि योगी सरकार संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर फोकस कर रही है।

लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू इसकी जीवंत मिसाल हैं। इन परिवारों को मकान, स्वच्छ पेयजल, पक्की सड़क, बिजली कनेक्शन, राशन और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ये लाभार्थी बताते हैं कि सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान दोनों लौटाया है। यही 'जीरो पावर्टी' मिशन की मूल भावना है-सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि समग्र जीवन सुधार।

इस अभियान के तहत प्रदेशभर में वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। सर्वे के आधार पर महिलाओं को आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने की योजना है। वहीं लगभग 11 हजार बच्चों को पुनः नामांकन के जरिए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से मिले फीडबैक को नीतिगत सुधार का आधार बनाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र परिवार वंचित न रहे।

पहला चरण: डीबीटी से योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज

पहले चरण में आठ प्रमुख योजनाओं में पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया। जिला स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार, राशन योजना में 97 प्रतिशत पात्र परिवारों तक लाभ पहुंच चुका है। निराश्रित महिला पेंशन योजना में 87 प्रतिशत और दिव्यांग पेंशन में 62 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया है।

दूसरा चरण: घर-घर सत्यापन से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच

15 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए दूसरे चरण में 16 योजनाओं के अंतर्गत वंचित परिवारों का स्थलीय सत्यापन किया जा रहा है, जिसे 15 जनवरी तक पूरा किया जाना है। पीएम उज्ज्वला योजना, शौचालय सहायता, जल जीवन मिशन और विद्युत कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए पात्र लाभार्थियों की पहचान पर विशेष जोर है।

दूरसंचार का पावरहाउस बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मोबाइल कनेक्टिविटी में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

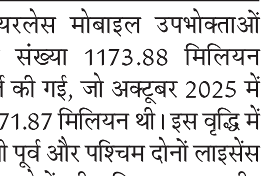

अमृत विचारः दूरसंचार क्षेत्र में तेज़ी से देश के अग्रणी राज्यों में यूपी अपनी पहचान बना रहा है। मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सेवाओं का विस्तार अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों तक भी मजबूती से पहुंच रहा है। इसके पीछे योगी सरकार की नीतिगत स्पष्टता, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर और निजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देशभर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन दर्ज की गई, जो अक्टूबर 2025 में 1171.87 मिलियन थी। इस वृद्धि में यूपी पूर्व और पश्चिम दोनों लाइसेंस सेवा क्षेत्रों की भूमिका अहम रही। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के सबसे सक्रिय दूरसंचार बाजारों में शामिल हो गया है। नवंबर 2025 में यूपी पूर्व में 1.97 मिलियन और यूपी पश्चिम में 1.35 मिलियन मोबाइल पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए, जो सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं।

5-जी आधारित फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं में भी प्रदेश की स्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 10.41 मिलियन 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ता दर्ज किए गए, जिनमें यूपी पूर्व के 0.79 मिलियन और यूपी पश्चिम के 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं।

वायरलाइन सेवाओं में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही।

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।
–शहीदे आजम भगत सिंह

दर्दनाक दुर्घटना के सबक

स्विट्ज़रलैंड जैसे अत्यंत विकसित, अनुशासित और सुरक्षित माने जाने वाले देश में नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्रान्स मोंटाना के एक स्की रिसॉर्ट बार में विस्फोट और आग से लगभग 47 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उत्सव, सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता के बीच संतुलन पर गंभीर प्रश्न है। प्रथम दृष्टया यह हादसा 'उत्सव के अति उत्साह' और लापरवाही का परिणाम प्रतीत होता है। नववर्ष समारोहों में मोमबत्तियां, शैंपेन की बोतलों पर सजावट, फुलझड़ियां और कथित तौर पर 'पायरोटेक्निक डिवाइस' का उपयोग किया जा रहा था। यदि मोमबत्तियां लकड़ी की छत के पास रखी गईं या बेसमेंट में रखी आतिशबाजी से चिंगारी फैली, तो यह सीधी मानवीय चूक है। गैस लीक की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। विकसित देशों में भी जब नियमों को 'एक रात की छूट' दे दी जाती है, तो हादसे की ज़मीन तैयार हो जाती है।

यह तथ्य और भी चौंकाने वाला है कि मात्र 15 हजार आबादी वाले इस नगर के एक बार में करीब 150 लोग मौजूद थे और उनमें से एक-तिहाई की जान चली गई। इसे स्विट्ज़रलैंड के हालिया इतिहास की सबसे भीषण अग्नि दुर्घटनाओं में गिना जा रहा है। 150 से अधिक हेलीकॉप्टर, सैकड़ों बचावकर्मियों और बड़े पैमाने पर आपात संसाधनों की तैनाती इस बात की पुष्टि करती है कि हादसा कितना व्यापक और भयावह था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बाहर निकलने के रास्ते और सीढ़ियां अत्यंत संकरी थीं। 30 सेकंड के भीतर लगभग 200 लोग बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भगदड़ मच गई और लोग दबने व दम घुटने से मारे गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या रिसॉर्ट की डिजाइन और फायर-सेफ्टी ऑडिट में गंभीर खामियां थीं? क्या आपदा प्रबंधन, प्रशिक्षित स्टॉफ, स्पष्ट एग्ज़िट साइन और त्वरित मार्गदर्शन की व्यवस्था नहीं थी? यदि स्विट्ज़रलैंड जैसे देश में भी ऐसी चूक संभव है, तो यह चेतावनी है कि 'विकास' सुरक्षा की गारंटी नहीं होता। भारत के संदर्भ में यह घटना और भी प्रासंगिक है। गोवा जैसे पर्यटन स्थलों पर हुए अग्निकांडों में भी संकरे रास्ते, अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के कारण लोगों की जान गई। फर्क केवल इतना है कि वहां हम अक्सर इसे 'व्यवस्था की विफलता' कहकर आगे बढ़ जाते हैं। क्रान्स मोंटाना की त्रासदी सिखाती है कि नियम चाहे यूरोप में हों या भारत में, उनका कठोर पालन ही जीवन बचाता है।

आने वाले समय में इस घटना का असर क्रान्स मोंटाना में प्रस्तावित एफआईएस वर्ल्ड कप जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों पर भी पड़ेगा। इससे उसे साख का नुकसान हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की पुनर्समीक्षा अनिवार्य होगी। इससे पहले 2000 और 2020 में स्विट्ज़रलैंड के अन्य शहरों में लगी आग से यदि पर्याप्त सबक लिया गया होता, तो शायद यह दिन न देखना पड़ता। निष्कर्षतः, भारत समेत सभी देशों को यह सीख लेनी चाहिए कि उत्सव, पर्यटन और व्यवसाय तभी सार्थक हैं जब सुरक्षा सर्वोपरि हो। आपदा प्रबंधन कोई औपचारिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जीवित व्यवस्था होनी चाहिए— हर इमारत, हर आयोजन के लिए।

प्रसंगवश

साल की पहली पूर्णिमा पर दिखेगा वुल्फ सुपरमून

तीन जनवरी 2026 की रात आकाश एक असामान्य खगोलीय स्थिति का साक्षी बनेगा। इसी रात वर्ष का पहला पूर्ण चंद्रमा वुल्फ़ सुपरमून के रूप में दिखाई देगा, जब चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत निकट होकर सामान्य से अधिक बड़ा और अधिक चमकीला नजर आएगा। यह स्थिति केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा की दुर्लभ ज्यामिति का परिणाम है। ठंडी रात में फैली इसकी तेज रोशनी पूरे आकाशीय परिदृश्य को बदल देगी और सामान्य पूर्णिमा से अलग, अधिक प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएगी। यह दृश्य खगोलीय गणनाओं की सटीकता और प्रकृति की नियमित शक्ति दोनों को एक साथ उजागर करेगा।

यह सुपरमून इसलिए विशेष माना जा रहा है, क्योंकि इसी समय चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु पर होगा जहां वह पृथ्वी के सबसे अधिक समीप होता है, जिसे खगोल विज्ञान में 'पेरिगी' कहा जाता है।

प्रो . आरके जैन
शिक्षाविद्

इस निकटता का सीधा प्रभाव उसके आकार और प्रकाश पर पड़ता है। सामान्य पूर्णिमा की तुलना में चंद्रमा अधिक बड़ा और कहीं अधिक चमकीला दिखाई देगा। भारत में इसका पूर्ण चरण भले ही दोपहर में बने, पर इसका वास्तविक प्रभाव सूर्यास्त के बाद दिखाई देगा, जब पूर्वी क्षितिज से उभरता चंद्रमा असामान्य रूप से विशाल और प्रभावशाली लगेगा। वायुमंडल की परतें उसकी रोशनी को पीले-सुनहरे और तांबे जैसे रंगों में ढाल देंगी, जिससे पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होगा, जैसे आकाश ने नववर्ष के स्वागत में प्रकाश प्रज्वलित कर दिया हो।

'वुल्फ़ मून' नाम केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि मानव इतिहास से जुड़ी एक गहरी स्मृति है। उत्तरी गोलार्ध की प्राचीन संस्कृतियों ने जनवरी की पूर्णिमा को यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसी समय सर्द रातों में भेड़ियों की आवाज़ें अधिक सुनाई देती थीं। यह हूक भय या अभाव की नहीं, बल्कि आपसी संकेत, समूहबोध और जीवन-चक्र की निरंतरता का स्वर थी। भेड़िये सिर उठाकर आकाश की ओर हौल करते हैं, ताकि उनकी आवाज़ दूर तक फैल सके, मानो वे चंद्रमा को साक्षी मानकर अपने अस्तित्व और क्षेत्र की घोषणा कर रहे हों। वुल्फ़ मून केवल एक खगोलीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि प्रकृति की सामूहिक स्मृति और जीव-जगत के संवाद का प्रतीक बन जाता है।

इस वर्ष वुल्फ़ सुपरमून को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है, एक दुर्लभ खगोलीय संयोग। ठीक तीन जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट बिंदु, पेरिहेलियन पर भी होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत अधिक ऊर्जा के साथ चंद्रमा पर पड़ेंगी, जिससे उसकी चमक में हल्की अतिरिक्त गहराई और तीव्रता दिखाई देगी। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंतर सूक्ष्म होता है, पर दृष्टिगत प्रभाव अत्यंत आकर्षक बन जाता है। समुद्री क्षेत्रों में इस संयुक्त गुरुत्वीय प्रभाव के कारण ज्वार-भाटे सामान्य से कुछ अधिक ऊंचे उठ सकते हैं, जिससे प्रकृति की यह खगोलीय संगति धरती पर भी अपना असर छोड़ती दिखाई देगी।

इस खगोलीय दृश्य में रोमांच का एक और आयाम जुड़ता है- क्वाड्रैंटिड उल्का वर्षा। तीन और चार जनवरी की रात यह वर्षा अपने चरम पर होती है और अनुकूल परिस्थितियों में प्रति घंटे अनेक उल्काएं दिखाई दे सकती हैं। यद्यपि पूर्ण चंद्रमा की तीव्र रोशनी कई छोटी उल्काओं को ढक देगी, फिर भी कुछ अत्यंत चमकीली अग्नि-रेखाएं आकाश को चीरती हुई स्पष्ट दिख सकती हैं। यह दृश्य ऐसा प्रतीत होगा मानो स्थिर और गंभीर चंद्रमा के सामने समय स्वयं प्रकाश की लकीरों में बह रहा हो। स्थायित्व और क्षणभंगुरता का यह संगम मन को गहराई से छू जाता है।

आर्थिक प्रगति और असमानता की समानांतर दास्तान

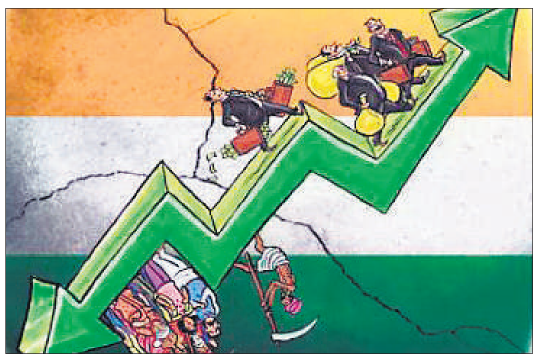

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

आर्थिक सुधारों को भारत की विकास यात्रा का निर्णायक मोड़ माना जा सकता है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उत्पादन बढ़ा, बाजार खुले, विदेशी निवेश आया और भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बनकर उभरा है। सरकार का दावा है कि इन सुधारों का प्रतिफल अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि आर्थिक क्षमता और विकास की गति का संकेत देती है, लेकिन इसके साथ यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिल पाया है।

आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। 1991 में देश की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 275 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बीते एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। सरकार इस उपलब्धि को आर्थिक सुधारों, मजबूत घरेलू बाजार और बढ़ते बुनियादी ढांचे का परिणाम बताती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

> आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि देश की शीर्ष एक प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि का बड़ा भाग सीमित वर्गों तक सिमट गया है। आर्थिक सुधारों से पैदा हुई समृद्धि का लाभ व्यापक स्तर पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर केंद्रित होता गया। रोजगार के क्षेत्र में यह असमानता और अधिक साफ हो जाती है। सरकारी और निजी दोनों आकलन बताते हैं कि देश का करीब 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी रोजगार है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार 2023-24 में शहरी बेरोजगारी दर औसतन 7 से 8 प्रतिशत के बीच रही, जबकि युवाओं में यह दर 15 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। आर्थिक सुधारों के बाद संगठित क्षेत्र का विस्तार तो हुआ, लेकिन रोजगार सृजन की रफ्तार श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले युवाओं की संख्या के अनुरूप नहीं रही।

ग्रामीण भारत की स्थिति भी इस असंतुलित विकास को उजागर करती है। देश की लगभग 45 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में केवल 15 प्रतिशत के आसपास सिमटा हुआ है। नीति आयोग के अनुसार छोटे और सीमांत किसानों की औसत मासिक आय अब भी 10 से 12 हजार रुपये के आसपास है। बढ़ती लागत, अनिश्चित मौसम और बाजार की अस्थिरता ने कृषि को कम लाभकारी बना दिया है। आर्थिक सुधारों का लाभ उद्योग और सेवा क्षेत्र तक तो पहुंचा, लेकिन कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत पीछे छूटती चली गई।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी असमानता की खाई गहरी हुई है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल स्वास्थ्य व्यय का करीब 55 प्रतिशत हिस्सा लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। इतना अधिक निजी खर्च गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात लगभग 28 प्रतिशत है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच आज भी सीमित वर्गों तक ही सिमटी हुई है। निजी शिक्षा संस्थानों की बढ़ती फीस ने अवसरों की असमानता को और बढ़ा दिया है।

क्षेत्रीय असमानता भी आर्थिक सुधारों की एक बड़ी चुनौती रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्य तेजी से आगे बढ़े, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्य अब भी विकास की दौड़ में पीछे हैं। नीति आयोग के अनुसार देश के शीर्ष 10 जिलों की प्रति व्यक्ति आय, निचले 10 जिलों की तुलना में चार से पांच गुना अधिक है। यह अंतर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के सूचकांकों में भी दिखाई देता है।

सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के दायरे में करीब 50 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से जुड़े हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सब्सिडी और सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। इन पहलों से गरीब और कमजोर वर्गों को राहत मिली है, लेकिन ये उपाय असमानता की संरचनात्मक जड़ों को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाते।

भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सरकारी दावे के साथ यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति होने के बावजूद रोजगार, आय और अवसरों की समानता क्यों नहीं बन पा रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि अगले दशक में भारत को हर साल लगभग एक करोड़ नए रोजगार सृजित करने होंगे। यदि विकास अधिक पूंजी और तकनीक केंद्रित ही रहा, तो यह चुनौती और गंभीर हो सकती है।

समावेशी विकास के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों को मानव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना होगा। छोटे और मध्यम उद्यमों को सशक्त कर रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश से आय के स्थायी स्रोत विकसित होंगे और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। साथ ही कर प्रणाली को अधिक प्रगतिशील बनाकर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण भी जरूरी है।

आमने

वह व्यक्ति भगवान राम को समझ ही नहीं पाया है। श्रीराम और राहुल गांधी की किसी भी तरह से तुलना नहीं की जा सकती है। भगवान ही जानें राहुल गांधी किस तरह का काम कर रहे हैं।

-स्वामी रामभद्राचार्य
प्रसिद्ध संत

सामने

रामभद्राचार्य जी बड़े और सम्मानित व्यक्ति हैं, इसलिए वह उन पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन राहुल गांधी की लड़ाई किसानों, गरीबों और वंचितों के हक के लिए है। राहुल गांधी जो कर रहे हैं, वह देश के हित में है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

-नाना पटोले
कांग्रेस नेता

खालिदा जिया के शासनकाल में भारत से संबंध

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

खालिदा जिया ने बांग्लादेश में दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। पहली बार 1991 से 1996 तक और दूसरी बार 2001 से 2006 तक। उनके शासनकाल को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, विशेष रूप से भारत के साथ, यह अवधि कटुता और अविश्वास की छाया में गुजरी। खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान, हिंदुओं पर हमले होते रहे और टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश को रोका गया। ये दोनों मुद्दे न केवल बांग्लादेश की आंतरिक चुनौतियों को दर्शाते हैं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में उत्पन्न तनाव के प्रमुख कारण भी बने।

> खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया।

सबसे पहले, हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 8-10 प्रतिशत है और ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय विभिन्न राजनीतिक उथल-पुथल का शिकार रहा है। खालिदा जिया के 2001 में सत्ता में आने के बाद, स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई। 2001 के आम चुनावों में बीएनपी और उसके सहयोगी जमात-ए-इस्लामी की जीत के तुरंत बाद, देशभर में हिंदू समुदाय पर संगठित हमले शुरू हो गए।

इन हमलों में हजारों हिंदू परिवारों को निशाना बनाया गया। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। एक अनुमान के मुताबिक, कम से कम 30,000 से अधिक हिंदू प्रभावित हुए और कई को देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। ये हमले मुख्य रूप से बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए, जो चुनावी जीत को 'इस्लामी विजय' के रूप में प्रचारित कर रहे थे।

खालिदा जिया की सरकार ने इन हमलों को रोकने या दोषियों को दंडित करने में स्पष्ट रूप से विफलता दिखाई। हालांकि सरकार ने कुछ जांच समितियां गठित कीं, लेकिन व्यावहारिक कार्रवाई नगण्य रही। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इन घटनाओं की निंदा की और इन्हें 'संगठित सांप्रदायिक हिंसा' करार दिया। उदाहरण के लिए, 2001 में बारिसाल, खुलना और ढाका जैसे क्षेत्रों में हिंदू गांवों पर हमले हुए, जहां संपत्ति जब्ती और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं आम थीं।

खालिदा जिया की सरकार का रुख यह था कि ये 'छिटपुट घटनाएं' हैं, लेकिन वास्तव में, जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी सहयोगियों को खुश रखने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। यह विफलता न केवल बांग्लादेश की आंतरिक एकता को प्रभावित करती थी, बल्कि भारत के साथ संबंधों को भी कटु बनाती थी। भारत, जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, ने इन हमलों को गंभीरता से लिया और बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। भारतीय मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे 'हिंदू उत्पीड़न' के रूप में चित्रित किया गया, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाया।

खालिदा जिया की भारत-विरोधी छवि पहले से ही मजबूत थी, क्योंकि उन्होंने चुनाव प्रचार में भारत को 'दुश्मन' के रूप में पेश किया था। ऐसे बयानों ने हिंदू सुरक्षा के मुद्दे को और जटिल बना दिया, क्योंकि भारत ने इसे सीमा पार शरणार्थी समस्या के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, 2001-2006 के दौरान दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ताएं सीमित रहीं और भारत ने बांग्लादेश को 'अल्पसंख्यक सुरक्षा' पर दबाव डाला, जो खालिदा सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया।

दूसरा प्रमुख बिंदु टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश का रहा। 2004-2005 में, भारतीय औद्योगिक दिग्गज टाटा ग्रुप ने बांग्लादेश में लगभग तीन अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इस योजना में स्टील प्लांट, उर्वरक कारखाना और बिजली उत्पादन इकाइयां शामिल थीं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर था। यह निवेश न केवल हजारों रोजगार पैदा करता, बल्कि बांग्लादेश की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करता। टाटा ने प्राकृतिक गैस की सस्ती आपूर्ति की मांग की, जो बांग्लादेश के पास उपलब्ध थी, हालांकि खालिदा जिया की सरकार ने इस प्रस्ताव पर लगातार देरी की और अंततः इसे अस्वीकार कर दिया।

टाटा ने 2006 तक कई दौर की वार्ताएं कीं, लेकिन सरकार की ओर से गैस मूल्य और अन्य शर्तों पर असहमति बनी रही। अंत में, 2008 में टाटा ने योजना त्याग दी और बांग्लादेश ने पाकिस्तानी दाऊद ग्रुप जैसे अन्य निवेशकों को आमंत्रित किया। यह निर्णय बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हुआ, क्योंकि निवेश की कमी से विकास दर प्रभावित हुई। खालिदा जिया की 2006 में भारत यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हुई, हालांकि ट्रेड डील पर चर्चा हुई। भारतीय पक्ष ने इसे 'अवसर की बर्बादी' माना, क्योंकि टाटा का निवेश दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दे सकता था।

सोशल फोरम

सारा एक गुमनाम शायरा

सारा शगुफ्ता का नाम उर्दू शायरी में बहुत कम लिया जाता है। इतिहास मानो उससे पल्ला छुड़ाने की ही कोशिश में था कि ये प्रयास सफल नहीं हो पाए। उर्दू हलके ने पचास सालों तक ख़ूब कोशिश की दक्षिण एशियाई बौद्धिक-स्त्रीवादी इतिहास से सारा शगुफ़्ता को मिटाने की। अमृता प्रीतम से सारा ने कई साल पत्र-व्यवहार किया। अपने जीते-जी एक बार वादा लिया था कि अमृता उसका कविता संग्रह अनुवाद करके छपवाएंगी। सारा के जाने के बाद उसके तमाम ख़त और कविताओं को सामने रखते हुए अमृता ने एक किताब लिखी।

सुजाता चोखेरबाली
एसोसिएट प्रोफेसर

सारा का जन्म 1954 में गुजरांवाला, पाकिस्तान में हुआ था। बहुत कम वक्त गुज़ारा इस दुनिया में उसने। 29 की उम्र में आत्महत्या कर ली। पिता के साथ बेहद ख़राब रिश्ता मिला तो 17 की उम्र में ब्याह दी गई अपनी मर्ज़ी के ख़िलाफ़। नवजात बच्चा चल बसा और इसके लिए इल्ज़ाम आया सारा के सर। इन सदमों ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया। पति को छोड़कर निकल गईं और अपनी देह से बेगानी हो गई। चार विवाह और इसके अलावा बहुत से संबंध।

उसके जीवन की अराजकता मानो कोई बदला था दुनिया से कि जिस देह को, जिसके सेक्स को तुम स्त्री के वजूद के ऊपर मानते आए हो और जिसके लिए यह सारी सांसारिक प्रताड़ना है औरत के हिस्से, उसी को मैं आग, पानी, मिट्टी, हवा के हवाले करती हूं। एक जगह कभी उसने लिखा था- मेरा शरीर बहुत साधारण था, तो मैंने उसे कुत्तों को दे दिया, लेकिन सारा की आत्मा साधारण नहीं थी कि तुम्हारे हाथों उसे बिक जाने देती। एक कविता में सारा कहती हैं- तुझे जब भी कोई दुख दे उस दुख का नाम बेटी रखना। अपने स्त्री होने के कारण उसने जो भोगा उसे लिखा। यही शायद सबसे बड़ा गुनाह किया। वह लिखती हैं-

आसमान के सीने में ग़म चरख़ा कात रहा है
संग-ए-मील
पहरों चलता है और साकित है
रात मुझ से पहले जाग गई है
लिबास पर पड़े हुए धब्बे
मेरे बच्चों के दुख थे
मेरे लहू को तन्हाइयां चाट रही हैं
शहर की मुंडेर से तिनके चुराए थे
सूरज ने दुख बना दिए
मेरे सपनों का दाग़ आंखें हैं
मेरी क़ब्र मुझे छुप कर देख रही है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोच बदली तो हरियाणा में सुधरने लगा लिंगानुपात

हरियाणा आज लिंगानुपात में निरंतर सुधार का उदाहरण बनता जा रहा है। यह बदलाव किसी एक दिन या एक साल में नहीं आया, बल्कि वर्षों की योजनाबद्ध कोशिशों, सामाजिक जागरूकता और सरकारी सख्ती का परिणाम है। हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 910 था। निरंतर सरकारी निगरानी और सामाजिक प्रयासों के चलते 30 दिसंबर 2025 तक यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया। यह 13 अंकों की वृद्धि है, जिसे पिछले छह वर्षों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है।

हरियाणा में आपकी बेटी हमारी बेटी योजना लिंगानुपात सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता दी जाती है, जिससे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने में मदद मिली है। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि अकाउंट जैसी योजनाओं से बेटियों के भविष्य के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करना आसान हुआ है। यह सुनिश्चित करता है कि हर बच्ची को जीवन में समान अवसर मिलें।

धनीश शर्मा
लेखक

हरियाणा राज्य का एक समय ऐसा भी रहा है, जब बेटियों को बोझ समझा जाता था। सामाजिक दबाव, अंधविश्वास और पितृसत्तात्मक सोच के कारण गर्भ में ही कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य किए जाते थे। उस दौर में लिंगानुपात लगातार गिरता गया और यह स्थिति समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी बन गई। समय के साथ सोच में बदलाव आया। सरकार और समाज दोनों ने यह समझा कि यदि बेटियां सुरक्षित नहीं होंगी, तो भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

हरियाणा सरकार ने जन्म के समय लिंगानुपात सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। ग्रामीण और शहरी पंचायतों में प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विभाग की नियमित मॉनिटरिंग और अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण पर सख्त कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों को भी इस दिशा में सशक्त बनाया गया। किशोरियों के लिए पोषण अभियान, स्कूल स्तर पर स्वास्थ्य जांच तथा कौशल विकास कार्यक्रमों से बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने पर ज़ोर दिया गया। साथ ही कानून की सख्त निगरानी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लिंग चयन जैसे अपराध किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हरियाणा के बढ़ते लिंगानुपात में सबसे बड़ा योगदान हरियाणा की बेटियों को जाता है, जिन्होंने कठिनाईयों के बीच में रहकर अपनी मंजिल को हासिल किया है। यहां बेटियों ने खेलों के क्षेत्र में भी राज्य का नाम रोशन किया है। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, गीतिका जाखड़, कविता चहल, पूजा सिंह, रमिता जिंदल और भजन कौर जैसी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके संघर्ष और उपलब्धियों ने समाज में सकारात्मक सोच फैलाने में मदद की है।

लिंगानुपात में सुधार केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के विस्तार का संकेत है। जब परिवार बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर देने लगते हैं, तभी वास्तविक और स्थायी बदलाव संभव होता है। हरियाणा सरकार ने भी लगातार निगरानी, ज़मीनी स्तर पर जागरूकता और स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति ने लिंगानुपात सुधार को संभव बनाया, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कोलेट क्रेस
एक वित्तीय विजेता

महिलाएं क्या नहीं कर सकतीं! जब वे उड़ान भरती हैं, तो उनकी पहुंच एनवीडिया की सीएफओ और ईवीपी तक हो जाती है और 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' बनकर फोर्ब्स की सुर्खियां बनती हैं, जैसे कोलेट क्रेस। कोलेट क्रेस संयुक्त राज्य अमेरिका की एक प्रमुख वित्तीय नेता हैं, जो विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनी एनवीडिया की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (ईवीपी) और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के रूप में जानी जाती हैं। सितंबर 2013 से इस पद पर आसीन, उन्होंने एनवीडिया को एक गेमिंग-केंद्रित कंपनी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर के वैश्विक दिग्गज में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2025 तक, उनके नेतृत्व में एनवीडिया की बाजार पूंजीकरण माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के बाद दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है, जिसकी वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है। फोर्ब्स ने उन्हें 2025 में अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं की सूची में 54 वें स्थान पर रखा और उनकी नेट वर्थ जुलाई 2025 में 1 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

कोलेट क्रेस का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें एक सफल करियर की नींव प्रदान की। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना से फाइनेंस में बीएससी की डिग्री प्राप्त की, जो उनके वित्तीय विश्लेषण और रणनीतिक सोच के कौशल को मजबूत करने वाली साबित हुई। इसके बाद, उन्होंने साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की उपाधि हासिल की। इस शिक्षा ने उन्हें तकनीकी उद्योग की जटिल वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया, विशेष रूप से हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर एकीकरण के क्षेत्र में।

उनकी शिक्षा के दौरान, कोलेट ने नेतृत्व और इनोवेशन पर फोकस किया, जो बाद में माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे दिग्गजों में उनके योगदान में स्पष्ट रूप से दिखा। सराटोगाद में स्थित, वे एक समर्पित पेशेवर के रूप में जानी जाती हैं, जो कार्य-जीवन संतुलन को महत्व देती हैं। ज्ञात रहे, सराटोगा, कैलिफोर्निया राज्य के सांता क्लारा काउंटी में स्थित एक छोटा, लेकिन अत्यधिक समृद्ध शहर है, जो सिलिकॉन वैली के दक्षिणी भाग में बसा हुआ है। यह बे एरिया का एक हिस्सा है, जहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ियां और वाइनयार्ड्स की उपस्थिति इसे एक शांतिपूर्ण और विलासितापूर्ण जीवनशैली का प्रतीक बनाती है।

करियर की यात्रा

- कोलेट क्रेस के पास टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे प्रमुख तकनीकी कंपनियों में 25 वर्षों से अधिक का वित्तीय अनुभव है। उनकी यात्रा रणनीतिक योजना, वित्तीय रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास पर केंद्रित रही है, जो एनवीडिया में उनके योगदान की आधारशिला बनी। प्रारंभिक करियर की बात करें, तो 1990 में उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। यहां उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग की बुनियादी समझ विकसित की, जो बाद में एनवीडिया के चिप डिजाइन फोकस के साथ जुड़ी।
- लगभग 13 वर्षों (2000-2013) तक माइक्रोसॉफ्ट में रहने के दौरान, कोलेट ने कॉर्पोरेट प्लानिंग और फाइनेंस में वरिष्ठ भूमिकाएं निभाईं। चार वर्षों तक वे सर्वर एंड टूल्स डिवीजन की सीएफओ रहीं, जहां उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के वित्तीय रणनीति का नेतृत्व किया। इस अवधि में, माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर बिजनेस को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा, जो आज एज्योर क्लाउड प्लेटफॉर्म की सफलता का आधार है।
- माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, उन्होंने सिस्को सिस्टम्स में तीन वर्ष बिताए, जहां वे बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड ऑपरेशंस फाइनेंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सीएफओ रहीं। यहां उन्होंने सभी बिजनेस सेगमेंट्स, इंजीनियरिंग और ऑपरेशंस के लिए वित्तीय रणनीति, योजना, रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास का प्रबंधन किया। सिस्को के नेटवर्किंग और साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में उनके प्रयासों ने कंपनी की वृद्धि को गति दी।
- सितंबर 2013 में एनवीडिया जॉइन करने के बाद, कोलेट ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और विस्तार को नई दिशा दी। जब वे आईं, तो एनवीडिया मुख्य रूप से गेमिंग ग्राफिक्स कार्ड्स पर निर्भर थी, लेकिन उनके नेतृत्व में एआई, डेटा सेंटर और ऑटोनॉमस व्हीकल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा। 2025 तक, एनवीडिया की राजस्व वृद्धि एक दशक की सबसे तेज रही, जो 2023 के 27 बिलियन डॉलर से 2025 में 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई। उनकी मुआवजा संरचना में बेस सैलरी, बोनस और बड़े इक्विटी अवॉर्ड्स शामिल हैं, जिससे उनकी 5.4 मिलियन शेयरों की होल्डिंग 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यवान हो गई।

सीएफओ के रूप में भूमिका

एनवीडिया की ईवीपी और सीएफओ के रूप में, कोलेट क्रेस कंपनी की वित्तीय स्वास्थ्य, निवेशक संबंधों और वैश्विक विस्तार की जिम्मेदारी संभालती हैं। उनके नेतृत्व में, एनवीडिया ने एआई चिप्स (जैसे एच-100 और ब्लेकवेल) के विकास में भारी निवेश किया, जो डेटा सेंटर राजस्व को 80 प्रतिशत से अधिक बढ़ा चुका है। वे बोर्ड मीटिंग्स में रणनीतिक सलाह देती हैं और सस्टेनेबल फाइनेंस पर फोकस करती हैं, जैसे ग्रीन डेटा सेंटर्स। 2026 तक, उनके विजन में एआई-ड्रिवन फ्यूचर शामिल है, जहां एनवीडिया को 4 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन की ओर ले जाना लक्ष्य है। मैकिंसे और फोर्ब्स के अनुसार, उनकी रणनीतियां एनवीडिया को टेक इतिहास की सबसे तेज वृद्धि वाली कंपनियों में शुमार करती हैं।

उपलब्धियां और पुरस्कार

कोलेट क्रेस की उपलब्धियां उन्हें अमेरिकी वित्त जगत की प्रभावशाली महिलाओं में स्थापित करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2016 - सिलिकॉन वैली बिजनेस जर्नल द्वारा 'सीएफओ ऑफ द ईयर' - एनवीडिया के वित्तीय ट्रांसफॉर्मेशन के लिए।
- 2024 - बैरन्स द्वारा 'यू.एस. फाइनेंस में 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं' में शामिल।
- 2025 - फोर्ब्स की 'अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं' सूची में 54 वां स्थान, नेट वर्थ 1 बिलियन डॉलर।
- 2023 - ग्लोब्स द्वारा 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' के रूप में सम्मानित, एनवीडिया की ट्रिलियन-डॉलर वैल्यूएशन के लिए।
- 2025- चीफ की 'द न्यू एरा ऑफ लीडरशिप' में विजेता, कंपनी को तीसरी सबसे मूल्यवान बनाने के लिए।
- इनके अलावा, उनके नेतृत्व में एनवीडिया ने एक दशक में राजस्व को 10 गुना से अधिक बढ़ाया, जो टेक इतिहास की दुर्लभ उपलब्धि है।

उनके विचार

कोलेट क्रेस के अनुसार, "त्वरित कम्प्यूटिंग और एआई की ओर बढ़ना ऐसा नहीं है, जहां आप हार्डवेयर चालू करें और अपना सामान लोड करें, तो यह चल जाए। हमने जो सॉफ्टवेयर बनाया है, वह कंपनियों के लिए त्वरित कम्प्यूटिंग की राह तैयार करने के लिए है।" पोस्ट-अर्निंग्स इंटरव्यू में, उन्होंने सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर के पूरक के रूप में वर्णित किया। यह विचार प्रेरणा देता है कि सफलता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) से आती है। कोलेट का मानना है कि सॉफ्टवेयर संक्रमण को आसान बनाता है, जो प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देता है, एक सबक कि नेतृत्व में समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है।

उनके अनुसार, "हम एक यात्रा पर हैं और शायद हम इस यात्रा के पहले या दूसरे इनिंग में हैं, क्योंकि दुनिया को संक्रमण करना है। केवल एआई समाधानों तक सीमित न रहें, बल्कि कम्प्यूटिंग को त्वरित और समानांतर रूप से कैसे करें।" गोल्डमैन सैक्स सम्मेलन में एआई फैक्ट्रीज और एंटरप्राइज डेटा पर यह प्रेरक विचार धैर्य और दृष्टि की याद दिलाता है। कोलेट हमें बताती हैं कि महान उपलब्धियां रातों-रात नहीं होतीं, वे दशकों की मेहनत से आती हैं, जो चुनौतियों के बीच प्रेरणा बनाए रखने का संदेश देती हैं।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

कोलेट क्रेस का प्रभाव न केवल एनवीडिया पर, बल्कि पूरे टेक और वित्तीय सेक्टर पर पड़ा है। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय नेतृत्व में प्रोत्साहित किया और एआई क्रांति को फंडिंग प्रदान की। उनके तहत, एनवीडिया ने सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को प्राथमिकता दी, जो 2026 की चुनौतियों जैसे जियोपॉलिटिकल टेंशन्स और चिप शॉर्टेज का सामना करने में मदद करेगी। भविष्य में, वे एआई एथिक्स और ग्लोबल एक्सपैंशन पर फोकस करेंगी, जो एनवीडिया को अगले ट्रिलियन डॉलर क्लब में ले जाएंगी। संक्षेप में कोलेट क्रेस एक ऐसी विजेता हैं, जिनकी बुद्धिमत्ता, रणनीतिक दृष्टि और दृढ़ता ने उन्हें बिलियनेयर बनाया। उनकी कहानी युवा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

यात्रा वृत्तांत

प्रणय और प्रताप की भूमि कोटद्वार की कण्वघाटी

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर मालिनी नदी के तट के निकट महर्षि कण्व ऋषि का आश्रम है। महाकवि कालिदास ने इसी नदी के किनारे बैठकर अद्भुत प्रेमकाव्य अभिज्ञान शाकुंतलम् की रचना की थी। इसी आश्रम में शकुंतला एक पर्णकुटी में रहते हुए प्रकृति की सेवा-संरक्षण में रत रहा करती थीं। एक बार आखेट के लिए निकले राजा दुष्यंत वनक्षेत्र में अंदर कण्व ऋषि के आश्रम के निकट पहुंच गए, जहां सुंदरी शकुंतला को देखकर उनका मन मोहित होने की लोकश्रुति से सब परिचित हैं। वे सोचने लगे इतनी सुंदर स्त्री इस वियावान आश्रम में क्या कर रही है। थकावट के कारण मलीन पड़े दुष्यंत के मुखमंडल को देखकर शकुंतला ने उन्हें जल पिलाया।

अभिज्ञान शाकुंतलम् के चतुर्थ अंक के चार श्लोक, जिन्हें श्लोक चतुष्टय भी कहते हैं, में उल्लेख मिलता है कि महर्षि कण्व को करुणापूरित-पितृ हृदय मिला था। संसार के मोह-माया को त्याग देने वाले महर्षि कण्व मन ही मन में शकुंतला को दुष्यंत के साथ विवाहोपरांत भेजने के पश्चात की अधीनता मन द्रवित कर देती है। दुष्यंत के प्रणय निवेदन और मिलन के बाद शकुंतला का राजा दुष्यंत के प्रेम में डूबना एक स्वाभाविक क्रिया है। वे जिन वनस्पतियों-लताओं-पादपों को मालिनी नदी के जल से सींचने के उपरांत और उसके बाद ही जल फलाहार और जल ग्रहण करती थीं, अब अनमने भाव से, खोई-खोई सी रहने लगी हैं। अलग-अलग ऋतुओं में खिलने वाले फूल पल्लव उनके लिए आभूषण हैं।

अभिज्ञान शाकुंतल में कालिदास लिखते हैं कि विदाई के समय वन देवियां उनके कानों में मौसम का सबसे सुगंधित फूल गूंथती हैं उनके गले, कलाइयों में फूलों की छोटी माला पहनाती हैं। सहेलियां सुकेशिनी शकुंतला के गझिन और लंबे केशराशि में फूलों का गजरा पहनाकर दुष्यंत के साथ विदा करती हैं। विदाई के समय महर्षि कण्व ऋषि दुष्यंत और शकुंतला दोनों को वंश वंशानुसार आचरण का परिपालन करने की सीख देते हैं और स्वप्न में भी दुष्यंत को बहु पत्नी परंपरा का अनुयायी का निषेध करते हैं। कण्वघाटी प्रणयी राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी से आगे निकलकर प्रताप की भूमि भी है या नहीं बोलना चाहिए। इसी पावन भूमि पर शकुंतला सिंह से बढ़कर, महाप्रतापी और बाहुबली बालक भरत को जन्म देती है। वर्तमान में यहां पर राजा दुष्यंत शकुंतला और ऋषि की प्रतिमाओं के पास एक सिंह, जिसके मुंह को खोलकर भरत उसका दांत गिनते हुए दिख रहे हैं। इस कथा के प्रतीकात्मक अर्थ से जुड़ना बहुत आवश्यक है। प्रणय में आकंठ डूबने के बाद भी किस तरह शांत और एकनिष्ठ प्रेम की आनंदानूभूति से आप्तकाम हैं, इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं, देवि शकुंतला। कल-कल बहती मालिनी नदी और वनाच्छादित कण्वाश्रम का अतीत जितना मनोहरी महाकवि कालिदास के साहित्य में है, काश वर्तमान में उसकी गरिमा यदि संरक्षित होती तो आज पर्यटकों का यहां भी ताता लगा होता। यहां

एक डिग्री कॉलेज केंद्रीय विद्यालय बालिका इंटर कॉलेज और अटल उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षा की अलख जगाए है। मैं आश्रम से निकलकर मालिनी नदी में जल-आचमन के लिए आगे बड़ा ही था, तभी वहां के स्थानीय निवासी विपिन नौटियाल और कृपाराम शर्मा ने आवाज लगाई, मैंने जैसे ही पलट कर देखा। एक बड़े दांत वाला हाथी मेरी ही दिशा की तरफ बढ़ता चला रहा था। मैंने खुद को सुरक्षित किया और प्रधानाचार्य सुनील कुमार जी ने कहा कि महोदय! यहां गजराज की आवक खूब रहती है। सतर्क रहिए। सेफ रहिए। दिन करीब-करीब डूबने वाला था और मुझे लौटकर कोटद्वार भी आना था, वापस तो लौट आया, लेकिन मेरे मानस-पटल में कण्वाश्रम, प्रकृति कन्या शकुंतला की परम प्रतापी संतान भरत द्वारा सिंह के दांत गिनते हुए की प्रस्तर आकृति सत्साहस का संचार करने वाली है।

एक बारगी आज की युवा पीढ़ी को देखकर यही सोचता हूं कि यह वही देश है, जहां भरत जैसी संतान हुई। आज की युवा पीढ़ी, आज का किशोर अपना आदर्श भरत को मानते भरत के प्रताप से प्रेरित होता। एक समवेत अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रशासन मालिनी नदी की पुण्य-सलिला धारा को निर्वाध रूप से प्रवाहमान बनाए रखने, आसपास की वन-संपदा और आश्रम परिसर को पर्यटकों के लिए विकसित कर खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे देश की युवा पीढ़ी भरत से परिचित हो सके, कण्व-आश्रम और महीयसी शकुंतला से से परिचित हो सके।

ब्रेल लिपि: एक स्पर्श, जो बदल देता है जीवन

श्वेता गोयल
शिक्षिका

फ्रांसीसी शिक्षक और आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया जाता है। लुई ब्रेल ने 1824 में क्रांतिकारी 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार किया था, जिससे दृष्टिहीन व्यक्तियों की दुनिया ही बदल गई। ब्रेल लिपि से दृष्टिहीनों को पढ़ने और लिखने का अद्वितीय माध्यम प्राप्त हुआ। इस लिपि ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनने में बहुत बड़ी मदद की है, जिसके चलते वे समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी कर पाते हैं। ब्रेल लिपि ने उनके लिए शिक्षा, रोजगार और संचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोली हैं। 'विश्व ब्रेल दिवस' दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और उनकी शिक्षा में ब्रेल लिपि के महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दृष्टिहीन और आंशिक दृष्टिहीन व्यक्तियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगार और समावेशन के क्षेत्र में ब्रेल लिपि के महत्व को उजागर करता है। यह दिन ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है और समाज में नेत्रहीन व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने को प्रोत्साहित करता है।

ब्रेल लिपि नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो उन्हें समाज में अपना स्थान बनाने में मदद करती है। ब्रेल लिपि छह बिंदुओं पर आधारित एक विशेष लेखन प्रणाली है, जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को स्पर्श के माध्यम से पढ़ने, लिखने और सीखने में सक्षम बनाती है। यह प्रणाली किताबों, पत्रिकाओं और नोट्स से लेकर डिजिटल उपकरणों तक, कई माध्यमों में उपयोग की जाती है। ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीन व्यक्ति पुस्तकें पढ़ सकते हैं, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और यहां तक कि कम्प्यूटर भी चला सकते हैं। यह उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाती है। दरअसल ब्रेल लिपि एक ऐसी स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसमें उभरे हुए बिंदुओं का उपयोग अक्षरों और संख्याओं को दर्शाने के लिए किया जाता है। नेत्रहीन व्यक्ति अपनी उंगलियों से इन बिंदुओं को महसूस करके पढ़ सकते हैं। यह लिपि नेत्रहीन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान करती है।

1824 में विकसित हुई प्रणाली

लुई ब्रेल द्वारा यह प्रणाली 1824 में विकसित की गई थी, उस समय उनकी आयु केवल 15 वर्ष ही थी। लुई ब्रेल का यह आविष्कार न केवल दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक प्रेरणा है। ब्रेल लिपि हालांकि एक प्रभावी साधन है, लेकिन इसके उपयोग में कई चुनौतियां भी हैं। दरअसल ब्रेल लिपि में छपी पुस्तकों की सीमित उपलब्धता दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा में बाधा बनती है। इसके अलावा आज के बदलते डिजिटल युग में ब्रेल लिपि को डिजिटल माध्यमों में अपनाने की भी बड़ी आवश्यकता है। दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक है कि समाज में अधिक समावेशी नीतियां और सुविधाएं विकसित की जाएं। विश्व ब्रेल दिवस वास्तव में दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों और उनकी उपलब्धियों को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें स्मरण कराता है कि समावेशी समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार मिलें। ब्रेल-अनुकूल डिजिटल उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित करना, समुदाय में ब्रेल लिपि के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ब्रेल लिपि में अधिक पुस्तकें प्रकाशित करना आज समय की बड़ी मांग है।

भारत में ब्रेल लिपि की चुनौतियां

भारत सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई सरकारी दस्तावेजों को ब्रेल लिपि में उपलब्ध कराया है। देशभर में कई ब्रेल पुस्तकालय भी हैं, जो नेत्रहीन व्यक्तियों को ब्रेल पुस्तकें और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। भारत में कई स्कूल और कॉलेज ब्रेल लिपि में शिक्षा प्रदान करते हैं। नेत्रहीन छात्रों के लिए विशेष शिक्षक और पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल की-बोर्ड और अन्य तकनीकी उपकरणों ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सूचना तक पहुंच को आसान बना दिया है। हालांकि भारत में ब्रेल लिपि से जुड़ी कुछ चुनौतियां भी हैं। ब्रेल शिक्षकों की कमी के कारण कई नेत्रहीन बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ब्रेल डिस्प्ले और अन्य तकनीकी उपकरणों की उच्च लागत के कारण कई नेत्रहीन व्यक्ति इन तकनीकों का लाभ नहीं उठा पाते। समाज में ब्रेल लिपि और नेत्रहीन व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी एक बड़ी चुनौती है। सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें ब्रेल लिपि को बढ़ावा देना भी शामिल है। कई गैर-सरकारी संगठन और व्यक्ति नेत्रहीन व्यक्तियों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। ब्रेल तकनीक में लगातार विकास भी हो रहा है, जिससे नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए जीवन आसान हो रहा है, लेकिन इस दिशा में और तेजी से काम करने की जरूरत है।

लव बर्ड्स

संघर्षों के बीच पनपा विश्वास

हमारी पहली मुलाकात वर्ष 2009 में मेरी बुआ जी की बेटी की शादी में हुई थी। उस दिन वैशाली ने काले रंग की साड़ी पहन रखी थी। जैसे ही मैंने उन्हें देखा, उसी क्षण मेरे मन में उनके प्रति एकतरफा प्रेम जाग उठा। तभी मैंने मन ही मन यह निर्णय कर लिया कि यही वह लड़की है, जो विवाह के लिए पूर्णतः उपयुक्त है।

शादी के पांच-छह दिन बाद हम पहली बार दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित मैकडोनाल्ड्स में मिले। मुलाकात होते ही मैंने बिना किसी भूमिका के वैशाली से विवाह का प्रस्ताव रख दिया। यह सुनकर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि हमारे दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए सहमत नहीं होंगी। उनके ऐसा कहने के बाद मेरा अगला प्रश्न था-"क्या तुम मेरा साथ दोगी?" उन्होंने 'हां' कहा। तब मैंने उनसे कहा कि फिर सब कुछ भगवान पर छोड़ देते हैं, सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद के कुछ वर्ष हमारे लिए काफी संघर्षपूर्ण रहे। वर्ष 2011 में वैशाली के पिता का निधन हो गया। इसके दो वर्ष बाद मेरे पिता भी हमें छोड़कर चले गए। इन घटनाओं के बाद दोनों परिवारों को मनाना और भी कठिन हो गया। उस समय मैं आर्थिक रूप से भी स्थिर नहीं था और दिल्ली में मेरा अपना घर भी नहीं था, जिसके कारण वैशाली का परिवार इस रिश्ते को लेकर आश्वस्त नहीं था, लेकिन वैशाली का हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहना ही मेरे लिए सबसे बड़ा संबल था।

वर्ष 2012 में मैंने दिल्ली में अपना घर लिया। दोनों परिवारों के कड़े विरोध और अनेक कठिनाइयों के बाद अंततः वह शुभ घड़ी भी आ गई और 18 नवंबर 2013 को हम विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। तब से लेकर आज तक हम दोनों हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ हैं। वर्ष 2016 में हमारे यहां एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसने हमारी खुशियों को और भी पूर्ण कर दिया। अब तक के इन बारह वर्षों के सफर में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हर भावनात्मक और आर्थिक संकट के समय वैशाली ने मेरा मजबूती से साथ दिया। आज मैं अपने परिवार के साथ बेहद संतुष्ट और खुश हूं।

-राम मोहन और वैशाली

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,762.01	26,328.55
बढ़त	573.41	182
प्रतिशत में	0.67	0.70

सोना 1,39,440 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,400 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, शनिवार, 3 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1975, सचिन 2010, सूरज 1975, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2170, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2295, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल : (प्रति कु.)डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 950, बासमती- 5200, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2400, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4700, राजमा- 8400-11000, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2200, उड़द साबुत- 4400, काबुली चना- 8100, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 1400

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर

खरीद प्रबंधक सूचकांक ने मासिक सर्वेक्षण के बाद जारी किए दिसंबर के आंकड़े

- नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को बताया गिरावट का प्रमुख कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की गति धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र वृद्धि से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है और प्रमुख मुद्रास्फीति दबावों की कमी मांग को समर्थन देना जारी रख सकती है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण द्वारा 'ट्रैक' किए गए कई मापदंडों में 2025 कैलेंडर वर्ष के अंत में वृद्धि की गति धीमी हो गई। दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही।

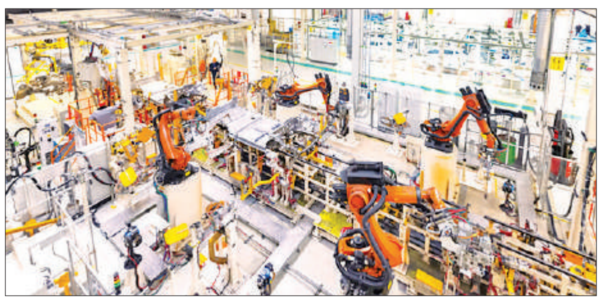

रोजगार सृजन की गति भी रही सबसे कम

नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। सर्वेक्षण में कहा गया, वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य गति से वृद्धि हुई है। साथ ही, मूल्य मुद्रास्फीति की दर नौ महीनों के निचले स्तर पर आ गई है। भारतीय वस्तु उत्पादकों को 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है लेकिन समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत 22 प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नए प्रस्तावों को शुक्रवार को मंजूरी दी। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। स्वीकृत प्रस्तावों में डिक्सन, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, फॉक्सकॉन (युझान टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव शामिल हैं। इन स्वीकृतियों से प्रत्यक्ष रोजगार के 33,791 अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इससे पहले घोषित 12,704 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 24 आवेदनों की मंजूरी के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईसीएमएस के तहत 22 और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कंपनियों को स्वीकृति पत्र सौंपे।

नए शिखर पर निफ्टी, सेंसेक्स 573 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक नए शिखर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स भी 573.41 अंक (0.67 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ जो इसका दूसरा उच्चतम बंद स्तर है।

बाजार में शुक्रवार को शुरू से ही तेजी रही। निफ्टी-50 सूचकांक 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत ऊपर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ जो इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है। बीच कारोबार में यह 26,340 अंक तक मजबूत हुआ था। सेंसेक्स इससे पहले 26 सितंबर 2024 को यह 85,836.12 अंक पर बंद हुआ था। चौतरफा लिवाली के बीच 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट-बीड़ी तथा अन्य तंबाकू उत्पादों पर उपकर, कर और आयात शुल्क बढ़ाने की अधिसूचना के बाद एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। इसका शेयर शुक्रवार को 3.79 प्रतिशत टूट गया। गुरुवार को भी इसमें करीब 10 फीसदी की गिरावट रही थी। मझोली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.94 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत चढ़ा। एफएमसीजी छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही।

- तंबाकू उत्पादों पर शुल्क की घोषणा से लगातार दूसरे दिन गिरे आईटीसी के शेयर

सोना 1100 और चांदी 4000 रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत भी 4,000 रुपये बढ़कर सभी टैक्स मिलाकर 2,41,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 67.47 डॉलर या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 4,392.94 डॉलर प्रति औंस हो गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार

मुंबई। रुपया शुक्रवार को फिर गिर गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और डॉलर मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 18.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 559.61 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 113.32 अरब डॉलर हो गया।

कृभको : ऋषिपाल बने यूपी के राज्य प्रबंधक

लखनऊ। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए ऋषिपाल सिंह राठौर को उत्तर प्रदेश का राज्य प्रबंधक नियुक्त किया है।

ऋषिपाल सिंह राठौर सहारनपुर जिले के गांव सांपला बेगमपुर से निकलकर इन ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। उन्होंने 1996 कृषि में स्नातकोत्तर किया था। इसके बाद कृभको संस्था में योगदान कर पंजाब, हरियाणा के कई पदों पर कार्य किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में राज्य विपणन प्रबंधक का पद संभाला। शुक्रवार को उन्होंने लखनऊ में कृभको उत्तर प्रदेश में राज्य प्रबंधक का कार्यभार संभाला। ऋषिपाल सिंह राठौर को विपणन क्षेत्र में 30 वर्षों का प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अनुभव प्राप्त है। कृभको प्रबंधन ने आशा जताई है कि ऋषिपाल सिंह राठौर के अनुभव एवनं दक्षता से संगठन को उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सरकार ने की 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई

सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये का गारंटी समर्थन शामिल है। दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये कदम निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान करेंगे। ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था। प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी। प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सहायता दरों की घरेलू और वैश्विक मानकों के आधार पर मार्च और सितंबर में छमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश आरबीआई द्वारा जारी किए जाएंगे, जो डीजीएफटी के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी है।

मंत्रालय ने कहा कि एक पायलट चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन से मिले सुझावों के आधार पर सुधार की गुंजाइश होगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, एमएसएमई को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी।

आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं

चेन्नई में जयशंकर ने कहा- बुरे पड़ोसियों से भारत को अपने लोगों की रक्षा का पूरा हक

चेन्नई, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है, तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। जयशंकर ने यह भी कहा कि अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 महामारी के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो।

चेन्नई में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईआईटी) मद्रास में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, लोग कूटनीति को 'रॉकेट साइंस' की तरह पेश करते हैं। यह तो आम समझ की बात है, आप अपने पड़ोसी के साथ कैसा बर्ताव करते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपका कोई पड़ोसी आपके प्रति अच्छा व्यवहार करता है या कम से कम आपको नुकसान नहीं पहुंचाता है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके लिए दयालु प्रवृत्ति रखते हैं और उसकी मदद करते हैं। अगर ऐसे पड़ोसी को कोई समस्या है, तो आप किसी न किसी तरह से उसकी मदद करना चाहेंगे। कम से कम आप उसे नमस्कार करेंगे, आप दोस्ती करने, घनिष्ठता बढ़ाने की कोशिश करेंगे। एक देश के रूप में हम भी यही करते हैं।

जयशंकर ने कहा, तो जब आप हमारे आसपड़ोस पर नजर दौड़ाते हैं, जहां भी वास्तव में अच्छा पड़ोसी होने का भाव दिखता है, तो मुझे लगता है कि आपने देखा होगा कि भारत निवेश करने, मदद देने, साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा, लेकिन जब आपके पड़ोसी बुरे हों और अगर कोई देश जानबूझकर, लगातार, बिना पछतावे के आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने का फैसला करता है, तो हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह हम पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि कई साल पहले हम (भारत और पाकिस्तान) जल बंटवारे समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे, तो अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं रह जाते। अच्छे पड़ोसी संबंध न होने पर, अच्छे पड़ोसी संबंध के लाभ भी नहीं मिलते। आप यह नहीं कह सकते कि कृपया मेरे साथ पानी साझा करें, लेकिन मैं आपके यहां आतंकवाद जारी रखूंगा। यह संभव नहीं है।

जयशंकर ने चेन्नई में आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन की शुरुआत की।

अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा

अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के चीनी आव्रजन अधिकारियों के कदम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह के हथकंडों से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली, भारत बिना किसी दबाव के अपने लोगों और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। जयशंकर ने 'आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' की भी शुरुआत की, जो आईआईटी मद्रास की एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसका मकसद संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक नेटवर्क वाले केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

दिल्लीः आवारा कुत्तों के मुद्दे पर आप पर अफवाहें फैलाने के आरोप में रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आवारा कुत्तों के मामलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति पर जारी एक प्रपत्र के संबंध में सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने की शिक्षा निदेशालय की शिकायत के बाद शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। शिक्षा निदेशालय ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में बीएनएस की धारा 353 (1) (किसी भी बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट को बनाना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी शामिल है) और 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना, यदि दंगा किया जाता है) के तहत प्रथमिकी दर्ज की गई है।

बल्लारी में झड़प के बाद भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

- वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हिंसा

बल्लारी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बल्लारी में वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़पों के संबंध में शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और 10 अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत के बाद बल्लारी में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।

चनाला शेखर नाम के शिकायतकर्ता के मुताबिक विधायक भरत रेड्डी बल्लारी में सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी के तहत एसपी सर्कल के पास वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण के लिए एक कार्यक्रम किया गया था। आरोप है, एक जनवरी को शाम साढ़े छह से शाम साढ़े सात बजे के बीच आरोपी जनार्दन रेड्डी, सोमशेखर रेड्डी और अन्य लोगों ने रेड्डी के घर के पास अनावरण समारोह के लिए लगे बैनरों को नुकसान पहुंचाया। प्राथमिकी में कहा गया है कि जब शेखर और सतीश रेड्डी ने उनसे पूछताछ की तो आरोपियों ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने आए पुलिस अधिकारी श्रीनिवास भी घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में जमानत दे दी। चैतन्य के खिलाफ ईडी और राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने शराब घोटाले में मामले दर्ज किए थे। ईडी ने जुलाई में घोटाले की धनशोधन जांच के सिलसिले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, राज्य की एजेंसी ने सितंबर में इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश

- इंदौर में दूषित पानी से कई मौतों के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का 'डबल इंजन' जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला, समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई, जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा, ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। राहुल ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं कफ सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।

पीड़ितों से माफी मांगे सरकार: उमा भारती

भोपाल। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवारों से माफी मांगने और दोषियों को अधिकतम दंड देने की मांग की। उन्होंने इसे पाप करार दिया और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को घोर प्रायश्चित करना होगा। स्थानीय नागरिकों ने इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में हुई इस घटना में छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है।

प्रशासन ने चार मौतें मानीं इंदौर के महापौर ने दस

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर घोषित इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। उधर, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। भार्गव ने बताया, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप से चार लोगों की मौत हुई है। हालांकि मुझे इस प्रकोप के कारण 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त प्रकोप से गुजरे नौ दिनों में 1,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अस्पतालों में भर्ती 201 मरीजों में से 32 लोग आईसीयू में हैं।

हिमाचल: सीनियर छात्राओं ने की रैगिंग, प्रोफेसर ने यौन उत्पीड़न

- मारपीट से घायल छात्रा की अस्पताल में मौत के बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

शिमला/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं पर 19 वर्षीय जूनियर छात्रा के साथ रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया। रैगिंग की घटना से पहले कॉलेज के एक प्रोफेसर पर इसी छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक छात्रा की 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसके बाद उसके पिता की शिकायत पर तीनों आरोपी छात्राओं और प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मृतक छात्रा के पिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि 18 सितंबर, 2025 को उनकी बेटी को तीन वरिष्ठ छात्रा हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने पीटा था जबकि कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार ने उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं। आरोप है कि मारपीट और उत्पीड़न के बाद छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उनकी बेटी गंभीर मानसिक तनाव और डर के साए में जी रही थी, जिससे उसकी हालत बहुत तेजी से बिगड़ी। वह गहरे सदमे में थी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था इसलिए पहले पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई जा सकी।

पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 3(5) (सामान्य इरादा) और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम 2009 की धारा तीन के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान में बारिश से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी के चलते कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से परिवार के पांच सदस्य मारे गए।

मादुरो अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार

काराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने गुरुवार को कहा कि उनका देश मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करने को तैयार है। मादुरो ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में यह बात कही। हालांकि, उन्होंने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के एक बंदरगाह क्षेत्र पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

गाम्बिया में नाव पलटने से सात लोगों की मौत

बंजुल। गाम्बिया के उत्तरी तट के पास बुधवार की आधी रात को एक नाव पलट गई जिसमें 200 से अधिक अवैध प्रवासी सवार थे। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। संकट की सूचना मिलते ही, गाम्बियाई नौसेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपातकालीन एजेंसियों के समन्वय से खोज, बचाव और राहत अभियान शुरू किया। 96 लोगों को बचाया जा चुका है।

मेक्सिको में 6.5 तीव्रता के भूकंप के लगे झटके

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी और मध्य मेक्सिको में आए जबरदस्त भूकंप के कारण राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम का नए साल का पहला संवाददाता सम्मेलन बाधित हो गया। मेक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.5 थी और इसका केंद्र दक्षिणी प्रांत गुरेरो में सैन मार्कोस शहर के निकट, प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को रिसॉर्ट के नजदीक था। नुकसान की कोई खबर नहीं है।

दो भारतवंशी बनेंगे सिंगापुर में सांसद

सिंगापुर। सिंगापुर में समुदाय और समाज के लिए अपने योगदान से ख्याति अर्जित करने वाले भारतीय मूल के दो व्यक्ति अगले सप्ताह संसद सदस्य मनोनीत किए जाने वाले हैं। ये दोनों उन नौ नामों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति टी. शनमुगरत्नम ने आठ जनवरी को मनोनीत संसद सदस्य घोषित किया था और वे इस महीने संसद के अगले सत्र में शपथ लेंगे।

मध्य प्रदेश में फूड पॉइजनिंग होने से 200 तोतों की गई जान

- **खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे मृत पाए गए सभी**

खरगोन, एजेंसी

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे खाद्य विषाक्तता के कारण कम से कम 200 तोतों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीते चार दिनों में बड़वाह क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास तोते मृत मिले हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की आशंका से इनकार किया गया है। जिला वन्यजीव वार्डन टोनी शर्मा ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान कुछ तोते जीवित पाए गए थे लेकिन भोजन में मौजूद विषाक्तता इतनी अधिक थी कि वे कुछ ही देर बाद मर गए। तोतों की मौत से इलाके में बर्ड फ्लू को लेकर दहशत फैल गई , हालांकि पशु चिकित्सा परीक्षण में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर एक्वाडक्ट पुल के आसपास पक्षियों को भोजन कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृत पक्षियों के विसरा के नमूने जांच को जबलपुर भेजे गए हैं।

आपूर्ति प्रणाली में सुधार जरूरी

मध्य प्रदेश की राजधानी इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। इन लोगों ने सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से नलों के माध्यम से की गई जलापूर्ति के पानी का सेवन किया था। पानी पीने से इतने लोगों की मौत पर देशभर में लोगों में चर्चा छिड़ी हुई है। पेयजल को लेकर गंभीर हो गए हैं कि क्या पानी पीने से भी जान जा सकती है। सरकार की जल आपूर्ति व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पेयजल की लाइन में सीवर का जहरीला पानी शामिल हो गया था। संभवत: पेयजल लाइन सीवर लाइन के नीचे से जा रही थी, पाइप में छेद होने से सीवर का पानी उससे होकर लोगों के घरों में पहुंचा और पीने से 15 जिंदगियां काल के गाल में समा गईं। मामले की जांच बैठा दी गई थी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इसका जिम्मेदार कौन है और लोगों को स्वच्छ जल कब मिलेगा।

स्वच्छ जल का संकट

दूषित पानी में ये जहरीले तत्व

- स्वास्थ्य विभाग और जल प्रदाय एजेंसियों के अनुसार सीवर का पानी आमतौर पर कई खतरनाक तत्वों से भरा होता है।

हानिकारक बैक्टीरिया : ई .कोलाई, साल्मोनेला, शिगेला • **वायरस :** रोटावायरस, नोरोवायरस • **परजीवी :** जिआर्डिया, क्रिप्टोस्पोरिडियम

रासायनिक अशुद्धियां : अमोनिया, नाइट्रेट/नाइट्राइट, सल्फाइड, जैविक कचरा और सड़न से बनी विषैली गैसों के अवशेष

- इन तत्वों के कारण पानी पीते ही तेज फूड प्वाइजनिंग, डिहाइड्रेशन और सेप्सिस जैसी गंभीर स्थितियां बन सकती हैं। जो कई बार जानलेवा साबित हो सकती हैं जैसा कि इंदौर में देखने को मिला।

नागरिक खुद भी रहें जागरूक

- नल का पानी उबालकर/फिल्टर करके ही पिएं
- किसी भी तरह के लक्षण पर तुरंत अस्पताल जाएं
- बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें
- घर में लगी पानी की टंकियों की एक नियमित अंतराल पर सफाई कराएं

स्वच्छ पानी के तत्व

आमतौर पर हमे आंखों से जो पानी साफ दिखाई देता है उसे ही स्वच्छ मान लेते हैं और पेयजल, स्नान और खाना आदि बनाने में प्रयोग करने लगते हैं लेकिन स्वास्थ्य मानकों के अनुसार पेयजल में कुछ निश्चित तत्व होते हैं जो उसे हमारे शरीर के लिए सुरक्षित बनाते हैं और उसका सेवन ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह पानी रोगाणु शून्य होना चाहिए। इसका पीएच मान 6 .5–8 .5 के बीच होना चाहिए। टीडीएस लेवल औमतौर पर 500 मिलीग्राम प्रति लीटर तक स्वीकार्य हैं। पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे तत्व भी एक तय सीमा में होने चाहिए। पेयजल का रंग, गंध और स्वाद सामान्य होता है।

सीवर के पानी का शरीर पर असर

- दूषित पानी का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ता है, लेकिन गंभीर मामलों में कई अंग प्रभावित होते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर सेप्टिक शॉक जानलेवा साबित हो सकता है।
- **आंतें व पेट :** तेज दस्त, उल्टी, पेट दर्द • **किडनी :** डिहाइड्रेशन से किडनी फेल होने का खतरा • **लिवर :** संक्रमण और टॉक्सिन से सूजन • **दिल :** इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से धड़कन पर असर • **नर्वस सिस्टम :** कमजोरी, चक्कर, बेहोशी
- **इम्यून सिस्टम :** गंदे पानी के सेवन से बच्चों और बुजुर्गों में तेजी से हालाते बिगड़ते हैं क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है।

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत

खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ अब प्रांतों में भी फैला आक्रोश, सुरक्षाबलों से झड़प

- **लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में हुई सबसे अधिक हिंसा**

दुबई, एजेंसी

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और गुरुवार को ये प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। प्रदर्शन में सात लोगों के मारे जाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि देश की सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं।

राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है।

यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में वहां सड़कों पर जलती हुई वस्तुएं दिखाई दे रही हैं साथ ही गोलियों की आवाजें गूंजती हैं जबकि लोग बेशर्म! बेशर्म! चिल्ला रहे हैं। अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने तीन लोगों के मारे जाने की खबर दी। सुधार समर्थक मीडिया संस्थानों ने भी जानकारी दी है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मस्जिद में एक समारोह में ईरानी झंडे लहराते लोग।

ट्रंप ने दी चेतावनी, प्रदर्शनकारियों का दमन होने पर हम चुप नहीं बैठेंगे

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरानी शासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का दमन किया गया, तो अमेरिका मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में स्पष्ट किया कि अगर ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलायी या उनकी हत्या की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लिखा, अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हमने निशाना साध लिया है और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह संदेश ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के कई शहरों में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर पिछले पांच दिनों से व्यापक जन आक्रोश देखा जा रहा है। गौरतलब है कि ईरान में इन दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। यह संकट देश की मुद्रा रियाल में आई ऐतिहासिक गिरावट के बाद और गहरा गया है। वर्तमान में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत करीब 14 .2 लाख रियाल के स्तर पर पहुंच गयी है। इस आर्थिक बदहाली के कारण तेहरान के ग्रैंड बाजार सहित प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने हड़ताल कर दी है। यह विरोध प्रदर्शन शुरू में केवल आर्थिक मांगों को लेकर शुरू हुए थे, वे अब राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुके हैं और प्रदर्शनकारी देश की शासन व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर ने उमर खालिद को पत्र लिखा, कहा- आपके बारे में सोच रहे हम

- **फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य आरोपी हैं खालिद, कोर्ट में चल रहा है मामला**
- **अमेरिकी सांसदों के समूह ने भी भारतीय राजदूत को पत्र लिख निष्पक्ष सुनवाई की मांग उठाई**

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हिंसा के आरोपी उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने कड़वाहट को महत्व नहीं देने और स्वयं पर इसके हावी नहीं होने पर खालिद के विचारों को याद किया। ममदानी की इस चिट्ठी को खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने एक्स पर पोस्ट किया था।

खालिद को लिखी ममदानी की चिट्ठी की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, जब जेल लोगों को अलग-थलग करने की कोशिश करती हैं तो आपके शब्द ताकत बनकर फैल जाते हैं। इस हाथ से लिखी चिट्ठी पर ममदानी के दस्तखत भी हैं। उन्होंने लिखा है कि प्रिय उमर, मैं अक्सर आपके उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की बात थी। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपके बारे में ही सोच रहे हैं।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य साजिशकर्ता होने के आरोप में खालिद और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कड़े आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दंगे में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस बीच, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद के लिए जमानत और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिकी नेता जिम मैकगवर्न और जेमी रास्किन उन आठ सांसदों में शामिल हैं जिन्होंने क्वात्रा को पत्र लिखकर दिल्ली में फरवरी 2020 की हिंसा के संबंध में खालिद समेत आरोपी व्यक्तियों को सुनवाई से पूर्व लंबे समय से हिरासत में लिए जाने के बारे में अपनी निरंतर चिंता व्यक्त की है। चिट्ठी में कहा गया है कि अमेरिका और भारत के बीच एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसकी जड़ें ऐतिहासिक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक शासन और मजबूत जन-से-जन संबंधों में रही हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते दोनों देशों का स्वतंत्रता, कानून के शासन, मानवाधिकारों और बहुलतावाद की रक्षा और संरक्षण में साझा हित है। सांसदों ने कहा कि इसी भावना के तहत वे उमर खालिद की हिरासत को लेकर अपनी चिंताएं उठा रहे हैं। सांसदों का दावा है कि मानवाधिकार संगठनों, विधि विशेषज्ञों और वैश्विक मीडिया ने खालिद की हिरासत से जुड़ी जांच और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी सांसदों ने कहा इस बात का स्वागत किया कि खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी जमानत दी गई।

भारत आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं करेगा

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी पर कार्यकर्ता उमर खालिद के बारे में नोट लिखकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने को लेकर ममदानी के अधिकार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर को ऐसे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

ईडी ने जब्त की 58 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हरियाणा और यूपी पुलिस की एफआईआर पर दिल्ली में छापे**

ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इंदरजीत सिंह यादव, उसके सहयोगियों और अन्य संबंधित संस्थाओं से जुड़े धनशोधन मामले की जारी जांच में हाल ही में दिल्ली में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया है। आरोपियों पर जबरन वसूली, निजी वित्तदाताओं के साथ जबरन ऋण समझौते, हथियारों का इस्तेमाल करके धमकी देने और इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से आय अर्जित करने का आरोप है।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा इंदरजीत सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक एफआईआर के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत जांच शुरू की। एफआईआर के अनुसार, जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जो जेम्स ट्यून्स के नाम से संचालित होती है, का मालिक और प्रमुख नियंत्रक इंदरजीत सिंह यादव हत्या, जबरन वसूली, जबरन ऋण निपटान, धोखाधड़ी, जालसाजी, अवैध भूमि हड़पने और हिंसक अपराधों सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। माना जा रहा है कि यादव संयुक्त अरब अमीरात से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। तलाशी के दौरान, ईडी ने अवैध साधनों से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों की पहचान की।

डिजिटल घोटाले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ईडी के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय ने हाल ही में अर्पित राठौर के परिसर में तलाशी अभियान चलाया, जिसे एसपी ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट मामले से संबंधित धनशोधन जांच मामले में गिरफ्तार किया गया।

श्रीलंका नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

- **श्रीलंकाई क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने का आरोप**

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी एक नौका भी जब्त की गई है। देश की नौसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि मछुआरों को उत्तरी प्रांत में कंकेसंथुरई के उत्तर में गुरुवार देर रात को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे और क्षेत्र छोड़ने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद मछली पकड़ना जारी रखा। नौसेना के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मछुआरों को अग्रिम कार्रवाई के लिए म्यलाडी मत्स्य निरीक्षणालय लाया जा रहा है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक संवेदनशील विषय रहा है। ऐसी अधिकतर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी छोर के बीच स्थित एक संकरी जलपट्टी है और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मत्स्य क्षेत्र मानी जाती है।

म्यांमार ने भारत के तीन लोगों को स्वदेश भेजा

यांगून। म्यांमार में नौकरी संबंधी फर्जीवाड़े में फंसे तीन भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि जुलाई 2024 से अब तक कुल 1,757 भारतीयों को भारत वापस भेजा जा चुका है। म्यावाड्डी फर्जीवाड़े के शिकार हुए तीनों लोगों को गुरुवार को स्वदेश वापस भेज दिया गया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर बताया कि म्यांमार के अधिकारियों और संगठनों के सहयोग से म्यावाड्डी फर्जीवाड़े से जुड़े केंद्रों से तीन और भारतीय नागरिकों को कल यांगून के रास्ते वापस स्वदेश भेजा गया।

रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर ठग लिए 1.61 करोड़ रुपये

- **मुंबई पुलिस का अधिकारी बन जालसाजों ने जाल में फंसाया**

कारवार (कर्नाटक), एजेंसी

मुंबई पुलिस के अधिकारी बनकर साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर 72 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक को बार-बार वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करके 1.61 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना उत्तर कन्नड़ जिले के मुंडगोड स्थित तिब्बती कॉलोनी के एक निवासी से संबंधित है।

जिला पुलिस में गुरुवार को दर्ज शिकायत के अनुसार, पाल्डेन को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल करके खुद को महाराष्ट्र के कोलाबा थाने का निरीक्षक बताया। फोन करने वाले ने दावा किया कि मुंबई में गिरफ्तार किए गए एक आतंकवादी के पास से कई एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं और उनमें से एक कार्ड पाल्डेन के नाम पर पंजीकृत है। बुजुर्ग को यह कहकर धमकाया कि उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए हैं और उसके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया गया है। धमकी को विश्वसनीय बनाने के लिए आरोपी ने पुलिस वर्दी पहनी थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 15 .32 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

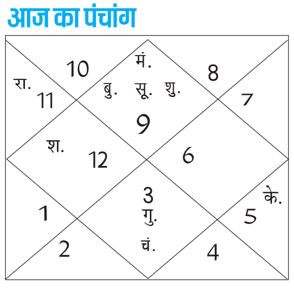

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 17 .27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने विचारों को हमेशा स्पष्ट रखें व उनमें बदलाव न करें। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव काफी कम रहेगा। युवा जातक प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

वृष — आज किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। क्रोध में आकर किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया न दें। अपनी क्षमताओं को परखने का प्रयास करें। आप रुकी हुई परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मेहनत करेंगे।

मिथुन — आज आप अपनी पुरानी गलतियों से सीखेंगे। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं। सकारात्मक लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। अपने लक्ष्यों को लेकर काफी भावुक हो सकते हैं।

कर्क — आज किसी नजदीकी ज्यादा सोच-विचार के बजाय जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। बच्चों की समस्याओं पर आपको ध्यान देना चाहिए। परिवार और कार्यक्षेत्र में जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। पुराने कर्जों के कारण आपको तनाव हो सकता है।

सिंह — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। मन में संतोष की भावना रहेगी। आपके पास नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। उच्च शिक्षा को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। ऐसे कोई काम न करें, जिसमें आपकी छवि दांव पर लगी हो।

कन्या — आज सहकर्मियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। तनाव न लेते हुए समस्याओं का शांत मन से समाधान ढूंढें। राजनैतिक मामलों से जुड़े लोगों को थोड़ा सावधान रहना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला — आज अधिकारियों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपनी विशेषताओं को आप व्यक्त करने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में आपको संघर्ष की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपको क्षमता से अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद न करें। घर में अनुशासन बनाए रखें। करियर और शिक्षा को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। अपने गुप्त रहस्य और विद्या किसी से साझा न करें।

धनु — आज सरकारी कार्यों में कुछ धीमापन हो सकता है। किसी रिश्तेदार से शुभ सूचना मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। नौकरी में स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। बॉस आपके काम से बहुत प्रसन्न रहेंगे।

मकर — आज नकारात्मक परिस्थितियों के बीच भी संयम बनाए रखें। हालांकि लोगों के ऊपर आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेना लाभकारी सिद्ध होगा। आप स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं।

कुंभ — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन अवश्य करें। परोपकार और समाज कल्याण के कार्यों में अपना सहयोग देंगे। कार्यक्षेत्र में आपके उत्तम प्रदर्शन को लेकर चर्चा होगी। बाहरी व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप न होने दें।

मीन — आज अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग नहीं कर पाएंगे। यदि आवश्यक न हो, तो बड़े आर्थिक लेन-देन कम करें। व्यापारी नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को मर्यादित रखें।

सुडोकू -21

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		4		6		8		5
		8		7	1	2	4	
	9			2			3	
9			7					6
		3				1		
5					8			2
	6			4			8	
	2	1	9	8		7		
8		7		3		9		

सुडोकू - 20 का हल

5	9	1	6	3	7	8	4	2
2	8	4	1	9	5	3	6	7
3	7	6	4	2	8	1	9	5
4	6	9	2	1	3	7	5	8
8	1	5	9	7	6	4	2	3
7	3	2	5	8	4	6	1	9
6	4	7	8	5	2	9	3	1
9	2	3	7	4	1	5	8	6
1	5	8	3	6	9	2	7	4

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि ब्रैंडन और मैं निकट भविष्य में यह जिम्मेदारी निभाते रहने के लिए सही लोग हैं। मैंने ब्रैंडन के साथ काम करने का समय पूरी तरह से आनंद लिया है। मुझे नहीं लगता कि कोई और है जिसके साथ मैं इस टीम को मौजूदा स्थिति से और ऊंचाइयों तक ले जा सकूं।
-बेन स्टोक्स।

स्टेडियम

बरेली, शनिवार ,3 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गिल के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में आम जनता को अनुमति नहीं

जयपुर। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने दोनों मैच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में दर्शकों के बिना खेला था, उसी तरह शनिवार को जयपुरिया कॉलेज के मैदान पर सिक्किम के खिलाफ पंजाब के लिए भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल के मैच के दौरान भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआई के निर्देशानुसार भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के अगले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। गोवा के खिलाफ मैच केएल सैनी स्टेडियम में होगा जबकि सिक्किम के खिलाफ स्थानीय कॉलेज के मैदान पर होने वाला मैच सुरक्षा कारणों और दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा।

साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था। सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है। हालांकि उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है।

मैक्कुलम को कोच बने रहने का समर्थन

सिडनी। बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को कहा कि वह ब्रैंडन मैक्कुलम के बिना इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के रूप में अपने भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में नाकामी के बावजूद स्टोक्स ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए वह और मैक्कुलम बिलकुल सही लोग हैं। इंग्लैंड ने श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट में ही एशेज गंवा दी जिससे ऑस्ट्रेलिया में जीत का लंबा इंतजार और बढ़ गया। हालांकि 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में मिली जीत ने निराशाजनक अभियान में थोड़ी राहत दी जो जनवरी 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत थी। स्टोक्स और मैकुलम दोनों का अनुबंध 2027 तक है।

पुरुषों की एचआईएल लीग शनिवार से

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में शनिवार से शुरु हो रही पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के दूसरे संस्करण के पहले मैच में मेजबान अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स का मुकाबला हैदराबाद तूफान से होगा। श्राची बंगाल टाइगर्स डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वहीं हैदराबाद तूफान पिछले संस्करण की उपविजेता रही है। यह चैंपियनशिप कई शहरों में होगी, जिसकी शुरुआत चेन्नई से होगी, फिर यह रांची जाएगी और 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल के साथ खत्म होगी।

5वें एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे ख्वाजा

सिडनी, एजेंसी

पाकिस्तान में जन्में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी ख्वाजा ने संन्यास की घोषणा करते हुए 'नस्लीय' रूढ़िवादिता की भी आलोचना की जिसका अनुभव उन्होंने अपने करियर के दौरान किया था।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए एससीजी का मैदान काफी भाग्यशाली रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट उनके करियर का 88वां और आखिरी टेस्ट मैच होगा, जो उसी मैदान पर खेला जाएगा जहां से उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। ख्वाजा ने 2018 में एससीजी में ही इंग्लैंड के खिलाफ 171 रन बनाकर एशेज में अपना पहला शतक बनाया था। एससीजी में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक लगाकर 35 वर्ष की उम्र में अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद अगले दो वर्षों में ख्वाजा ने सात शतक जड़े। लेकिन वर्तमान सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में पीठ में दर्द के कारण वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाए थे और इसके बाद चोट के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहने से टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए थे। एडिलेड में तीसरे टेस्ट मैच में उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण ख्वाजा को वापसी का मौका मिला। एडिलेड में पहली पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली। पांचवें टेस्ट में 3-1 की बढ़त के साथ उतर रहे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी है।

- ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज ने नस्लीय रूढ़िवादिता की आलोचना की
- उस्मान ने 87 टेस्ट मैचों में 43.49 के औसत से 16 शतक सहित 6,206 रन बनाए

बोले- मेरे साथ किया गया अलग व्यवहार

ख्वाजा ने पत्रकारों से कहा मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं। मुझे पीठ में दर्द होता है जो मेरे बस में नहीं है पर मीडिया व पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा। मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रूढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं। पर्थ मैच से पहले ख्वाजा की आलोचना हुई क्योंकि दो बार गोल्फ खेला और अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। कुछ लोगों का मानना था कि गोल्फ ही उनकी पीठ की समस्या का कारण हो सकता है। मैं ऐसे उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए पर आप लोगों ने कुछ नहीं कहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला के लिए आज चुनी जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के चयन पर होगी चर्चा, 11 जनवरी से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए शनिवार को जब चयनकर्ता 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन करने बैठेंगे तो ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले हुई श्रृंखला में जीत दर्ज करने वाली टीम में हालांकि कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, लेकिन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति दो मुद्दों पर ध्यान दे सकती है।

पहला मुद्दा पंत की दूसरे विकेटकीपर के रूप में स्थिति हो सकती है, क्योंकि ईशान किशन झारखंड के लिए मध्य क्रम में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और ध्रुव जुरेल ने भी घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा शतक जड़ा है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहचान टीम संयोजन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन की है। टीम संयोजन के कारण ही उन्होंने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए संजू सैमसन और किशन जैसे सलामी बल्लेबाजों को चुना है। वनडे प्रारूप में टीम को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत है। ऐसा विकेटकीपर जो पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहज हो। इसमें कोई शक नहीं कि प्रभाव के मामले में पंत किशन और जुरेल से कही बेहतर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में गुवाहाटी टेस्ट में उनके शॉट चयन ने न तो मुख्य कोच और न ही चयन समिति को प्रभावित किया।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू तीन मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजों का चयन है। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता अन्य दो तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह) को भी आराम देते हैं। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई श्रृंखला में हिस्सा लिया था। सिराज को परिस्थितियों के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नहीं चुना गया था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेशी श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी के पहले चार चरण में भी नहीं खेला है, लेकिन हो सकता है कि वह हैदराबाद के लिए अंतिम तीन चरण में से दो में खेलें। पिछले वनडे विश्व कप तक नियमित रूप से टीम का हिस्सा रहने के बाद उन्हें 50 ओवर के प्रारूप से बाहर रखना समझ से परे है।

- शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की
- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शामिल खिलाड़ियों में अधिक बदलाव की संभावना नहीं

मोहम्मद शमी का बीत चुका है समय

मोहम्मद शमी की बात करें तो वह चोट से वापसी के बाद बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिहाज से उनका समय अब बीत चुका है। शमी और चयन समिति के बीच संवाद भी विशेष रूप से स्पष्ट नहीं रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से दो मुख्य दावेदार सरफराज खान (नंबर चार पर बल्लेबाजी) और देवदत्त पडिक्कल (सलामी बल्लेबाज) हैं। शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की होने के कारण पडिक्कल को मौका देना मुश्किल होगा। सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर रुतुराज गायकवाड़ पहले ही दावेदारों में उनसे आगे निकल चुके हैं।

बांग्लादेश में भारत खेलेगा वनडे और टी-20 सीरीज

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कार्यक्रम की घोषणा की
- बीसीसीआई सहमति देगा या नहीं ये अभी स्पष्ट नहीं

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इस साल सितंबर में भारत की मेजबानी करेगा जिसमें दोनों टीम के बीच तीन मैच की वनडे और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। हालांकि मौजूदा हालात में बांग्लादेश में स्थिर सरकार नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए सहमति देगा या नहीं।

बीसीबी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार वनडे मुकाबले एक, तीन और छह सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 9, 12 और 13 सितंबर को होंगे। भारतीय टीम सीमित ओवरों की इस श्रृंखला के लिए 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। भारत का पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश का दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले जुलाई जारी अपने बयान में कहा था बीसीबी और बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में प्रस्तावित बांग्लादेश और भारत के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। बयान में आगे कहा गया यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच चर्चा के बाद लिया गया है जिसमें दोनों टीम की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा बीसीबी सितंबर 2026 में इस श्रृंखला के लिए भारत का स्वागत करना चाहता है। कार्यक्रम की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

बीसीबी का दावा

- **01**, 03 और 06 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे
- **09**, 12 और 13 सितंबर को होंगे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच
- **28** अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी भारतीय टीम

नीरज और सचिन एआईयू के पूल में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव को इस साल के पहले तीन महीने के लिए विश्व एथलेटिक्स की डोपिंग विरोधी निगरानी संस्था एथलीट्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा इस सूची में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं, लेकिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहने वाले यादव को पहली बार इसमें जगह मिली है। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता यादव ने विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया था जो फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण आठवें स्थान पर रहे थे।

यादव ने 86.27 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए न केवल चोपड़ा को, बल्कि पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी पीछे छोड़ा था। नदीम 10वें स्थान पर रहे थे। उत्तर प्रदेश के इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को भाला फेंक का अगला स्टार माना जा रहा है। आरटीपी अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों का सर्वोच्च स्तर का समूह है। इस सूची में शामिल खिलाड़ियों का परीक्षण बिना किसी पूर्व सूचना के किया जाता है।

इन खिलाड़ियों को अपने घर के पते सहित ठिकाने की जानकारी देनी होती है। इसके साथ ही उन्हें प्रतिदिन 60 मिनट का ऐसा समय भी बताना होता है जिसके दौरान वे परीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मोदी व योगी करेंगे वॉलीबॉल महाकुंभ का उद्घाटन

वाराणसी। काशी अब खेल की दुनिया में नया इतिहास रचने को तैयार है। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चार जनवरी से 11 जनवरी तक 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन होने जा रहा है। काशी के इतिहास में यह पहली बार है जब इतने बड़े स्तर की नेशनल चैंपियनशिप आयोजित हो रही है। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भौतिक रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

महिला हॉकी इंडिया लीग

रांची के मरंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में महिला हॉकी इंडिया लीग मैच के दौरान बॉल के लिए संघर्ष करतीं जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स की खिलाड़ीं। • एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी के साथ रिकॉर्ड बनाएंगी वीनस

मेलबर्न, एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स पांच साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से दो सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उपविजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं।

इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।
-वीनस विलियम्स

नई जिम्मेदारी

पिछले मुख्य कोच हरेंद्र सिंह की लेंगे जगह, जिन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और मनमाने रवैये के कारण दिया था इस्तीफा

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी।

मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। इसके पांच साल बाद फिर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन की टीम में अपार साख थी और उन्हें एक ऐसी एकजुट टीम बनाने का श्रेय दिया जाता था जहां खिलाड़ी एक-दूसरे की सफलता में खुशी मानते थे। उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए टोक्यो ओलंपिक खेलों के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।

उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। लोम्बार्ड को अपने कार्य में रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और उसे बदलाव के दौर से गुजरना पड़ा क्योंकि चोट से जूझ रही कप्तान रानी रामपाल, वंदना कटारिया और दीप ग्रेस एक्का जैसी प्रमुख खिलाड़ियों ने खेल से संन्यास ले लिया। महिला टीम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही।

- **51** वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक जुड़े रहे भारतीय टीम से
- **10** शीर्ष रैंकिंग में शामिल हुआ था भारत पिछले कार्यकाल में
- **1997** में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर ने

पहली चुनौती होगी महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट

मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि साई के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया।